



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 75] प्रयागराज, शनिवार, 25 दिसम्बर, 2021 ई० (पौष 4, 1943 शक संवत्)

[संख्या 52

विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु0			रु0
भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	915—930	3075	भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	1681—1701	1500	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये		975
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	..	975	भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐक्ट		
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख—नगर पंचायत, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	..	975	भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
			भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट		975
			भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	..	
			भाग 8—सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	923—970	975
			स्टोर्स—पंचेज विभाग का क्रोड़ पत्र	..	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

विधान परिषद् सचिवालय, उत्तर प्रदेश

[अधिष्ठान]

सेवा निवृत्ति

01 नवम्बर, 2021 ई0

सं0 3087(अधिष्ठान)/वि0प0-267/84टी0सी0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/सेवानिवृत्ति आदेश संख्या 1928/वि0प0-267/84, दिनांक 08 दिसम्बर, 2020 के क्रम में विधान परिषद् सचिवालय उत्तर प्रदेश के निम्न अधिकारी अपनी 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के पश्चात् दिनांक 31 अक्टूबर, 2021 के अपरान्ह से सेवानिवृत्त हो गये—

1—श्री राहत अली, निजी सचिव, श्रेणी-4।

2—श्री राम किशोर सैनी, निजी सचिव, श्रेणी-4।

आज्ञा से,
डा0 राजेश सिंह,
प्रमुख सचिव।

श्रम विभाग

अनुभाग-2

कार्यालय-ज्ञाप

12 नवम्बर, 2021 ई0

सं0 27/2021/2046(1)/36-2-2021-03(जी)/2017—श्रम न्यायालय, आगरा के रिक्त पीठासीन अधिकारी के पद पर विज्ञप्ति संख्या 25/2018/1173/छत्तीस-2-2018-पी0ओ0/2017-टी0सी0-1, दिनांक 27 जून, 2018 के द्वारा तैनात श्री अटल कुमार को उत्तर प्रदेश श्रम न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण (नियुक्ति एवं नियोजन की शर्तें) नियमावली, 1996 यथासंशोधित नियमावली, 1997 के नियम-5 में दिये गये प्राविधान के अनुसार कार्यकाल दिनांक 01 नवम्बर, 2021 से अग्रेतर 06 माह अथवा 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने, जो भी पहले घटित हो, पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, आगरा के पद पर तैनात करने की मा0 राज्यपाल महोदया सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं।

2—श्री अटल कुमार, पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, आगरा की सेवायें उत्तर प्रदेश श्रम न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण (नियुक्ति एवं नियोजन की शर्तें) नियमावली, 1996 तथा इसमें समय-समय पर किये गये संशोधनों में निहित प्राविधानों एवं शेष शर्तें नियुक्त-पत्र दिनांक 27 जून, 2018 के अनुसार लागू रहेंगी।

3—श्री अटल कुमार, पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, आगरा द्वारा जिस अवधि में पीठासीन अधिकारी द्वारा कार्य नहीं किया गया है, उन्हें उक्त अवधि का वेतन देय नहीं होगा।

आज्ञा से,
सुरेश चन्द्रा,
अपर मुख्य सचिव।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

अनुभाग-1

प्रोन्नति

27 अक्टूबर, 2021 ई0

सं0 1703/सत्ताईस-1-2021-43/2019—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के सिविल संवर्ग के श्री अविनाश मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता को चयन वर्ष 2019-20 की रिक्ति के सापेक्ष उनके कनिष्ठ की पदोन्नति की तिथि 30 जून, 2021 से अधीक्षण अभियन्ता (वेतनमान रु0 37,400-67,000, ग्रेड पे-8,700 पे मैट्रिक्स लेवल-13) के पद पर नोशनल पदोन्नति तथा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित रूप से वास्तविक पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री अविनाश मिश्रा की तैनाती तथा नोशनल पदोन्नति के फलस्वरूप कार्मिक विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या 13/21/89-का-1-1999, दिनांक 28 मई, 1997 के अनुसार वेतन निर्धारण सम्बन्धी आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
फूल चन्द्र,
संयुक्त सचिव।

शुद्धि-पत्र

सं0 1709/सत्ताईस-1-2021-43/2019—सिंचाई एवं जल संसाधन अनुभाग-1 की विज्ञप्ति/प्रोन्नति संख्या 1703/सत्ताईस-1-2021-43/2019, दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 द्वारा श्री अविनाश मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता की अधीक्षण अभियन्ता के पद पर पदोन्नति के आदेश निर्गत किये गये हैं। उक्त विज्ञप्ति/प्रोन्नति के प्रथम प्रस्तर में त्रुटिवश "30 जून, 2020" के स्थान पर कनिष्ठ की पदोन्नति की तिथि "30 जून, 2021" अंकित हो गयी है, जिसे "30 जून, 2020" पढ़ा जाये।

2—उक्त विज्ञप्ति/प्रोन्नति संख्या 1703/सत्ताईस-1-2021-43/2019, दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 को इस सीमा तक संशोधिता समझा जाये।

आज्ञा से,
आलोक कुमार द्विवेदी,
अनु सचिव।

अनुभाग-12

नियुक्ति

02 नवम्बर, 2021 ई0

सं0 294/27-12-2021-9(196)/2008—उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियन्त्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर ग्रेटर शारदा सहायक समादेश क्षेत्र विकास परियोजना/प्राधिकारी के अन्तर्गत भूमि संरक्षण अधिकारी/प्राविधिक अधिकारी के सीधी भर्ती के समूह 'ख' के पद पर चयनोपरान्त आयोग के पत्र संख्या 34/01/ई-4/2019-20 टी0सी0-1 दिनांक 25 जून, 2021 द्वारा संस्तुत निम्न तालिका के स्तम्भ-3 में अंकित अभ्यर्थियों को भूमि संरक्षण अधिकारी/प्राविधिक अधिकारी के पद पर वेतन बैंड-3 रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 5400 (पे मैट्रिक्स लेवल-10) में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की परिवीक्षा

अवधि पर रखते हुये अस्थायी रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-6 में उल्लिखित स्थान/कार्यालय/इकाई में तैनात/पदस्थापित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र०सं०	अनुक्रमांक	अभ्यर्थियों का नाम/पिता का नाम/स्थाई पता	जन्म तिथि	गृह जनपद/राज्य का नाम	तैनाती/पदस्थापना का स्थल/इकाई/कार्यालय
1	2	3	4	5	6
1	099209	श्री आशीष कुमार/श्री राधे श्याम, भूतनाथ गोला देहात, गोला गोकर्ननाथ, लखीमपुर, उत्तर प्रदेश पिन कोड-262802	06-07-1993	लखीमपुर, उ०प्र०	भूमि संरक्षण इकाई, बलरामपुर-1
2	042486	श्री अभिषांक निगम/श्री अंबरीश निगम, वार्ड-7, सिविल अस्पताल के पीछे रामनगर, सतना, मध्य प्रदेश, पिन कोड-485881	06-04-1997	सतना, म०प्र०	भूमि संरक्षण इकाई, गोरखपुर-2
3	030754	श्री कुन्दन कुमार/श्री अरूण कुमार, महदिया, मुजफ्फरपुर, बिहार, पिन कोड-843128	16-05-1993	मुजफ्फरपुर बिहार	भूमि संरक्षण इकाई, बलरामपुर-3
4	082149	श्री अरविन्द कुमार वर्मा/श्री राज बहादुर वर्मा, छठिया, छतौनिया, लखीमपुर, उत्तर प्रदेश पिन कोड-262802	13-07-1990	लखीमपुर, उ०प्र०	भूमि संरक्षण इकाई, संतकबीरनगर-3
5	055618	श्री रचित कुमार/श्री संजय कुमार, पुथिया मेडिकल, नियर शिव चौक, मोहल्ला कबीर नगर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश पिन कोड-246734	25-07-1996	बिजनौर, उ०प्र०	भूमि संरक्षण इकाई, श्रावस्ती
6	032707	सुश्री आकांक्षा यादव/श्री ओम प्रकाश, 441 बी० आर० 052, पुराना तोप खाना, बालागंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश पिन कोड-226003	01-10-1996	लखनऊ, उ०प्र०	भूमि संरक्षण इकाई, बहराइच-3
7	127568	श्री अन्नी कुमार सिंह/श्री बलिराम सिंह, दमवलिया, नारापुर, वेस्ट चम्पारण, बिहार, पिन कोड-845105	09-07-1995	वेस्ट चम्पारण बिहार	भूमि संरक्षण इकाई, सिद्धार्थनगर-2
8	090581	श्री सौरव कुमार/श्री संजय सिंह, फखरपुर, फखरपुर, अरवल, बिहार, पिन कोड-804401	20-03-1996	अरवल बिहार	भूमि संरक्षण इकाई, संतकबीरनगर-2

1	2	3	4	5	6
9	030618	सुश्री प्रियंका कुमारी/श्री कौशल सिंह, औरन, कन्नौनी, रोहतास, बिहार, पिन कोड-802220	02-03-1995	रोहतास बिहार	भूमि संरक्षण इकाई, गोरखपुर-1

2-उक्त तालिका में उल्लिखित अभ्यर्थियों की नियुक्ति एवं तैनाती/पदस्थापना निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी-

(1) नवनियुक्त भूमि संरक्षण अधिकारी/प्राविधिक अधिकारी को वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत मंहगाई भत्ता तथा अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमन्य होंगे।

(2) यह नियुक्ति नितान्त अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थी के सम्बन्ध में दिये गये कोई भी प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उसकी सेवायें बिना कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय/आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार, आदेश निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा-भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व सम्बन्धित उप निदेशक एवं भूमि संरक्षण अधिकारी/प्राविधिक अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें।

(7) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के सम्बन्धित मण्डल के उप निदेशक यह सुनिश्चित करेंगे कि वह अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं करें तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन तथा अध्यक्ष एवं प्रशासक, ग्रेटर शारदा सहायक समादेश क्षेत्र विकास परियोजना उ0प्र0, लखनऊ को कार्यभार प्रमाण-सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे-

[1] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।

[2] अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।

[3] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

आज्ञा से,
अनीता वर्मा सिंह,
विशेष सचिव।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग

अनुभाग-1

नियुक्ति

शुद्धि-पत्र

11 नवम्बर, 2021 ई0

सं0 932/18-1-21-25(43)/16टी0सी0-I-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर संस्तुत कुल 19 अभ्यर्थियों में से

15 अभ्यर्थियों की नियुक्ति/विज्ञप्ति के सम्बन्ध में शासन के नियुक्ति/विज्ञप्ति संख्या 745/18-1-21-25(43)/2016टी0सी0-1, दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 के प्रस्तर-1 की तालिका के क्रमांक-1 के कालम-3 में सुश्री आयुषी बरनवाल की तैनाती के सम्बन्ध में अंकित "उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, उ0प्र0 कानपुर, सम्बद्ध ओ0डी0ओ0पी0 सेल, निर्यात ब्यूरो, लखनऊ" के स्थान पर "जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, बाराबंकी सम्बद्ध ओ0डी0ओ0पी0 सेल निर्यात ब्यूरो लखनऊ" पढ़ा जाय।

2-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन/विशेष चयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर संस्तुत कुल 19 अभ्यर्थियों में से 15 अभ्यर्थियों की नियुक्ति/विज्ञप्ति के सम्बन्ध में शासन के नियुक्ति/विज्ञप्ति संख्या 885/18-1-21-25(43)/2016टी0सी0-1, दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 के प्रस्तर-1 की तालिका के क्रमांक-13 के कालम-3 में श्री राजकुमार तोमर की तैनाती के सम्बन्ध में अंकित "उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, उ0प्र0, कानपुर, सम्बद्ध निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो, लखनऊ" के स्थान पर "जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, बलरामपुर सम्बद्ध निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो, लखनऊ" पढ़ा जाय।

3-उक्त सीमा तक नियुक्ति/विज्ञप्ति संख्या 745/18-1-21-25(43)/16टी0सी0-1, दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 तथा संख्या 885/18-1-21-25(43)/2016टी0सी0-1, दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 को संशोधित समझा जाय। शेष व्यवस्था यथावत् रहेगी।

आज्ञा से,
नवनीत सहगल,
अपर मुख्य सचिव।

उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप विभाग

अनुभाग-1

कार्यालय-ज्ञाप

11 नवम्बर, 2021 ई0

सं0 609/चौरासी-1-2021-उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार द्वारा देश में गुणवत्ता का सुदृढ़ परिस्थिति की तंत्र स्थापित करने एवं मानकों के निर्धारण और उपयोग में राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से भारतीय मानकों के उपयोग को बढ़ावा देने लिये राज्य स्तरीय मानकीकरण समिति (एस0एल0सी0एस0) के गठन से सम्बन्धित पत्र संख्या बी-11/15/2020-बी0आई0एस0, दिनांक 08 अप्रैल, 2021 एवं इसके साथ संलग्न अधिसूचना दिनांक 08 अप्रैल, 2021 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा की गयी अपेक्षानुसार सुदृढ़ एवं गुणवत्ता पूर्ण परिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने एवं मानकों के निर्धारण/उपयोग के लिये मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय मानकीकरण समिति (एस0एल0सी0एस0) का निम्नवत् गठन किया जाता है—

1-मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।	अध्यक्ष
2-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, उद्योग विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
3-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
4-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, पर्यावरण विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य
5-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य
6-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, कृषि विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य

7-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य
8-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य
9-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, परिवहन विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य
10-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, शासन।	सदस्य
11-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, सूचना विभाग, उ0प्र0, शासन	सदस्य
12-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
13-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
14-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
15-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
16-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, ऊर्जा विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य
17-उप महाप्रबंधक, बीआईएस उत्तरी क्षेत्र, चण्डीगढ़	सदस्य
18-राज्य चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रमुख एस0एल0सी0एस0 के अध्यक्ष द्वारा नामित	सदस्य
19-राज्य में उद्योग संघ के दो प्रतिनिधि एस0एल0सी0एस0 के अध्यक्ष द्वारा नामित	सदस्य
20-राज्य में उपभोक्ता संगठन/एनजीओ के दो प्रतिनिधि एस0एल0सी0एस0 के अध्यक्ष द्वारा नामित	सदस्य
21-केन्द्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के प्रतिनिधि एस0एल0सी0एस0 के अध्यक्ष द्वारा नामित	सदस्य
22-राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के प्रतिनिधि एस0एल0सी0एस0 के अध्यक्ष द्वारा नामित	सदस्य
23-राज्य में दो प्रमुख तकनीकी/व्यावसायिक शिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि एस0एल0सी0एस0 के अध्यक्ष द्वारा नामित	सदस्य
24-अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग/उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट-माप विभाग, उ0प्र0 शासन।	सदस्य/सचिव

3-उक्त राज्य स्तरीय मानकीकरण समिति भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 08 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित शर्तों तथा निर्देशों के अनुसार कार्य करेगी।

4-एस0एल0सी0एस0 की वर्ष में कम से कम दो बार एवं इससे अधिक बार भी यदि अध्यक्ष द्वारा उचित समझा जाये, बैठकें आयोजित की जायेंगी।

5-गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को समिति के अध्यक्ष द्वारा तीन वर्ष हेतु नामित किया जायेगा तथा उनको पुनः भी उक्त समिति में नामित किया जा सकेगा।

6—उत्तर प्रदेश राज्य के बी0आई0एस0 (भारतीय मानक ब्यूरो) के शाखा के प्रमुख, समिति के सदस्य सचिव को बैठक आयोजित करने और उनमें लिये गये निर्णयों पर अनुवर्ती कार्यवाही करने के लिये आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। राज्य के बी0आई0एस0 शाखा कार्यालय के प्रमुख इस कार्य के लिये नोडल शाखा प्रभारी होंगे।

आज्ञा से,
वीना कुमारी,
प्रमुख सचिव।

अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग

अनुभाग-2

नियुक्ति

26 अक्टूबर, 2021 ई0

सं0 1947/52-2-2021-19(अधि0)/2021—सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100 के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
सुश्री मैत्री रस्तोगी पुत्री श्री प्रदीप रस्तोगी	मेरठ	स्थायी पता— प्रदीप रस्तोगी, ब्लाक-14, प्लैट नं0-6, टाइप-4, क्वार्टर्स, पी0डब्ल्यू0डी0 कालोनी, जेल रोड, लखनऊ, उ0प्र0- 226012। पत्र व्यवहार का पता- उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2—सुश्री मैत्री रस्तोगी की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति सुश्री मैत्री रस्तोगी द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है—

(1) सुश्री मैत्री रस्तोगी कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्व:घोषणा-पत्र भी प्रस्तुत करेगी कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि सुश्री रस्तोगी द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं

होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि सुश्री रस्तोगी द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबंधों के अनुसार अन्य दाण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3-ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4-यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभारी ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे—

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5-यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6-निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

7-निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1948/52-2-2021-19(अधि0)/2021-सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100 के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
श्री अनिरुद्ध पाण्डेय पुत्र श्री आदर्श पाण्डेय	प्रयागराज	स्थायी पता— श्री आदर्श पाण्डेय 158-1, एच0सी0 राय मार्ग, टैगोर टारुन, प्रयागराज, उ0प्र0-211002। पत्र व्यवहार का पता- उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2—श्री अनिरुद्ध पाण्डेय की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति श्री पाण्डेय द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है—

(1) श्री पाण्डेय कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्वःघोषणा पत्र भी प्रस्तुत करेगी कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि श्री पाण्डेय द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि श्री पाण्डेय द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अनुसार अन्य दण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3—ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4—यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभार ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे—

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5—यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6—निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

7—निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1949/52-2-2021-19(अधि0)/2021—सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100) के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते

हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
श्री श्रेय शशांक पुत्र श्री एस0के0 तिवारी	गाजियाबाद	स्थायी पता— एस0के0 तिवारी, सी-605, आदित्य गार्डन सिटी, जीएच-4 वसुन्धरा, गाजियाबाद, उ0प्र0-201012 पत्र व्यवहार का पता-उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2—श्री श्रेय शशांक की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति श्री श्रेय शशांक द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है—

(1) श्री श्रेय शशांक कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्वःघोषणा पत्र भी प्रस्तुत करेंगे कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि श्री श्रेय शशांक द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि श्री श्रेय शशांक द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अनुसार अन्य दाण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3—ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4—यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभार ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे—

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5—यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6—निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

7—निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1950/52-2-2021-19(अधि0)/2021—सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100 के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
श्री अंकित कुमार पुत्र श्री राजपाल सिंह	सोनीपत हरियाणा	स्थायी पता— अंकित कुमार, भैंसवाल कलां बी, 131409, सोनीपत, हरियाणा-131001। पत्र व्यवहार का पता-उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2—श्री अंकित कुमार की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति श्री अंकित कुमार द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है—

(1) श्री अंकित कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्वःघोषणा पत्र भी प्रस्तुत करेंगे कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि श्री अंकित द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि श्री अंकित द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अनुसार अन्य दाण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3—ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4—यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभारी ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे—

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5—यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6—निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

7—निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1951/52-2-2021-19(अधि0)/2021—सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100 के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
श्री दिव्य दुर्गेश सिन्हा पुत्र श्री सुनील कुमार सिन्हा	मुजफ्फरपुर बिहार	स्थायी पता— सुनील कुमार सिन्हा, रामबाग चौरी, आर0पी0एस0 लेन, रामबाग चौरी, मुजफ्फरपुर, बिहार-842002। पत्र व्यवहार का पता-उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2—श्री दिव्य दुर्गेश सिन्हा की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति श्री दिव्य दुर्गेश सिन्हा द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है—

(1) श्री सिन्हा कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्वःघोषणा-पत्र भी प्रस्तुत करेगी कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि श्री सिन्हा द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं

होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि श्री सिन्हा द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबंधों के अनुसार अन्य दाण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3-ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4-यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभार ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे-

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5-यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6-निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

7-निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1952/52-2-2021-19(अधि0)/2021-सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100 के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
श्री प्रशान्त साहू पुत्र श्री देवी शंकर साहू	उन्नाव	स्थायी पता- प्रशान्त साहू, 104/1, गांधी नगर, उन्नाव, उ0प्र0-209801। पत्र व्यवहार का पता-उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2-श्री प्रशान्त साहू की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति श्री प्रशान्त साहू द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है-

(1) श्री साहू कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्व:घोषणा-पत्र भी प्रस्तुत करेगी कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि श्री साहू द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि श्री साहू द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबंधों के अनुसार अन्य दण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3—ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4—यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभार ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे—

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5—यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6—निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

7—निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1953/52-2-2021-19(अधि0)/2021—सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2020 के परिणाम के आधार पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800 ग्रेड पे रु0 4,800 (सातवें वेतन आयोग में पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 रु0 47,600-1,51,100 के वेतनमान में औपबन्धिक एवं अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है) पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

अभ्यर्थी का नाम/पिता का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता/पत्र व्यवहार का पता	नियुक्ति स्थान
1	2	3	4
सुश्री शालिनी रंजन पुत्री श्री योगेन्द्र सिंह	आगरा	स्थायी पता— योगेन्द्र सिंह, गांव नागला अर्जुन, पोस्ट-सेमरा, आगरा, उ0प्र0-283126। पत्र व्यवहार का पता-उपरोक्त।	निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, 620, 6वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001।

2—सुश्री शालिनी रंजन की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर औपबन्धिक नियुक्ति सुश्री शालिनी रंजन द्वारा दी गयी सूचना/की गयी घोषणा के आधार पर तथा कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011/का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में निहित निम्नलिखित उपबन्धों के अधीन की जाती है—

(1) सुश्री शालिनी रंजन कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 29 अप्रैल, 2021 के साथ संलग्न सत्यापन के विवरणों के साथ इस आशय का स्वःघोषणा-पत्र भी प्रस्तुत करेगी कि प्रपत्र में दिये गये समस्त तथ्य और विवरण सही है।

(2) यदि सुश्री रंजन द्वारा स्वयं के चरित्र, पूर्ववृत्त एवं अन्य तथ्यों के सम्बन्ध में प्रस्तुत घोषणा-पत्र एवं स्वसत्यापन में उल्लिखित विवरण, सत्यापन के समय गलत या असत्य पाया जाता है तो यह औपबन्धिक नियुक्ति-पत्र स्वतः शून्य समझा जायेगा और नियुक्ति के सम्बन्ध में उनका कोई अधिकार/दावा धारित नहीं होगा, परिणामस्वरूप उनके विरुद्ध आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी। कालान्तर में भी यदि सुश्री रंजन द्वारा घोषित किये गये तथ्य गलत या असत्य पाये जाते हैं तो उनकी नियुक्ति तत्काल नियमानुसार निरस्त करते हुये उनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अनुसार अन्य दाण्डिक/सिविल/विधिक कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

3—ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर यथासमय निर्धारित की जायेगी।

4—यह भी निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार निम्न प्रमाण-पत्र कार्यभार ग्रहण करते समय निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे—

(1) चल व अचल सम्पत्ति से संबंधित घोषणा-पत्र (संलग्न निर्धारित प्रारूप पर)।

(2) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (पुरुष अभ्यर्थियों के लिये), ऐसे पुरुष से विवाह न किया हो जिसकी पत्नी जीवित है (महिला अभ्यर्थियों के लिये)।

(3) शैक्षिक तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र।

(4) चरित्र संबंधी प्रमाण-पत्र, दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से प्रमाणित हों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनके निजी जीवन से परिचित हों, किन्तु उनके संबंधी न हो।

5—यदि नियुक्ति-पत्र प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति की सूचना निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को नहीं देते हैं तो अभ्यर्थन समाप्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

6—निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ0प्र0 को अपनी उपस्थिति की सूचना उपलब्ध कराने तथा तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आवागमन के लिये कोई मार्ग व्यय/यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

7—निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण के स्तर पर 15 दिवस का विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय नियमों का प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने हेतु निदेशालय, अल्पसंख्यक कल्याण में कार्यभार ग्रहण कराया जाय तथा जनपदों में तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
कै0 रविन्द्र नायक,
प्रमुख सचिव।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 25 दिसम्बर, 2021 ई० (पौष 4, 1943 शक संवत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

NOTIFICATION

April 09, 2021

No. 1016/Admin.(Services)-2021—Sri Vinay Kumar Singh-IV, Additional Chief Judicial Magistrate (Northern Eastern Railway), Agra to be Civil Judge, Senior Division, Sonbhadra *vice* Sri Suraj Mishra.

No. 1017/Admin.(Services)-2021—Sri Suraj Mishra, Civil Judge, Senior Division, Sonbhadra to be Chief Judicial Magistrate, Sonbhadra *vice* Sri Mahendra Kumar-II.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Sonbhadra.

No. 1018/Admin.(Services)-2021—Sri Mahendra Kumar-II, Chief Judicial Magistrate, Sonbhadra to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Aligarh *vice* Sri Deepak Kumar Mishra.

No. 1019/Admin.(Services)-2021—Sri Deepak Kumar Mishra, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Aligarh to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Aligarh.

No. 1020/Admin.(Services)-2021—Sri Kuldeep Singh-II, Additional Chief Judicial Magistrate, (Northern Railway), Aligarh to be Civil Judge, Senior Division, Hardoi *vice* Sri Sheelvant.

No. 1021/Admin.(Services)-2021—Sri Sheelvant, Civil Judge, Senior Division, Hardoi to be Additional Chief Judicial Magistrate, Hardoi *vice* Sushri Alka Pandey.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Hardoi.

No. 1022/Admin.(Services)-2021—Sushri Alka Pandey, Additional Chief Judicial Magistrate, Hardoi to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Hardoi *vice* Smt. Sabiha Khatoon.

No. 1023/Admin.(Services)-2021—Smt. Sabiha Khatoon, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Hardoi to be Chief Judicial Magistrate, Bhadohi at Gyanpur *vice* Sri Ashutosh-II.

No. 1024/Admin.(Services)-2021—Sri Ashutosh-II, Chief Judicial Magistrate, Bhadohi at Gyanpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly.

No. 1025/Admin.(Services)-2021—Sri Pradeep Kumar Shukla, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly to be Civil Judge, Senior Division, Pratapgarh *vice* Sushri Akanksha Mishra.

No. 1026/Admin.(Services)-2021—Sushri Akanksha Mishra, Civil Judge, Senior Division, Pratapgarh to be Additional Chief Judicial Magistrate, Pratapgarh *vice* Sri Anand Kumar Upadhyay.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Pratapgarh.

No. 1027/Admin.(Services)-2021—Sri Anand Kumar Upadhyay, Additional Chief Judicial Magistrate, Pratapgarh to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Mirzapur.

No. 1028/Admin.(Services)-2021—Sushri Pragya Singh, Registrar, Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Authority, Gorakhpur is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Mirzapur *vice* Sri Anubhav Jain.

No. 1029/Admin.(Services)-2021—Sri Anubhav Jain, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Mirzapur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Raebareli *vice* Smt. Pooja Gupta.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Raebareli.

No. 1030/Admin.(Services)-2021—Smt. Pooja Gupta, Additional Chief Judicial Magistrate,

Raebareli to be Civil Judge, Senior Division, Pilibhit *vice* Sri Sunil Kumar-III.

No. 1031/Admin.(Services)-2021—Sri Sunil Kumar-III, Civil Judge, Senior Division, Pilibhit to be Civil Judge, Senior Division, Mahoba *vice* Sri Abhishek Kumar Vyas.

No. 1032/Admin.(Services)-2021—Sri Abhishek Kumar Vyas, Civil Judge, Senior Division, Mahoba to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad.

No. 1033/Admin.(Services)-2021—Sri Mritunjay Kumar, Civil Judge, Junior Division, Ballia is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Ghaziabad *vice* Smt. Indresh.

No. 1034/Admin.(Services)-2021—Smt. Indresh, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Ghaziabad to be Additional Civil Judge, Senior Division, Hathras in the newly created court, created vide G.O. No. 10/2016/870/Saat-Nyay-2-2016-85G/2012, dated 06-07-2016.

No. 1035/Admin.(Services)-2021—Smt. Kiran Gond, Additional Chief Judicial Magistrate, Baghpat to be Chief Judicial Magistrate, Sultanpur *vice* Sri Harish Kumar-II.

No. 1036/Admin.(Services)-2021—Sri Harish Kumar-II, Chief Judicial Magistrate, Sultanpur to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Lalitpur in the vacant court.

No. 1037/Admin.(Services)-2021—Sri Sharib Ali, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Baghpat to be Additional Chief Judicial Magistrate, Bijnor *vice* Smt. Rachna.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Bijnor.

No. 1038/Admin.(Services)-2021—Smt. Rachna, Additional Chief Judicial Magistrate, Bijnor to be Civil Judge, Senior Division, Bijnor *vice* Sri Vimal Tripathi.

No. 1039/Admin.(Services)-2021—Sri Vimal Tripathi, Civil Judge, Senior Division, Bijnor to be Chief Judicial Magistrate, Bijnor *vice* Sri Dilip Kumar Sachan.

No. 1040/Admin.(Services)-2021—Sri Dilip Kumar Sachan, Chief Judicial Magistrate, Bijnor to be Chief Judicial Magistrate, Etawah *vice* Sri Raghuvir Singh Rathore.

No. 1041/Admin.(Services)-2021—Sri Raghuvir Singh Rathore, Chief Judicial Magistrate, Etawah to be Judge Small Causes Court, Kanpur Nagar *vice* Sri Praveen Kumar Tyagi.

No. 1042/Admin.(Services)-2021—Sri Praveen Kumar Tyagi, Judge Small Causes Court, Kanpur Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Farrukhabad *vice* Sri Rajendra Kumar Singh.

No. 1043/Admin.(Services)-2021—Sri Rajendra Kumar Singh, Chief Judicial Magistrate, Farrukhabad to be Additional Chief Judicial Magistrate, Farrukhabad *vice* Smt. Vineeta Singh.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Farrukhabad.

No. 1044/Admin.(Services)-2021—Smt. Vineeta Singh, Additional Chief Judicial Magistrate, Farrukhabad to be Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Farrukhabad in the vacant court.

No. 1045/Admin.(Services)-2021—Smt. Tapasya Tripathi, Judicial Magistrate, First Class, Faizabad is promoted and posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Ballia *vice* Sri Yashpal.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Ballia.

No. 1046/Admin.(Services)-2021—Sri Yashpal, Additional Chief Judicial Magistrate, Ballia to be Judge Small Causes Court, Faizabad *vice* Sri Vijay Kumar Gupta-II.

No. 1047/Admin.(Services)-2021—Sri Vijay Kumar Gupta-II, Judge Small Causes Court, Faizabad to be Civil Judge, Senior Division, Budaun *vice* Dr. Devendra Singh Fauzdar.

No. 1048/Admin.(Services)-2021—Dr. Devendra Singh Fauzdar, Civil Judge, Senior Division, Budaun to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Budaun in the vacant court.

No. 1049/Admin.(Services)-2021—Smt. Richa Verma, Secretary (Full time), District Legal Services Authority, Ballia to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Faizabad *vice* Sri Abhinav Tiwari.

No. 1050/Admin.(Services)-2021—Sri Abhinav Tiwari, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Faizabad to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Pilibhit *vice* Smt. Sudesh Kumari.

No. 1051/Admin.(Services)-2021—Smt. Sudesh Kumari, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Pilibhit to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sitapur *vice* Sri Deepak Kumar Jaiswal.

No. 1052/Admin.(Services)-2021—Sri Deepak Kumar Jaiswal, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sitapur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Sitapur *vice* Sri Shiva Nand Gupta.

He is appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Sitapur.

No. 1053/Admin.(Services)-2021—Sri Shiva Nand Gupta, Additional Chief Judicial Magistrate, Sitapur to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Bijnor *vice* Sri Amir Suhail.

No. 1054/Admin.(Services)-2021—Sri Amir Suhail, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Bijnor to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Faizabad.

No. 1055/Admin.(Services)-2021—Sri Gyanendra Kumar, Civil Judge, Junior Division, Nawabganj-Bareilly is promoted and posted as Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Balrampur *vice* Sri Aashish Pandey.

No. 1056/Admin.(Services)-2021—Sri Aashish Pandey, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Balrampur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Etawah.

No. 1057/Admin.(Services)-2021—Smt. Garima Singh, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Banda to be Additional Chief Judicial Magistrate, Banda *vice* Sri Nadeem Anwar.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Banda.

No. 1058/Admin.(Services)-2021—Sri Nadeem Anwar, Additional Chief Judicial Magistrate, Banda to be Civil Judge, Senior Division, Banda *vice* Sri Bhartendu Prakash Gupta.

No. 1059/Admin.(Services)-2021—Sri Bhartendu Prakash Gupta, Civil Judge, Senior Division, Banda to be Chief Judicial Magistrate, Banda *vice* Sri Sanjay Kumar-VI.

No. 1060/Admin.(Services)-2021—Sri Sanjay Kumar-VI, Chief Judicial Magistrate, Banda to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Barabanki *vice* Sushri Sweta Chandra.

No. 1061/Admin.(Services)-2021—Sushri Sweta Chandra, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Barabanki to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki.

No. 1062/Admin.(Services)-2021—Sri Nishchal Shukla, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki to be Civil Judge, Senior Division, Basti *vice* Smt. Trisha Mishra.

No. 1063/Admin.(Services)-2021—Smt. Trisha Mishra, Civil Judge, Senior Division, Basti to be Civil Judge, Senior Division, Moradabad *vice* Sri Abhay Pratap Singh-II.

No. 1064/Admin.(Services)-2021—Sri Abhay Pratap Singh-II, Civil Judge, Senior Division, Moradabad to be Chief Judicial Magistrate, Kasganj *vice* Sushri Archana Singh.

No. 1065/Admin.(Services)-2021—Sushri Archana Singh, Chief Judicial Magistrate, Kasganj to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut.

No. 1066/Admin.(Services)-2021—Sri Satyendra Singh Verma, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Bareilly *vice* Sri Vishnu Deo Singh.

No. 1067/Admin.(Services)-2021—Sri Vishnu Deo Singh, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Bareilly to be Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly *vice* Sri Harish Chandra.

He is appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Bareilly.

No. 1068/Admin.(Services)-2021—Sri Harish Chandra, Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly to be Civil Judge, Senior Division, Bareilly *vice* Sri Atul Chaudhary.

No. 1069/Admin.(Services)-2021—Sri Atul Chaudhary, Civil Judge, Senior Division, Bareilly to be Chief Judicial Magistrate, Bareilly *vice* Sri Yash Pal Singh Lodhi.

No. 1070/Admin.(Services)-2021—Sri Yash Pal Singh Lodhi, Chief Judicial Magistrate, Bareilly to be Civil Judge, Senior Division, Firozabad *vice* Sushri Seema Kumari.

No. 1071/Admin.(Services)-2021—Sushri Seema Kumari, Civil Judge, Senior Division, Firozabad to

be Additional Chief Judicial Magistrate, Hamirpur in the vacant court.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Hamirpur.

No. 1072/Admin.(Services)-2021—Sri Umesh Yadav, Additional Civil Judge, Senior Division, Bareilly to be Chief Judicial Magistrate, Basti *vice* Smt. Shweta Yadav.

No. 1073/Admin.(Services)-2021—Smt. Shweta Yadav, Chief Judicial Magistrate, Basti to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly.

No. 1074/Admin.(Services)-2021—Sri Pankaj Kumar, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sonbhadra *vice* Sri Devendra Kumar-II.

No. 1075/Admin.(Services)-2021—Sri Devendra Kumar-II, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sonbhadra to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Gorakhpur.

No. 1076/Admin.(Services)-2021—Sri Ratnam Srivastav, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Gorakhpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Mirzapur.

No. 1077/Admin.(Services)-2021—Sri Mritunjay Srivastava, Additional Chief Judicial Magistrate (Northern Railway), Bareilly to be Civil Judge, Senior Division, Shravasti at Bhinga *vice* Sri Jaihind Kumar Singh.

No. 1078/Admin.(Services)-2021—Sri Jaihind Kumar Singh, Civil Judge, Senior Division, Shravasti at Bhinga to be Additional Chief Judicial Magistrate, Gautam Buddha Nagar *vice* Sri Viresh Chandra.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of

1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Gautam Buddha Nagar.

No. 1079/Admin.(Services)-2021—Sri Viresh Chandra, Additional Chief Judicial Magistrate, Gautam Buddha Nagar to be Civil Judge, Senior Division, Gonda *vice* Sri Ravi Shankar Gupta.

No. 1080/Admin.(Services)-2021—Sri Ravi Shankar Gupta, Civil Judge, Senior Division, Gonda to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad.

No. 1081/Admin.(Services)-2021—Sri Anupam Shaury, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate (Northern Eastern Railway), Bareilly to be Additional Chief Judicial Magistrate, Gonda in the vacant court.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Gonda.

No. 1082/Admin.(Services)-2021—Sushri Arpita Yadav, Additional Civil Judge, Junior Division, Lucknow is promoted and posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Basti *vice* Sri Vinay Kumar Jaiswal.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Basti.

No. 1083/Admin.(Services)-2021—Sri Vinay Kumar Jaiswal, Additional Chief Judicial Magistrate Basti to be Additional Chief Judicial Magistrate, Moradabad *vice* Smt. Kavita Agrawal.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Moradabad.

No. 1084/Admin.(Services)-2021—Smt. Kavita Agrawal, Additional Chief Judicial Magistrate Moradabad to be Additional Chief Judicial Magistrate, Unnao *vice* Sri Farrukh Inam Siddiqui.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Unnao.

No. 1085/Admin.(Services)-2021—Sri Farrukh Inam Siddiqui, Additional Chief Judicial Magistrate, Unnao to be Chief Judicial Magistrate, Mau *vice* Sri Vinod Sharma.

No. 1086/Admin.(Services)-2021—Sri Vinod Sharma, Chief Judicial Magistrate, Mau to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut.

No. 1087/Admin.(Services)-2021—Sri Rameshwar Dayal, Civil Judge, Junior Division, Biswan-Sitapur is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Meerut *vice* Sri Anshuman Dhunna.

No. 1088/Admin.(Services)-2021—Sri Anshuman Dhunna, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Meerut to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Mahoba in the vacant court.

No. 1089/Admin.(Services)-2021—Sushri Vineeta Singh, Civil Judge, Junior Division, Shikohabad-Firozabad is promoted and posted as Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Basti *vice* Sri Kuwar Mitresh Singh Kushwaha.

No. 1090/Admin.(Services)-2021—Sri Kuwar Mitresh Singh Kushwaha, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Basti to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Mau *vice* Sri Satyabir Singh.

No. 1091/Admin.(Services)-2021—Sri Satyabir Singh, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Mau to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Lucknow.

No. 1092/Admin.(Services)-2021—Smt. Shraddha Bhartiya, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Lucknow to be

Civil Judge, Senior Division, Malihabad at Lucknow *vice* Sri Sunil Kumar-II.

No. 1093/Admin.(Services)-2021—Sri Sunil Kumar-II, Civil Judge, Senior Division, Malihabad-Lucknow to be Chief Judicial Magistrate, Bulandshahar *vice* Sri Bhoola Ram.

No. 1094/Admin.(Services)-2021—Sri Bhoola Ram, Chief Judicial Magistrate, Bulandshahar to be Civil Judge, Senior Division, Bulandshahar *vice* Sri Rahul Singh-II.

No. 1095/Admin.(Services)-2021—Sri Rahul Singh-II, Civil Judge, Senior Division, Bulandshahar to be Chief Judicial Magistrate, Sitapur *vice* Sri Amar Pratap Chaudhari.

No. 1096/Admin.(Services)-2021—Sri Amar Pratap Chaudhari, Chief Judicial Magistrate, Sitapur to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Amroha in the vacant court.

No. 1097/Admin.(Services)-2021—Sri Anshu Mali Pandey, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Basti to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Hardoi.

No. 1098/Admin.(Services)-2021—Sri Ram Gopal Yadav, Civil Judge, Junior Division Ghatampur-Ramabainagar is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Hardoi *vice* Sri Arif Ahmad Ansari.

No. 1099/Admin.(Services)-2021—Sri Arif Ahmad Ansari, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Hardoi to be Civil Judge, Senior Division, Bhadohi at Gyanpur *vice* Sri Abhinav Yadav.

No. 1100/Admin.(Services)-2021—Sri Abhinav Yadav, Civil Judge, Senior Division, Bhadohi at Gyanpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bijnor.

No. 1101/Admin.(Services)-2021—Sri Alok Verma, Judicial Magistrate, First Class, Jaunpur is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Basti *vice* Sri Ambareesh Tripathi.

No. 1102/Admin.(Services)-2021—Sri Ambareesh Tripathi, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Basti to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Firozabad in the vacant court.

No. 1103/Admin.(Services)-2021—Sri Raj Babu, Additional Chief Judicial Magistrate, Khurja-Bulandshahar to be Civil Judge, Senior Division, Fatehpur *vice* Sri Anand Mishra.

No. 1104/Admin.(Services)-2021—Sri Anand Mishra, Civil Judge, Senior Division, Fatehpur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Fatehpur in the vacant court.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Fatehpur.

No. 1105/Admin.(Services)-2021—Sri Arif Nisamuddin Khan, Judicial Magistrate, First Class, Lucknow is promoted and posted as Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Deoria *vice* Sri Shivendra Kumar Mishra.

No. 1106/Admin.(Services)-2021—Sri Shivendra Kumar Mishra, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Deoria to be Civil Judge, Senior Division, Deoria *vice* Sri Anand Priya Gautam.

No. 1107/Admin.(Services)-2021—Sri Anand Priya Gautam, Civil Judge, Senior Division, Deoria to be Civil Judge, Senior Division, Shahjahanpur *vice* Smt. Abha Pal.

No. 1108/Admin.(Services)-2021—Smt. Abha Pal, Civil Judge, Senior Division, Shahjahanpur to be Chief Judicial Magistrate, Shahjahanpur *vice* Sri Omvir Singh-II.

No. 1109/Admin.(Services)-2021—Sri Omvir Singh-II, Chief Judicial Magistrate, Shahjahanpur to be Judge Small Causes Court, Meerut *vice* Sri Vinay Prakash Singh.

No. 1110/Admin.(Services)-2021—Sri Vinay Prakash Singh, Judge Small Causes Court, Meerut to

be Civil Judge, Senior Division, Meerut *vice* Smt. Anju Kamboj.

No. 1111/Admin.(Services)-2021—Smt. Anju Kamboj, Civil Judge, Senior Division, Meerut to be Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut *vice* Sri Kuldeep Singh-I.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Meerut.

No. 1112/Admin.(Services)-2021—Sri Kuldeep Singh-I, Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut to be Chief Judicial Magistrate, Faizabad *vice* Sri Sanjiv Kumar Tripathi.

No. 1113/Admin.(Services)-2021—Sri Sanjiv Kumar Tripathi, Chief Judicial Magistrate, Faizabad to be Civil Judge, Senior Division, Faizabad *vice* Sri Sarvesh Kumar Mishra.

No. 1114/Admin.(Services)-2021—Sri Sarvesh Kumar Mishra, Civil Judge, Senior Division, Faizabad to be Civil Judge, Senior Division, Ballia *vice* Smt. Poonam Karanwal.

No. 1115/Admin.(Services)-2021—Smt. Poonam Karanwal, Civil Judge, Senior Division, Ballia to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Rampur.

No. 1116/Admin.(Services)-2021—Smt. Ishrat Parveen Faruqui, Civil Judge, Junior Division Varanasi is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Deoria *vice* Sri Amit Kumar.

No. 1117/Admin.(Services)-2021—Sri Amit Kumar, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Deoria to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Allahabad.

No. 1118/Admin.(Services)-2021—Sri Bateshwar Kumar, Additional Chief Judicial Magistrate, Shikohabad-Firozabad to be Additional Chief Judicial Magistrate, Sultanpur *vice* Sri Shashi Kumar.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Sultanpur.

No. 1119/Admin.(Services)-2021—Sri Shashi Kumar, Additional Chief Judicial Magistrate, Sultanpur to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sultanpur *vice* Sri Satish Kumar Magan.

No. 1120/Admin.(Services)-2021—Sri Satish Kumar Magan, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sultanpur to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Raebareli *vice* Sri Mayank Jaiswal.

No. 1121/Admin.(Services)-2021—Sri Mayank Jaiswal, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Raebareli to be Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Muzaffar Nagar *vice* Sushri Shivani Tyagi.

No. 1122/Admin.(Services)-2021—Smt. Jyoti Agarwal, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Muzaffar Nagar to be Additional Chief Judicial Magistrate, Jaunpur *vice* Smt. Pradipti Singh.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Jaunpur.

No. 1123/Admin.(Services)-2021—Smt. Pradipti Singh, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Jaunpur to be Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Sitapur *vice* Smt. Apeksha Singh.

No. 1124/Admin.(Services)-2021—Smt. Apeksha Singh, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Sitapur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Sitapur.

No. 1125/Admin.(Services)-2021—Sri Pradeep Kumar Kushwaha, Civil Judge, Junior Division,

Mohammadabad-Ghazipur is promoted and posted as Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Gautam Buddha Nagar *vice* Sri Sushil Kumar-V.

No. 1126/Admin.(Services)-2021—Sri Sushil Kumar-V, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Gautam Buddha Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Gautam Buddha Nagar *vice* Sri Shamim Ahmad Ansari.

No. 1127/Admin.(Services)-2021—Sri Shamim Ahmad Ansari, Chief Judicial Magistrate, Gautam Buddha Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Rampur *vice* Sri Satyendra Singh.

No. 1128/Admin.(Services)-2021—Sri Satyendra Singh, Chief Judicial Magistrate, Rampur to be Civil Judge, Senior Division, Rampur *vice* Sri Prabodh Kumar Verma.

No. 1129/Admin.(Services)-2021—Sri Prabodh Kumar Verma, Civil Judge, Senior Division, Rampur to be Civil Judge, Senior Division, Jaunpur *vice* Sri Mohammad Firoz.

No. 1130/Admin.(Services)-2021—Sri Mohammad Firoz, Civil Judge, Senior Division, Jaunpur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Aligarh *vice* Smt. Toolika Bandhu.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Aligarh.

No. 1131/Admin.(Services)-2021—Smt. Toolika Bandhu, Additional Chief Judicial Magistrate, Aligarh to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Hardoi.

No. 1132/Admin.(Services)-2021—Dr. Suresh Kumar, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Gautam Buddha Nagar to be Civil Judge, Senior Division, Gautam Buddha Nagar *vice* Smt. Neelu Mainwal.

No. 1133/Admin.(Services)-2021—Smt. Neelu Mainwal, Civil Judge, Senior Division, Gautam

Buddha Nagar to be Judge Small Causes Court, Bijnor *vice* Sri Rakesh Singh.

No. 1134/Admin.(Services)-2021—Sri Rakesh Singh, Judge Small Causes Court, Bijnor to be Chief Judicial Magistrate, Mathura *vice* Smt. Anju Rajpoot.

No. 1135/Admin.(Services)-2021—Smt. Anju Rajpoot, Chief Judicial Magistrate, Mathura to be Chief Judicial Magistrate, Jalaun at Orai *vice* Sri Mahendra Kumar Rawat.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Jalaun at Orai.

No. 1136/Admin.(Services)-2021—Sri Mahendra Kumar Rawat, Chief Judicial Magistrate, Jalaun at Orai to be Civil Judge, Senior Division, Jalaun at Orai *vice* Sri Vivek Kumar Singh-I.

No. 1137/Admin.(Services)-2021—Sri Vivek Kumar Singh-I, Civil Judge, Senior Division, Jalaun at Orai to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly.

No. 1138/Admin.(Services)-2021—Sri Jasveer Singh Yadav, Additional Civil Judge, Senior Division, Bareilly to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Etawah *vice* Smt. Nuhin Zaidi.

No. 1139/Admin.(Services)-2021—Smt. Nuhin Zaidi, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Etawah to be Additional Chief Judicial Magistrate, Etawah *vice* Smt. Alunkrita Shakti Tripathi.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Etawah.

No. 1140/Admin.(Services)-2021—Smt. Alunkrita Shakti Tripathi, Additional Chief Judicial Magistrate, Etawah to be Additional Civil Judge, Senior

Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Ramabai Nagar.

No. 1141/Admin.(Services)-2021—Smt. Minakshi Sinha, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Gautam Buddha Nagar to be Additional Chief Judicial Magistrate, Firozabad in the vacant court.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Firozabad.

No. 1142/Admin.(Services)-2021—Sri Nitin Kumar, Additional Chief Judicial Magistrate (Northern Railway), Gorakhpur to be Civil Judge, Senior Division, Lakhimpur Kheri *vice* Sri Sandeep Chaudhary.

No. 1143/Admin.(Services)-2021—Sri Sandeep Chaudhary, Civil Judge, Senior Division, Lakhimpur Kheri to be Chief Judicial Magistrate Ghaziabad *vice* Sri Ratnesh Deep Kamal Anand.

No. 1144/Admin.(Services)-2021—Sri Ratnesh Deep Kamal Anand, Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad to be Chief Judicial Magistrate, Balrampur *vice* Sri Pradeep Kumar-I.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Balrampur.

No. 1145/Admin.(Services)-2021—Sri Pradeep Kumar Singh-I, Chief Judicial Magistrate, Balrampur to be Judge Small Causes Court, Agra *vice* Smt. Priti Singh-II.

No. 1146/Admin.(Services)-2021—Smt. Priti Singh-II, Judge Small Causes Court, Agra to be Chief Judicial Magistrate, Baghpat *vice* Sri Nishant Maan.

No. 1147/Admin.(Services)-2021—Sri Nishant Maan, Chief Judicial Magistrate, Baghpat to be Additional Chief Judicial Magistrate, Rampur *vice* Smt. Sweta Choudhary.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Rampur.

No. 1148/Admin.(Services)-2021—Smt. Sweta Choudhary, Additional Chief Judicial Magistrate, Rampur to be Civil Judge, Senior Division, Mau *vice* Sri Shubham Verma.

No. 1149/Admin.(Services)-2021—Sri Shubham Verma, Civil Judge, Senior Division, Mau to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Ghaziabad *vice* Smt. Manju Kumari.

No. 1150/Admin.(Services)-2021—Smt. Manju Kumari, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Ghaziabad to be Chief Judicial Magistrate, Fatehpur *vice* Sri Prashant Shukla.

No. 1151/Admin.(Services)-2021—Sri Prashant Shukla, Chief Judicial Magistrate, Fatehpur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Faizabad *vice* Sushri Suman Tiwari.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Faizabad.

No. 1152/Admin.(Services)-2021—Sushri Suman Tiwari, Additional Chief Judicial Magistrate, Faizabad to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Bulandshahar *vice* Sri Ashok Kumar Singh-IX.

No. 1153/Admin.(Services)-2021—Sri Ashok Kumar Singh-IX, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Bulandshahar to be Additional Chief Judicial Magistrate, Azamgarh *vice* Sri Ranvijay Singh.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Azamgarh.

No. 1154/Admin.(Services)-2021—Sri Ranvijay Singh, Additional Chief Judicial Magistrate, Azamgarh to be Secretary (Full Time), District

Legal Services Authority, Lucknow *vice* Sushri Kavita Singh.

No. 1155/Admin.(Services)-2021—Sushri Kavita Singh, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Lucknow to be Civil Judge, Senior Division, Mohanlalganj-Lucknow *vice* Sri Sudesh Kumar.

No. 1156/Admin.(Services)-2021—Sri Sudesh Kumar, Civil Judge, Senior Division, Mohanlalganj-Lucknow to be Civil Judge, Senior Division, Hamirpur *vice* Sri Birendr Singh.

No. 1157/Admin.(Services)-2021—Sri Birendr Singh, Civil Judge, Senior Division, Hamirpur to be Judge Small Causes Court, Allahabad *vice* Sri Harendra Nath.

No. 1158/Admin.(Services)-2021—Sri Harendra Nath, Judge Small Causes Court, Allahabad to be Chief Judicial Magistrate, Allahabad *vice* Sri Neeraj Kushwaha.

No. 1159/Admin.(Services)-2021—Sri Neeraj Kushwaha, Chief Judicial Magistrate, Allahabad to be Additional Chief Judicial Magistrate, Allahabad *vice* Sri Mayank Tripathi.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Allahabad.

No. 1160/Admin.(Services)-2021—Sri Mayank Tripathi, Additional Chief Judicial Magistrate, Allahabad to be Civil Judge, Senior Division, Chandausi-Sambhal at Chandausi *vice* Smt. Jyotsna Yadav.

No. 1161/Admin.(Services)-2021—Smt. Jyotsna Yadav, Civil Judge, Senior Division, Chandausi-Sambhal at Chandausi to be Chief Judicial Magistrate, Gorakhpur *vice* Sri Vijay Kumar Vishwakarma.

No. 1162/Admin.(Services)-2021—Sri Vijay Kumar Vishwakarma, Chief Judicial Magistrate, Gorakhpur to be Judge Small Causes Court, Gorakhpur *vice* Smt. Tarkeshwari Singh.

No. 1163/Admin.(Services)-2021—Smt. Tarkeshwari Singh, Judge Small Causes Court, Gorakhpur to be Civil Judge, Senior Division, Jhansi *vice* Sri Vijay Kumar Verma-II.

No. 1164/Admin.(Services)-2021—Sri Vijay Kumar Verma-II, Civil Judge, Senior Division, Jhansi to be Civil Judge, Senior Division, Kairana-Shamli at Kairana *vice* Sushri Ruchi Tiwari.

No. 1165/Admin.(Services)-2021—Sushri Ruchi Tiwari, Civil Judge, Senior Division, Kairana-Shamli at Kairana to be Additional Chief Judicial Magistrate, Mathura *vice* Smt. Deepti Yadav.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Mathura.

No. 1166/Admin.(Services)-2021—Smt. Deepti Yadav, Additional Chief Judicial Magistrate, Mathura to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Rampur.

No. 1167/Admin.(Services)-2021—Sri Amit Kumar, Civil Judge, Junior Division, Ballia is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Gorakhpur *vice* Smt. Preetimala Chaturvedi.

No. 1168/Admin.(Services)-2021—Smt. Preetimala Chaturvedi, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Gorakhpur to be Civil Judge, Senior Division, Balrampur *vice* Sri Shri Pal Singh.

No. 1169/Admin.(Services)-2021—Sri Shri Pal Singh, Civil Judge, Senior Division, Balrampur to be Civil Judge, Senior Division, Saharanpur *vice* Sri Rajeev Saran.

No. 1170/Admin.(Services)-2021—Sri Rajeev Saran, Civil Judge, Senior Division, Saharanpur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Saharanpur *vice* Sri Hrishikesh Pandey.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Saharanpur.

No. 1171/Admin.(Services)-2021—Sri Hrishikesh Pandey, Additional Chief Judicial Magistrate, Saharanpur to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Saharanpur *vice* Smt. Sumita.

No. 1172/Admin.(Services)-2021—Smt. Sumita, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Saharanpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Saharanpur.

No. 1173/Admin.(Services)-2021—Sri Nitesh Kumar Sinha, Civil Judge, Senior Division, Bansgaon-Gorakhpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Varanasi.

No. 1174/Admin.(Services)-2021—Sushri Sudha Yadav, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Varanasi to be Civil Judge, Senior Division, Agra *vice* Sri Sundar Pal.

No. 1175/Admin.(Services)-2021—Sri Sundar Pal, Civil Judge, Senior Division, Agra to be Special Chief Judicial Magistrate, Agra *vice* Sri Yogesh Kumar Yadav.

No. 1176/Admin.(Services)-2021—Sri Yogesh Kumar Yadav, Special Chief Judicial Magistrate, Agra to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Sultanpur.

No. 1177/Admin.(Services)-2021—Smt. Preeti Moga, Civil Judge, Junior Division, Thakurdwara-Moradabad is promoted and posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Hapur *vice* Sri Amit Kumar Singh.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Hapur.

No. 1178/Admin.(Services)-2021—Sri Amit Kumar Singh, Additional Chief Judicial Magistrate, Hapur to be Chief Judicial Magistrate, Etah *vice* Sri Anil Kumar-XII.

No. 1179/Admin.(Services)-2021—Sri Anil Kumar-XII, Chief Judicial Magistrate, Etah to be Chief Judicial Magistrate, Agra *vice* Sri Prashant Kumar-II.

No. 1180/Admin.(Services)-2021—Sri Prashant Kumar-II, Chief Judicial Magistrate, Agra to be Civil Judge, Senior Division, Kushinagar at Padrauna *vice* Sri Shailesh Pandey.

No. 1181/Admin.(Services)-2021—Sri Shailesh Pandey, Civil Judge, Senior Division, Kushinagar at Padrauna to be Additional Civil Judge, Senior Division, Kushinagar at Padrauna in the newly created court, created *vide* G. O. No. 10/2016/870/Saat-Nyay-2-2016-85G/2012 dated, 06-07-2016.

No. 1182/Admin.(Services)-2021—Smt. Nitika Rajan, Civil Judge, Junior Division, Kannauj is promoted and posted as Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Kannauj *vice* Sri Sachin Kumar Dixit.

No. 1183/Admin.(Services)-2021—Sri Sachin Kumar Dixit, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Kannauj to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Moradabad *vice* Smt. Nahid Sultana.

No. 1184/Admin.(Services)-2021—Smt. Nahid Sultana, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Moradabad to be Additional Chief Judicial Magistrate, Kasganj in the vacant court.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Kasganj.

No. 1185/Admin.(Services)-2021—Sri Deependra Kumar Gupta, Registrar, Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Authority, Allahabad is promoted and posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Chhibramau-Kannauj *vice* Sri Navneet Singh.

No. 1186/Admin.(Services)-2021—Sri Navneet Singh, Additional Chief Judicial Magistrate,

Chhibramau-Kannauj to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Allahabad.

No. 1187/Admin.(Services)-2021—Sri Amit Singh-II, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Metropolitan Magistrate, Kanpur Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Mainpuri *vice* Sri Amit Mishra.

No. 1188/Admin.(Services)-2021—Sri Amit Mishra, Chief Judicial Magistrate, Mainpuri to be Civil Judge, Senior Division, Mainpuri in the vacant Court.

No. 1189/Admin.(Services)-2021—Smt. Anshu Shukla, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Metropolitan Magistrate, Kanpur Nagar to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Kanpur Nagar *vice* Sri Aishwarya Pratap Singh.

No. 1190/Admin.(Services)-2021—Sri Aishwarya Pratap Singh, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Kanpur Nagar to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Aligarh.

No. 1191/Admin.(Services)-2021—Sri Mohammad Tauseef Raza, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Aligarh to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Ramabai Nagar.

No. 1192/Admin.(Services)-2021—Smt. Shruti Verma, Civil Judge, Junior Division, Kaushambi is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Kanpur Nagar in the vacant court.

No. 1193/Admin.(Services)-2021—Sushri Nidhi Yadav, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Kanpur Nagar to be Civil Judge, Senior Division, Kunda-Pratapgarh *vice* Sri Rajiv Mukul Pandey.

No. 1194/Admin.(Services)-2021—Sri Rajiv Mukul Pandey, Civil Judge, Senior Division, Kunda-

Pratapgarh to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Unnao.

No. 1195/Admin.(Services)-2021—Sri Saurabh Srivastava, Additional Chief Judicial Magistrate, Unnao to be Chief Judicial Magistrate, Maharajganj *vice* Sri Satya Pal Singh Premi.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Maharajganj.

No. 1196/Admin.(Services)-2021—Sri Satya Pal Singh Premi, Chief Judicial Magistrate, Maharajganj to be Special Chief Judicial Magistrate, Allahabad *vice* Smt. Pragya Singh-II.

No. 1197/Admin.(Services)-2021—Smt. Pragya Singh-II, Special Chief Judicial Magistrate, Allahabad to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Allahabad *vice* Sri Chandra Mani.

No. 1198/Admin.(Services)-2021—Sri Chandra Mani, Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Allahabad to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Siddhartha Nagar in the vacant court.

No. 1199/Admin.(Services)-2021—Sri Vimal Verma, Additional Chief Judicial Magistrate, Kasia-Kushi Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Moradabad *vice* Km. Alka Chaudhary.

No. 1200/Admin.(Services)-2021—Km. Alka Chaudhary, Chief Judicial Magistrate, Moradabad to be Chief Judicial Magistrate, Mahoba *vice* Sri Virat Shiromani.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Mahoba.

No. 1201/Admin.(Services)-2021—Sri Virat Shiromani, Chief Judicial Magistrate, Mahoba to be Judge Small Causes Court, Bulandshahar *vice* Sri Sumit Premi.

No. 1202/Admin.(Services)-2021—Sri Sumit Premi, Judge Small Causes Court, Bulandshahar to be Civil Judge, Senior Division, Farrukhabad *vice* Sri Achal Pratap Singh.

No. 1203/Admin.(Services)-2021—Sri Achal Pratap Singh, Civil Judge, Senior Division, Farrukhabad to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Farrukhabad in the vacant court.

No. 1204/Admin.(Services)-2021—Sri Mukesh Yadav, Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Mohammadi-Lakhimpur Kheri to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Allahabad.

No. 1205/Admin.(Services)-2021—Sri Saurav Singh, Registrar, Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Authority, Lucknow is promoted and posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Mehrauni-Lalitpur *vice* Sri Vijay Kumar-IV.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Mehrauni-Lalitpur.

No. 1206/Admin.(Services)-2021—Sri Vijay Kumar-IV, Additional Chief Judicial Magistrate, Mehrauni-Lalitpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut.

No. 1207/Admin.(Services)-2021—Sri Dharam Veer Singh, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut to be Chief Judicial Magistrate, Kannauj *vice* Sushri Shambhavi Yadav.

No. 1208/Admin.(Services)-2021—Sushri Shambhavi Yadav, Chief Judicial Magistrate, Kannauj to be Civil Judge, Senior Division, Kannauj *vice* Sushri Shilpi Chauhan.

No. 1209/Admin.(Services)-2021—Sushri Shilpi Chauhan, Civil Judge, Senior Division, Kannauj to

be Additional Chief Judicial Magistrate, Kannauj *vice* Sushri Priyanka Singh.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Kannauj.

No. 1210/Admin.(Services)-2021—Sushri Priyanka Singh, Additional Chief Judicial Magistrate, Kannauj to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Ambedkar Nagar at Akbarpur.

No. 1211/Admin.(Services)-2021—Smt. Bhavya Tiwari, Additional Civil Judge, Senior Division, Lucknow to be Additional Chief Judicial Magistrate, Lucknow *vice* Smt. Sapna Tripathi.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Lucknow.

No. 1212/Admin.(Services)-2021—Smt. Sapna Tripathi, Additional Chief Judicial Magistrate, Lucknow to be Civil Judge, Senior Division, Sultanpur *vice* Sri Sandeep Kumar.

No. 1213/Admin.(Services)-2021—Sri Sandeep Kumar, Civil Judge, Senior Division, Sultanpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad.

No. 1214/Admin.(Services)-2021—Smt. Renu Yadav, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Jalaun at Orai in the vacant court.

No. 1215/Admin.(Services)-2021—Sri Sharad Kumar Chaudhary, Additional Chief Judicial Magistrate (Special Court, Ayodhya Prakaran), Lucknow to be Chief Judicial Magistrate, Ghazipur *vice* Sri Sunil Kumar-VI.

No. 1216/Admin.(Services)-2021—Sri Sunil Kumar-VI, Chief Judicial Magistrate, Ghazipur to be Special Chief Judicial Magistrate, Lucknow *vice* Smt. Purnima Sagar.

No. 1217/Admin.(Services)-2021—Smt. Purnima Sagar, Special Chief Judicial Magistrate, Lucknow to be Civil Judge, Senior Division, Lucknow *vice* Sri Sanjay Kumar-V.

No. 1218/Admin.(Services)-2021—Sri Sanjay Kumar-V, Civil Judge, Senior Division, Lucknow to be Chief Judicial Magistrate, Chitrakoot *vice* Smt. Namrata Sharma.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Chitrakoot.

No. 1219/Admin.(Services)-2021—Smt. Namrata Sharma, Chief Judicial Magistrate, Chitrakoot to be Civil Judge, Senior Division, Hathras *vice* Sri Sushil Kumar Singh.

No. 1220/Admin.(Services)-2021—Sri Sushil Kumar Singh, Civil Judge, Senior Division, Hathras to be Additional Chief Judicial Magistrate, Hathras *vice* Smt. Chetna Singh.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Hathras.

No. 1221/Admin.(Services)-2021—Smt. Chetna Singh, Additional Chief Judicial Magistrate, Hathras to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Hathras in the vacant court.

No. 1222/Admin.(Services)-2021—Sri Dibyanand, Additional Chief Judicial Magistrate, (Northern Railway), Lucknow to be Chief Judicial Magistrate, Amroha *vice* Sri Raghvendra Mani.

No. 1223/Admin.(Services)-2021—Sri Raghvendra Mani, Chief Judicial Magistrate, Amroha to be Judge Small Causes Court, Varanasi *vice* Sri Rakesh.

No. 1224/Admin.(Services)-2021—Sri Rakesh, Judge Small Causes Court, Varanasi to be Chief Judicial Magistrate, Barabanki *vice* Sri Nand Kumar.

No. 1225/Admin.(Services)-2021—Sri Nand Kumar, Chief Judicial Magistrate, Barabanki to be Civil

Judge, Senior Division, Barabanki *vice* Sri Kamala Pati-II.

No. 1226/Admin.(Services)-2021—Sri Kamala Pati-II, Civil Judge, Senior Division, Barabanki to be Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki *vice* Sri Adarsh Srivastava.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Barabanki.

No. 1227/Admin.(Services)-2021—Sri Adarsh Srivastava, Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki.

No. 1228/Admin.(Services)-2021—Smt. Arti Dwivedi, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Shahjahanpur.

No. 1229/Admin.(Services)-2021—Sri Swapna Anand, Additional Chief Judicial Magistrate (Northern Eastern Railway), Lucknow to be Civil Judge, Senior Division, Ghazipur *vice* Sri Ghanshyam Shukla.

No. 1230/Admin.(Services)-2021—Sri Ghanshyam Shukla, Civil Judge, Senior Division, Ghazipur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Ghazipur in the vacant court.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Ghazipur.

No. 1231/Admin.(Services)-2021—On reversion to regular line, Sri Sunil Kumar Nagar, Law Officer, SC/ST Commission, U. P., Lucknow is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Lucknow *vice* Smt. Tahreem Khan.

No. 1232/Admin.(Services)-2021—Smt. Tahreem Khan, Civil Judge, Senior Division (Fast Track

Court), Lucknow to be Additional Chief Judicial Magistrate, Deoria *vice* Sri Surya Kant Dhar Dubey.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Deoria.

No. 1233/Admin.(Services)-2021—Sri Surya Kant Dhar Dubey, Additional Chief Judicial Magistrate, Deoria to be Chief Judicial Magistrate, Deoria *vice* Sri Bhupendra Pratap.

No. 1234/Admin.(Services)-2021—Sri Bhupendra Pratap, Chief Judicial Magistrate, Deoria to be Judge Small Causes Court, Saharanpur *vice* Sri Surendra Prasad.

No. 1235/Admin.(Services)-2021—Sri Surendra Prasad, Judge Small Causes Court, Saharanpur to be Chief Judicial Magistrate, Ballia *vice* Sri Ramesh Kushwaha.

No. 1236/Admin.(Services)-2021—Sri Ramesh Kushwaha, Chief Judicial Magistrate, Ballia to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Rampur *vice* Smt. Shilpe Rani.

No. 1237/Admin.(Services)-2021—Smt. Shilpe Rani, Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Rampur to be Civil Judge, Senior Division, Raebareli *vice* Smt. Richa Upadhyay.

No. 1238/Admin.(Services)-2021—Smt. Richa Upadhyay, Civil Judge, Senior Division, Raebareli to be Chief Judicial Magistrate, Raebareli *vice* Sri Meraj Ahmad.

No. 1239/Admin.(Services)-2021—Sri Meraj Ahmad, Chief Judicial Magistrate, Raebareli to be Chief Judicial Magistrate, Lalitpur *vice* Sri Ravi Kumar Gupta.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Lalitpur.

No. 1240/Admin.(Services)-2021—Sri Ravi Kumar Gupta, Chief Judicial Magistrate, Lalitpur to be Chief Judicial Magistrate, Lucknow *vice* Smt. Sushil Kumari.

No. 1241/Admin.(Services)-2021—Smt. Sushil Kumari, Chief Judicial Magistrate, Lucknow to be Chief Judicial Magistrate, Kaushambi *vice* Sri Kuldeep Singh-III.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Kaushambi.

No. 1242/Admin.(Services)-2021—Sri Kuldeep Singh-III, Chief Judicial Magistrate, Kaushambi to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Meerut.

No. 1243/Admin.(Services)-2021—Sri Arvind Verma, Additional Chief Judicial Magistrate, Railway, Mathura to be Civil Judge, Senior Division, Amroha *vice* Smt. Durgesh Nandini.

No. 1244/Admin.(Services)-2021—Smt. Durgesh Nandini, Civil Judge, Senior Division, Amroha to be Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Amroha in the vacant court.

No. 1245/Admin.(Services)-2021—Sri Raghuvansh Mani Singh, Additional Chief Judicial Magistrate (Northern Railway), Moradabad to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Unnao *vice* Smt. Meenakshi Sonkar.

No. 1246/Admin.(Services)-2021—Smt. Meenakshi Sonkar, Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Unnao to be Civil Judge, Senior Division, Kasganj *vice* Sri Narendra Kumar-V.

No. 1247/Admin.(Services)-2021—Sri Narendra Kumar-V, Civil Judge, Senior Division, Kasganj to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Allahabad.

No. 1248/Admin.(Services)-2021—Sushri Shivani Tyagi, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Muzaffarnagar to be Civil Judge, Senior Division, Auraiya *vice* Smt. Saumya Giri.

No. 1249/Admin.(Services)-2021—Smt. Saumya Giri, Civil Judge, Senior Division, Auraiya to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Kaushambi in the vacant court.

No. 1250/Admin.(Services)-2021—Sri Amit Kumar, Additional Civil Judge, Junior Division, Mohammadabad-Ghazipur is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Saharanpur *vice* Smt. Divya Chaudhary.

No. 1251/Admin.(Services)-2021—Smt. Divya Chaudhary, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Saharanpur to be Additional Chief Judicial Magistrate, Jhansi in the vacant court.

She is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Jhansi.

No. 1252/Admin.(Services)-2021—Sri Leelu, Civil Judge, Junior Division, Deoband-Saharanpur is promoted and posted as Additional Civil Judge, Senior Division, Deoband-Saharanpur *vice* Sri Sandeep.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Deoband-Saharanpur.

No. 1253/Admin.(Services)-2021—Sri Sandeep, Additional Civil Judge, Senior Division, Deoband-Saharanpur to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Aligarh.

No. 1254/Admin.(Services)-2021—Sri Virek Aggarwal, Civil Judge, Junior Division, Sambhal at Chandausi is promoted and posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Chandausi-Sambhal at Chandausi.

No. 1255/Admin.(Services)-2021—Sushri Sonika Verma, Additional Chief Judicial Magistrate, Chandausi-Sambhal at Chandausi to be Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Mathura *vice* Smt. Diksa Shree.

No. 1256/Admin.(Services)-2021—Smt. Diksa Shree, Secretary (Full Time) District Legal Services Authority, Mathura to be Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Mathura.

No. 1257/Admin.(Services)-2021—Sri Sudhanshu Shekar Upadhyay, Additional Civil Judge, Senior Division, Sant Kabir Nagar to be Additional Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad *vice* Sri Harikesh Kumar.

He is also appointed under section 11 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Ghaziabad.

No. 1258/Admin.(Services)-2021—Sri Harikesh Kumar, Additional Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sant Kabir Nagar *vice* Sri Satya Prakash Arya.

No. 1259/Admin.(Services)-2021—Sri Satya Prakash Arya, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Sant Kabir Nagar to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly.

No. 1260/Admin.(Services)-2021—Sri Yashwant Kumar Saroj, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly to be Chief Judicial Magistrate, Azamgarh *vice* Smt. Shradha Tripathi.

No. 1261/Admin.(Services)-2021—Smt. Shradha Tripathi, Chief Judicial Magistrate, Azamgarh to be Civil Judge, Senior Division, Kanpur Nagar *vice* Sri Manoj Kumar-II.

No. 1262/Admin.(Services)-2021—Sri Manoj Kumar-II, Civil Judge, Senior Division, Kanpur Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Pratapgarh *vice* Sri Kamal Singh.

No. 1263/Admin.(Services)-2021—Sri Kamal Singh, Chief Judicial Magistrate, Pratapgarh to be Civil Judge, Senior Division, Ghaziabad *vice* Smt. Poonam Singh-II.

No. 1264/Admin.(Services)-2021—Smt. Poonam Singh-II, Chief Judicial Magistrate, Ghaziabad to be Chief Judicial Magistrate, Ambedkar Nagar at Akbarpur *vice* Sri Ashok Kumar-XII.

She is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Ambedkar Nagar at Akbarpur.

No. 1265/Admin.(Services)-2021—Sri Ashok Kumar-XII, Chief Judicial Magistrate, Ambedkar Nagar at Akbarpur to be Civil Judge, Senior Division, Ambedkar Nagar at Akbarpur in the vacant court.

No. 1266/Admin.(Services)-2021—Smt. Shweta Srivastava, Civil Judge, Junior Division, Varanasi is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Sant Kabir Nagar *vice* Sri Abhishek Tripathi.

No. 1267/Admin.(Services)-2021—Sri Abhishek Tripathi, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Sant Kabir Nagar to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Barabanki.

No. 1268/Admin.(Services)-2021—Sri Shailendra Nath, Civil Judge, Junior Division Rath-Hamirpur is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Barabanki *vice* Sushri Pragati Singh.

No. 1269/Admin.(Services)-2021—Sushri Pragati Singh, Civil Judge, Senior Division, (Fast Track Court), Barabanki to be Civil Judge, Senior Division, Baghpat *vice* Sri Prem Prakash Jaiswal.

No. 1270/Admin.(Services)-2021—Sri Prem Prakash Jaiswal, Civil Judge, Senior Division, Baghpat to be Civil Judge, Senior Division, Allahabad *vice* Smt. Babita Pathak.

No. 1271/Admin.(Services)-2021—Smt. Babita Pathak, Civil Judge, Senior Division, Allahabad to be Civil Judge, Senior Division, Sambhal at Chandausi in the vacant court.

No. 1272/Admin.(Services)-2021—Sri Shailesh Kumar Maurya, Civil Judge, Junior Division, Bansi-Siddhartha Nagar is promoted and posted as Chief Judicial Magistrate, Siddhartha Nagar *vice* Smt. Jyoti.

He is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Siddhartha Nagar.

No. 1273/Admin.(Services)-2021—Smt. Jyoti, Chief Judicial Magistrate, Siddhartha Nagar to be Civil Judge, Senior Division, Mathura *vice* Smt. Neha Banaudhia.

No. 1274/Admin.(Services)-2021—Smt. Neha Banaudhia, Civil Judge, Senior Division, Mathura to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Ramabai Nagar.

No. 1275/Admin.(Services)-2021—Sri Sandeep Parcha, Nyayadhikari, Gram Nyayalaya, Siyana-Bulandshahar is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division, Siddhartha Nagar *vice* Sri Devendra Kumar-I.

No. 1276/Admin.(Services)-2021—Sri Devendra Kumar-I, Civil Judge, Senior Division, Siddhartha Nagar to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Bareilly.

No. 1277/Admin.(Services)-2021—Sri Vimlesh Saroj, Additional Civil Judge, Junior Division, Ballia is promoted and posted as Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Bareilly *vice* Sri Anupam Dixit

No. 1278/Admin.(Services)-2021—Sri Anupam Dixit, Civil Judge, Senior Division, (Fast Track Court), Bareilly to be Additional Chief Judicial Magistrate, Bahraich *vice* Sri Eshwar Saran Kannaujia.

He is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Bahraich.

No. 1279/Admin.(Services)-2021—Sri Eshwar Saran Kannaujia, Additional Chief Judicial Magistrate, Bahraich to be Civil Judge, Senior Division, Bahraich *vice* Sri Jagannath.

No. 1280/Admin.(Services)-2021—Sri Jagannath, Civil Judge, Senior Division, Bahraich to be Chief Judicial Magistrate, Bahraich *vice* Sri Navneet Kumar Bharti.

No. 1281/Admin.(Services)-2021—Sri Navneet Kumar Bharti, Chief Judicial Magistrate, Bahraich to be Chief Judicial Magistrate, Budaun *vice* Smt. Sangeeta.

No. 1282/Admin.(Services)-2021—Smt. Sangeeta, Chief Judicial Magistrate, Budaun to be Additional Chief Judicial Magistrate, Budaun in the vacant court.

She is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Budaun.

No. 1283/Admin.(Services)-2021—Sri Sunil Kumar Tripathi, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Sitapur to be Additional Civil Judge, Senior Division, Kushinagar at Padrauna in the newly created court, created *vide* G.O. No. 10/2016/870/Saat-Nyay-2-2016-85G/2012, dated 06-07-2016.

No. 1284/Admin.(Services)-2021—Sri Bhagwan Das Gupta, Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Sitapur to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Faizabad.

No. 1285/Admin.(Services)-2021—Smt. Astha Srivastava, Additional Chief Judicial Magistrate, Unnao to be Civil Judge, Senior Division, Maharajganj *vice* Sri Gaurav Prakash.

No. 1286/Admin.(Services)-2021—Sri Gaurav Prakash, Civil Judge, Senior Division, Maharajganj to be Additional Chief Judicial Magistrate, Mainpuri in the vacant court.

He is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Mainpuri.

No. 1287/Admin.(Services)-2021—Smt. Shivani Rawat, Additional Chief Judicial Magistrate, Unnao to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Jaunpur in the vacant court.

No. 1288/Admin.(Services)-2021—Sri Ashish Kumar Rai, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Varanasi to be Additional Chief Judicial Magistrate, Varanasi *vice* Smt. Sarvottama Nagesh Sharma.

He is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Varanasi.

No. 1289/Admin.(Services)-2021—Smt. Sarvottama Nagesh Sharma, Additional Chief Judicial Magistrate, Varanasi to be Special Chief Judicial Magistrate, Varanasi *vice* Sri Ravi Kumar Diwakar.

No. 1290/Admin.(Services)-2021—Sri Ravi Kumar Diwakar, Special Chief Judicial Magistrate, Varanasi to be Civil Judge, Senior Division, Varanasi *vice* Sri Mahendra Kumar Singh.

No. 1291/Admin.(Services)-2021—Sri Mahendra Kumar Singh, Civil Judge, Senior Division Varanasi to be Civil Judge, Senior Division, Sant Kabir Nagar *vice* Sri Shailendra Yadav.

No. 1292/Admin.(Services)-2021—Sri Shailendra Yadav, Civil Judge, Senior Division, Sant Kabir Nagar to be Chief Metropolitan Magistrate, Kanpur Nagar *vice* Sri Chinta Ram.

No. 1293/Admin.(Services)-2021—Sri Chinta Ram, Chief Metropolitan Magistrate, Kanpur Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Lakhimpur Kheri *vice* Smt. Seema Singh.

No. 1294/Admin.(Services)-2021—Smt. Seema Singh, Chief Judicial Magistrate, Lakhimpur Kheri to be Judge Small Causes Court, Ghaziabad *vice* Sri Bhartendra Singh.

No. 1295/Admin.(Services)-2021—Sri Bhartendra Singh, Judge Small Causes Court, Ghaziabad to be Chief Judicial Magistrate, Varanasi *vice* Sri Surendra Pratap Yadav.

No. 1296/Admin.(Services)-2021—Sri Surendra Pratap Yadav, Chief Judicial Magistrate, Varanasi to be Judge Small Causes Court, Sitapur *vice* Sri Manoj Kumar Jatav.

No. 1297/Admin.(Services)-2021—Sri Manoj Kumar Jatav, Judge Small Causes Court, Sitapur to be Chief Judicial Magistrate, Muzaffarnagar *vice* Sri Ravi Kant Yadav.

No. 1298/Admin.(Services)-2021—Sri Ravi Kant Yadav, Chief Judicial Magistrate, Muzaffar Nagar to be Chief Judicial Magistrate, Kushinagar at Padrauna *vice* Sri Aman Kumar Srivastava.

He is also appointed under section 11 (2) of Criminal Procedure, 1973 (Act no. 2 of 1974) as Judicial Magistrate, First Class for trying cases relating to Economic Offences at Kushi Nagar at Padrauna.

No. 1299/Admin.(Services)-2021—Sri Aman Kumar Srivastava, Chief Judicial Magistrate, Kushi Nagar at Padrauna to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Kushi Nagar at Padrauna *vice* Smt. Shabina Khan.

No. 1300/Admin.(Services)-2021—Smt. Shabina Khan, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Kushi Nagar at Padrauna to be Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Kushi Nagar at Padrauna *vice* Sri Anupam Kumar Tripathi.

No. 1301/Admin.(Services)-2021—Sri Anupam Kumar Tripathi, Civil Judge, Senior Division (Fast Track Court), Kushi Nagar at Padrauna to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Lucknow.

No. 1302/Admin.(Services)-2021—Sri Vivek Vikram, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Lucknow to be Additional Civil Judge, Senior Division/Additional Chief Judicial Magistrate, Jaunpur.

No. 1303/Admin.(Services)-2021—Sri Vishv Jeet Singh, Additional Civil Judge, Senior Division/ Additional Chief Judicial Magistrate, Varanasi to be Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Varanasi *vice* Smt. Sudha Singh.

No. 1304/Admin.(Services)-2021—Smt. Sudha Singh, Secretary (Full Time), District Legal Services Authority, Varanasi to be Civil Judge, Senior Division, Unnao *vice* Smt. Alaka Yadav.

No. 1305/Admin.(Services)-2021—Smt. Alaka Yadav, Civil Judge, Senior Division, Unnao to be Chief Judicial Magistrate, Shamli at Kairana *vice* Sri Rajmangal Singh Yadav.

By order of the Court,
ASHISH GARG,
Registrar General.

जनता के प्रयोजनार्थ भूमि नियोजन की विज्ञप्ति

21 दिसम्बर, 2021 ई०

सं० 1788(vi)/आठ-अ०जि०अ०(भू०अ०),सं०सं०, लखनऊ-लोक निर्माण विभाग, लखनऊ द्वारा अपेक्षित के लिये अमर शहीदपथ से चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट को जोड़ने वाले वैकल्पिक एलीवेटेड फ्लाई ओवर मार्ग के निर्माण हेतु जिला लखनऊ में ग्राम बेहसा की 637.323 वर्गमीटर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या 1480/आठ-अ०जि०अ०(भू०अ०),सं०सं०, लखनऊ, दिनांक 30 सितम्बर, 2021 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दिनांक 04 अक्टूबर, 2021 को मुनादी हुई है।

उक्त अधिसूचना के क्रम में राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें समाधान हो गया है कि अनुसूची "क" में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची "ख" में उल्लिखित जिला लखनऊ, तहसील सरोजनीनगर के सम्बन्धित ग्राम की शून्य हे० भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

राज्यपाल अग्रेतर निर्देश देते हैं कि अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के अधीन इस प्रभाव की घोषणा के प्रकाशन से प्रभावित अमर शहीदपथ से चरण सिंह एयरपोर्ट को जोड़ने वाले वैकल्पिक एलीवेटेड फ्लाई ओवर मार्ग के निर्माण हेतु जिला लखनऊ में ग्राम बेहसा के अन्तर्गत अर्जित भूमि रकबा 637.323 वर्गमीटर पर स्थित निर्माण/परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन प्राकलन के आधार पर प्रतिकर भुगतान किया जायेगा, इसलिये धारा 19 की उपधारा 2 के अधीन अधिसूचना के साथ पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना के सारांश के प्रकाशन की आवश्यकता नहीं है।

अनुसूची-क

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	नाम काश्तकार/पिता/ पति का नाम	स्थायी पता	भूखण्ड सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7	8
वर्गमीटर में							
लखनऊ	सरोजनीनगर	बिजनौर	बेहसा	श्री अरविन्द कुमार गुप्ता पुत्र श्री बी० एल० गुप्ता	307/161, मातादीन रोड, सआदतगंज, लखनऊ	1064-मि०	20.55
				श्री मनीष सैनी पुत्र स्व० देवराज सैनी	559/के एच ए/ 87/श्रीनगर, श्रंगार नगर के पास आलमबाग, लखनऊ	1064-मि०	91.52
				श्रीमती ममता राय पत्नी श्री मुन्ना कुमार राय	कोतवाली कृष्णा नगर, टाइप-1, कमरा नं०-1, कानपुर रोड, लखनऊ	1064-मि०	101.011

1	2	3	4	5	6	7	8
							वर्गमीटर में
लखनऊ	सरोजनीनगर	बिजनौर	बेहसा	श्री राकेश कुमार यादव पुत्र श्री हीरा लाल यादव	582-क/के एन 1064-5ए न्यू बेहसा, सरोजनीनगर, लखनऊ	1064-मि0	91.142
				श्रीमती दीपाली गोयल पत्नी श्री अंकित गोयल	ए-160 ओमैक्स सिटी, शहीदपथ	1064-मि0	111.75
				श्रीमती रोशनी पत्नी श्री गुप्ता	ग्राम धनगुवा, पो0 धौरडीन्हा, जिला सेतास, बिहार	1064-मि0	111.65
				श्री मोती राय पुत्र श्री बंशी राय	म0नं0 4 टाइप 3 एयरपोर्ट कालोनी, हिन्द नगर, कानपुर रोड, लखनऊ	1068	109.70
योग .							637.323

अनुसूची-ख

(विस्थापित परिवारों के लिये व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
लखनऊ	सरोजनीनगर	बिजनौर	शून्य	शून्य	शून्य

टिप्पणी—उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर लखनऊ कक्ष संख्या-42, स्थित कार्यालय में देखा जा सकता है।

अभिषेक प्रकाश,
जिला कलेक्टर,
लखनऊ।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 25 दिसम्बर, 2021 ई० (पौष 4, 1943 शक संवत्)

भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

नगर निगम कानपुर

22 दिसम्बर, 2021 ई०

सं० डी/86/प्र०अ०(विज्ञा०)/2021-22-उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2 सन् 1959) की धारा 305, 306, 452 एवं 541(41) (42) (48) में प्रदत्त अधिकारों के अन्तर्गत कानपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में लगे आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियन्त्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क वसूली हेतु अधिनियम की धारा- 542 के अन्तर्गत प्रस्तावित 'कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियन्त्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020' के प्रारूप को मा० नगर निगम सदन की विशेष बैठक दिनांक 15 सितम्बर, 2021 में प्रस्ताव संख्या 120 के माध्यम से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त नगर निगम कानपुर की वेबसाइट (<http://kmc.up.nic.in>) एवं पत्रांक संख्या डी/44/प्र०अ०(विज्ञा०) /2021-22, दिनांक 18 सितम्बर, 2021 द्वारा समाचार-पत्रों में प्रकाशित कराकर (दैनिक जागरण 21 सितम्बर, 2021), एवं (हिन्दुस्तान टाइम्स (अंग्रेजी) 22 सितम्बर, 2021) एक माह की अवधि में आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किये गये नियत अवधि में प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर समिति द्वारा सुनवाई एवं सम्यक् विचारोपरान्त आपत्तियों का निस्तारण करते हुये उपविधि का संशोधित प्रारूप दिनांक 20 दिसम्बर, 2021 को मा० सदन के समक्ष विचारार्थ एवं निर्णयार्थ प्रस्तुत किया गया। उपविधि को मा० सदन द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी उपविधि गजट के प्रकाशन के दिनांक से प्रभावी मानी जायेगी।

'कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियन्त्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020'

1-संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ—(1) यह उपविधि कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियन्त्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020' कही जाएगी।

(2) इसका विस्तार नगर निगम कानपुर के सम्पूर्ण क्षेत्र में होगा।

(3) यह गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

2-परिभाषाएं—(1) जब तक विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो इस उपविधि में—

(1) **“अधिनियम”** का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 से है,

(2) **“विज्ञापन”** (advertisement) से तात्पर्य है दीप्तियुक्त (illumination) अथवा दीप्तिहीन कोई ऐसा शब्द, वर्ण, नमूना (model), चिन्ह विज्ञापन फलक (placard board), नोटिस, युक्ति (device) अथवा प्रतिरूप (representation) जो विज्ञापन, घोषणा (announcement) या निर्देश (direction) के प्रकार (nature) का हो और उन्हीं प्रयोजनों के लिए पूर्णतः या अंशतः प्रयुक्त किया गया हो और इसके अन्तर्गत कोई ऐसी तख्ती (hoarding) तथा इसी प्रकार के अन्य ढाँचे (structure) हैं जो या तो विज्ञापन के प्रदर्शनार्थ प्रयुक्त होते हों या जो इस प्रकार प्रयुक्त किये जाने के लिए अनुकूलित कर लिये गये हों,

(2) **“विज्ञापनकर्ता”** का तात्पर्य ऐसी फर्म, एजेन्सी, संस्था, कम्पनी, (पंजीकृत/अपंजीकृत) संगठन से है जिसे इस उपविधि के अधीन कोई विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट, फ्लैक्स, डिजिटल/विद्युत पट्ट अथवा उपकरण परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चिपकाने, लिखने, चित्रित करने या लटकाने के लिए लिखित अनुमति प्रदान की गयी हो, और ऐसे व्यक्ति में उसका अभिकर्ता, प्रतिनिधि या सेवक सम्मिलित है और भूमि तथा भवन का स्वामी भी सम्मिलित है,

(3) **“विज्ञापन प्रतीक”** का तात्पर्य विज्ञापन के प्रयोजनों के लिए या तत्संबंध में सूचना देने के लिए या जनता को किसी स्थान, व्यक्ति लोक निष्पादन, वस्तु या वाणिज्यिक माल, जो भी हो, के प्रति आकर्षित करने के लिए किसी सतह या संरचना से है जिसमें ऐसे प्रतीक अक्षर या दृष्टांत अनुप्रयुक्त हों और जो द्वारों के बाहर किसी भी रीति जो भी हो, से संप्रदर्शित हो, और उक्त सतह या संरचना या किसी भवन से संलग्न हो, उसका भाग हो या उससे संयोजित हो, या जो किसी वृक्ष या भूमि या किसी खम्भे, स्क्रीन बाड़ या विज्ञापन पट्ट से जुड़ी हो या जो खाली स्थान पर संप्रदर्शित हो,

(4) **“आकाश चिन्ह”** से तात्पर्य है कोई शब्द, वर्ण, नमूना चिन्हयुक्त या अन्य प्रतिरूप, जो विज्ञापन घोषणा या निर्देश के रूप में हो और जो किसी भवन या ढाँचे पर उसके पूर्णतः या अंशतः किसी खम्भे, बल्ली, ध्वजदण्ड, चौखट या अन्य किसी अवलम्ब के सहारे रखा हुआ हो या उससे संलग्न हो और जो किसी सड़क या सार्वजनिक स्थान के किसी भी स्थल से पूर्णतः या अंशतः आकाश पर दिखायी देता हो,

(5) **“गुब्बारा”** का तात्पर्य गैस से भरे हुए ऐसे किसी गुब्बारे से है जो भूमि पर किसी बिन्दु से बंधा हो और कपड़े आदि के किसी फरहरे से या उसके बिना हवा में लहरा रहा हो,

(6) **“पताका” (बैनर)** का तात्पर्य ऐसी किसी नम्य आधार से है जिस पर कोई प्रतिकृति या चित्र संप्रदर्शित किये जा सकते हैं,

(7) **“पताका विज्ञापन”** का तात्पर्य किसी प्रतीक से है जो अपने संप्रदर्शन की सतह के रूप में किसी पताका का उपयोग कर रहा हो,

(8) **“समिति”** का तात्पर्य नियम-3 के अधीन गठित स्थल चयन समिति से है,

- (9) “निगम” का तात्पर्य कानपुर नगर निगम से है,
- (10) “विद्युतीय प्रतीक” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है जिसमें विद्युतीय साज-सज्जे, जो प्रतीकों के महत्वपूर्ण अंग हैं, प्रयुक्त किये जाते हैं,
- (11) “गैन्ट्री विज्ञापन” का तात्पर्य सड़क के दोनों ओर लोहे का मजबूत पिलर गाड़कर उसके ऊपर न्यूनतम निर्दिष्ट ऊँचाई पर आयताकार विज्ञापन प्रतीक से है,
- (12) “भू-विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी भवन से लगा हुआ न हो, और जो भूमि पर या किसी खम्भे, स्क्रीन, बाड़ा या विज्ञापन पट्ट पर परिनिर्मित या चित्रित हो और जनता के लिए दृश्य हो,
- (13) “प्रदीप्त प्रतीक” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है जो स्थायी या अन्यथा हो और जिसकी कार्यप्रणाली प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रकाश द्वारा उसे प्रदीप्त किये जाने पर आधारित हो,
- (14) “शामियाना विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे किसी विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी शामियाना वितान या ऐसी अन्य आच्छादित संरचना से सम्बद्ध हो या उससे टंगा हुआ हो जो किसी भवन से बाहर निकला हुआ हो और उससे अवलम्बित हो तथा जो भवन की दीवार एवं भवन की सीमा रेखा से बाहर की ओर हो और अस्थायी रूप से संप्रदर्शित किया गया हो,
- (15) “प्रक्षेपित प्रतीक” का तात्पर्य ऐसे किसी विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी भवन से लगा हुआ हो और उससे 300 मिलीमीटर से अधिक बाहर की ओर हो,
- (16) “मार्ग अधिकार” का तात्पर्य सड़क के प्रयोजनार्थ सुरक्षित और संरक्षित भूमि की चौड़ाई से है,
- (17) “छत विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन से है जो किसी भवन की प्राचीर या छत के किसी भाग पर या उसके ऊपर निर्मित हों या रखा गया है जिसमें किसी भवन की छत पर चित्रित विज्ञापन सम्मिलित है,
- (18) “अनुसूची” का तात्पर्य इस उपविधि से संलग्न अनुसूची से है,
- (19) “बस सायबानों (शेल्टर) पर विज्ञापन” का तात्पर्य किसी बस संचालन के अधीन बस सायबान के ऊपर अथवा भीतर की ओर से प्रकाशित किये गये, टांगे गये, अथवा चित्रित किये गये विज्ञापन प्रतीक से है,
- (20) “पुष्प पात्र (फलावर पॉट) स्टैण्ड विज्ञापन” का तात्पर्य शहर के अनुमन्य डिवाइडरों पर अथवा सड़क/फुटपाथ के अन्तिम छोर पर पर्यावरण की दृष्टिकोण से अनुकूल मौसमी पौधे लगाने के पश्चात् फलावर पॉट स्टैण्ड पर अनुमन्य/विहित आकार का विज्ञापन पट्ट लगाये जाने से है,
- (21) “जनसुविधा स्थान पर विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन से है जो किसी जनसुविधा स्थान के ऊपर/पास अथवा उसके भीतर किसी भी रीति से लगाये गये विज्ञापन से है,
- (22) “ट्रैफिक/पुलिस बूथ अथवा ट्रैफिक आईलैण्ड पर विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी ट्रैफिक/पुलिस बूथ अथवा ट्रैफिक आईलैण्ड के ऊपर अथवा उसके चारों ओर लगाया/लटकाया/चित्रित किया जाए,

- (23) “प्रतीक संरचना” का तात्पर्य किसी ऐसी संरचना से है जिससे कोई प्रतीक अवलम्बित हो,
- (24) “अस्थायी विज्ञापन” का तात्पर्य अवकाश दिवसों या लोक प्रदर्शनों हेतु अलंकारिक प्रदर्शनों सहित, किसी सीमित अवधि के प्रदर्शन के लिए वांछित किसी विज्ञापन प्रतीक, झण्डा या वस्त्र, कैनवेस, कपड़े या किसी संरचनात्मक ढांचा से या उसके बिना किसी अन्य हल्की सामग्री से निर्मित अन्य विज्ञापन युक्ति से है,
- (25) “अनुज्ञा शुल्क” का तात्पर्य अधिनियम की धारा-452 में निर्दिष्ट विज्ञापन शुल्क से है,
- (26) “ट्री गार्ड विज्ञापन” का तात्पर्य अनुमन्य डिवाइडरों पर अथवा सड़क/फुटपाथ के अंतिम छोर पर पर्यावरण के दृष्टिकोण से अनुकूल पौधे लगाने के पश्चात् ट्री गार्ड पर अनुमन्य/विहित आकार के संप्रदर्शित विज्ञापन प्रतीक से है,
- (27) “बरांडा प्रतीक” का तात्पर्य किसी बरांडा से सम्बद्ध, उससे संयोजित या उससे टांगे गये विज्ञापन से है,
- (28) “दीवार प्रतीक” का तात्पर्य किसी क्षेपण प्रतीक से भिन्न ऐसे किसी विज्ञापन से है जो किसी भवन की बाह्य सतह या उसके संरचनात्मक भाग से सीधे सम्बद्ध हो या उस पर चित्रित किया गया या चिपकाया गया हो,
- (29) “डिजिटल स्क्रीन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन पट्ट से है जिससे कि डिजिटल तकनीक अथवा विद्युत उपकरण के माध्यम से फ्लैक्स, के माध्यम से एक से एकाधिक विज्ञापन प्रदर्शित किये जा सकते हों,
- (30) “मैदान” का तात्पर्य प्रत्येक प्रकार की खुली भूमि, पार्क अथवा खेल के मैदान आदि से है।
- (31) “प्रीमियम” का तात्पर्य निविदा में किसी स्थल पर विज्ञापन अनुज्ञा प्राप्त करने हेतु दी जाने वाली निर्धारित अनुज्ञा शुल्क के अतिरिक्त विज्ञापनकर्ता द्वारा प्रस्तावित धनराशि से है।
- (32) “प्रचार वाहन/ बस पर विज्ञापन” का तात्पर्य विज्ञापन हेतु प्रयोग किए जाने वाले विशिष्ट वाहन (जैसे-एल०ई०डी० वैन, ई-रिक्शा, आटो रिक्शा) एवं अन्य मोटर चलित वाहन।
- (33) “सांकेतिक पट” का तात्पर्य सार्वजनिक स्थलों या निजी भूमि पर लगे ऐसे विज्ञापन जिनसे किसी विशिष्ट स्थल/संस्था या फिर किसी दिशा का संकेत होता हो।
- (34) “सिनेमा विज्ञापन” का तात्पर्य सिनेमा में स्क्रीन पर विज्ञापन जिसमें स्लाइड और विज्ञापन फिल्म सम्मिलित है। (चलचित्र विज्ञापन)
- (35) “अभिनव विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे आउटडोर मीडिया डिवाइस जो आउटडोर मीडिया डिवाइस के प्रारूप में परिभाषित नहीं है और जो प्रतिषेध में से नहीं है। को अभिनव विज्ञापन के रूप में विचार किया जायेगा।
- (36) “सड़क यातायात चिन्ह” का तात्पर्य ऐसी कोई सड़क यातायात चिन्ह और यातायात संकेतक जो भारतीय सड़क प्राधिकरण या किसी ऐसे लागू अधिनियम/नियम में अनुध्यात है।
- (37) “इलेक्ट्रानिक दृश्य प्रदर्शन” का तात्पर्य ऐसे अनौपचारिक रूप से एक स्क्रीन, एक स्थायी रिकार्ड बनाने के बिना, इलेक्ट्रानिक रूप से प्रसारित छवियों, पाठ या वीडियो की प्रस्तुति के लिए एक प्रदर्शन उपकरण से है जिसमें टेलीविजन सेट, कम्प्यूटर मानिटर और डिजिटल साइनेज शामिल है।

(2) इस उपविधि में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित और अधिनियम में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिए समनुदेशित हैं।

3—स्थल चयन के लिये समिति का गठन—(1) नगर आयुक्त अथवा नगर आयुक्त द्वारा नामित अपर नगर आयुक्त अथवा भार साधक अधिकारी की अध्यक्षता में विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट के लिए उचित और उपयुक्त स्थलों की पहचान करने के लिए और उसके प्रकार, आकार, ऊँचाई, दिशा और सौन्दर्यात्मक पहलू का विनिश्चय करने के लिए कानपुर नगर निगम में एक समिति का गठन किया जायेगा,

(2) समिति में निम्नलिखित होंगे—

- | | |
|---|------------|
| (1) नगर आयुक्त अथवा नगर आयुक्त द्वारा नामित अपर नगर आयुक्त, | अध्यक्ष |
| (2) मुख्य अभियन्ता, नगर निगम | सदस्य |
| (3) सचिव, कानपुर विकास प्राधिकरण | सदस्य |
| (4) परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, (जहाँ स्थल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से सम्बन्धित हो) | सदस्य |
| (5) अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग तथा रेलवे का प्रतिनिधि, (जहाँ स्थल लोक निर्माण विभाग अथवा रेलवे से सम्बन्धित हो) | सदस्य |
| (6) नगर का यातायात का प्रभारी राजपत्रित अधिकारी (यातायात पुलिस विभाग) | सदस्य |
| (7) क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ०प्र०राज्य सड़क परिवहन निगम, (जहाँ स्थल बस शेल्टर के आवंटन के सम्बन्ध में हो) | सदस्य |
| (8) निगम का यातायात अभियन्ता या कोई अधिकारी जो अधिशासी अभियन्ता की श्रेणी से निम्न न हो, | सदस्य |
| (9) कार्यालय स्मार्ट सिटी द्वारा नामित उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| (10) क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा नामित अधिकारी | सदस्य |
| (11) प्रभारी अधिकारी (विज्ञापन) | सचिव/सदस्य |
| (12) मा० महापौर द्वारा नामित 02 सदस्य | सदस्य |

(3) स्थलों की पहचान और समिति की संस्तुति के पश्चात् ही विज्ञापनों और विज्ञापन पट्टों की अनुज्ञा दी जाएगी। नगर निगम सीमान्तर्गत चयनित स्थलों की सूची को समिति के सदस्यों के समक्ष उपलब्ध कराये जाने की तिथि से 15 दिनों के अन्दर सदस्यों द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव दिया जाना आवश्यक होगा, अन्यथा की दशा में स्थल चयन की कार्यवाही निस्तारित कर दी जायेगी। यदि किसी चयनित स्थल पर किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त होती है तो चयनित स्थल को समाप्त करने/प्रकार परिवर्तित करने की शक्ति नगर आयुक्त में निहित होगी। सदस्य

सचिव द्वारा नगर आयुक्त से अनुमोदन प्राप्त कर समस्त सदस्यों को स्थल की सूची प्रेषित की जाएगी। जब भी किसी नवीन स्थलों का चयन किया जायेगा, पुनः यही प्रक्रिया अपनायी जायेगी।

(4) उपरोक्त समिति द्वारा चिन्हित स्थल पर ही विज्ञापन किया जायेगा।

4—प्रतिषेध—(1) उ0प्र0 नगर निगम अधिनियम, 1959 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत नगर आयुक्त या नगर आयुक्त द्वारा अधिकृत अधिकारी से पूर्व में लिखित अनुज्ञा प्राप्त किये बिना कोई व्यक्ति निगम की सीमा के भीतर किसी व्यक्तिगत अथवा सार्वजनिक भूमि, भवन, पुल, मार्ग, फुटपाथ, उपरिगामी सेतु या उससे संलग्न भूमि या ट्री गार्ड, नगर प्राचीर, बाउन्ड्रीवाल, नगर द्वार, विद्युत या टेलीफोन के खम्भे, चल वाहनों या किसी भी खुले स्थान पर कोई विज्ञापन या किसी प्रकार की सूचना या चित्र, जिससे किसी सामान्य प्रज्ञा वाले व्यक्ति को विज्ञापन होने का आभास हो, न तो परिनिर्मित करेगा न प्रदर्शित करेगा, न संप्रदर्शित करेगा, न चिपकायेगा न लगायेगा, न लिखेगा, न चित्रित करेगा या न लटकायेगा।

(2) नगर निगम की सीमाओं के भीतर किसी भूमि या भवन का स्वामी, अध्यासी या अन्यथा अधिभोग करने वाला कोई व्यक्ति नगर आयुक्त की लिखित अनुज्ञा के बिना ऐसी भूमि या भवन के किसी भाग पर कोई विज्ञापन न तो परिनिर्मित करेगा, न प्रदर्शित करेगा, न सम्प्रदर्शित करेगा, न लगायेगा, न चिपकायेगा, न लिखेगा, न चित्रित करेगा न लटकायेगा, सुनायेगा और न ही किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे भवन या भूमि पर कोई विज्ञापन परिनिर्मित करने देगा, न प्रदर्शित, न सम्प्रदर्शित, न लगाने, न चिपकाने, न लिखने, न चित्रित करने या न लटकाने देगा और न सुनवाने देगा यदि ऐसा विज्ञापन किसी सार्वजनिक स्थान या सार्वजनिक मार्ग से दृश्य हो अथवा सार्वजनिक रूप से दृश्य हो।

(3) कोई विज्ञापन पट्ट इस रीति से प्रतिष्ठापित नहीं किया जायेगा कि यातायात के संचालन में अग्र एवं पार्श्व भाग के दर्शित होने में कोई व्यवधान हो या यातायात में किसी तरह की बाधा उत्पन्न करे।

(4) राष्ट्रीय/राज्य संग्रहालयों, नेशनल पार्क, धार्मिक स्थल एवं ऐतिहासिक स्थलों पर विज्ञापन पट्ट न तो परिनिर्मित करा जायेगा न प्रदर्शित करा जायेगा, न संप्रदर्शित करा जायेगा, न चिपकाया जायेगा, न लगाया जायेगा, न लिखा जायेगा, न चित्रित किया जायेगा या न लटकाया जायेगा।

(5) ऐसा कोई विज्ञापनकर्ता या संस्था जिस पर नगर निगम/जल संस्थान/कानपुर स्मार्ट सिटी का कोई अवशेष देय हो।

(6) बैनर, वाल पेन्टिंग, पोस्टर के माध्यम से (किसी भी रीति से) विज्ञापन करना पूर्णतः प्रतिबन्धित है।

(7) नगर निगम सीमा क्षेत्र में विभिन्न राजनैतिक दलों/संगठनों के द्वारा किसी भी प्रकार से विज्ञापन/प्रचार/बधाई सन्देश आदि प्रदर्शित किये जाने के पूर्व (चुनाव/निर्वाचन की अवधि को छोड़कर) नियमानुसार अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। ऐसे विज्ञापन कानपुर नगर निगम द्वारा अनुमोदित स्थलों पर ही किया जायेगा।

(8) कोई भी विज्ञापन का कार्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के विपरीत नहीं किया जायेगा।

5—विज्ञापनकर्ताओं का पंजीकरण—(1) कानपुर नगर निगम में पंजीकृत विज्ञापन एजेन्सियाँ ही विज्ञापन हेतु अनुमन्य होंगी। अगले वित्तीय वर्ष के लिये नवीनीकरण की प्रक्रिया 31 मार्च के पूर्व ही पूर्ण करना अनिवार्य होगा जो नवीन वित्तीय वर्ष में 01 अप्रैल से प्रभावी होगी।

(2) विज्ञापनकर्ता/विज्ञापन एजेन्सी को पंजीकरण हेतु रु 50,000/—(पचास हजार) पंजीकरण शुल्क एवं रु 2,00,000 (दो लाख) धरोहर धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा।

(3) पंजीकरण अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक आवेदन अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट विहित प्रपत्र-1 में किया जायेगा, जिसे रु 1,000.00 + (जी0एस0टी0) भुगतान करके नगर निगम के कार्यालय से प्राप्त किया जायेगा या निगम के वेबसाइट से डाउनलोड भी किया जा सकता है, तथापि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय आवेदन-पत्र के मूल्य की रसीद आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जायेगी।

(4) पंजीकरण हेतु नियम व शर्तें निर्धारित करने का अधिकार नगर आयुक्त में निहित होगा।

6—अनुज्ञा प्राप्त करने की प्रक्रिया—(1) समिति द्वारा परिलक्षित स्थलों पर अनुज्ञा प्रदान करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा कम से कम दो प्रख्यात दैनिक समाचार-पत्रों के माध्यम से प्रत्येक स्थल/स्थल समूहों हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाएंगे। विज्ञापन में प्रत्येक प्रस्तावित स्थल/स्थल समूह के सम्बन्ध में नगर आयुक्त द्वारा न्यूनतम प्रीमियम धनराशि विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

(क) अनुज्ञा प्राप्त करने के लिये प्रत्येक आवेदन हेतु अनुसूची—दो में विनिर्दिष्ट विहित प्रपत्र में किया जाएगा जिसे रु 500 + (जी0एस0टी0) या स्थल समूहों की स्थिति में प्रति ईकाई रु 500 + (जी0एस0टी0) का भुगतान करके नगर निगम के कार्यालय से प्राप्त किया जाएगा। आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय आवेदन-पत्र के मूल्य की रसीद आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जाएगी।

(ख) मुहरबंद लिफाफे में प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए न्यूनतम सात दिन का समय दिया जायेगा।

(ग) प्रस्ताव के साथ उसमें उल्लिखित धनराशि का 25 प्रतिशत बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चेक जो लेखाधिकारी नगर निगम के पक्ष में देय हो, संलग्न करनी होगी। शेष धनराशि प्रस्ताव की स्वीकृति के पश्चात् नगर आयुक्त द्वारा यथा निर्दिष्ट अवधि के अंदर जमा करनी होगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक आवेदन-पत्र में ऐसी भूमि, भवन या स्थान के संबंध में विस्तृत सूचना, ऐसी भूमि के स्थल नक्शा (जो कि निर्धारित नक्शे के प्रारूप— 'क' के अनुरूप हो) सहित निहित होगी जहाँ ऐसी भूमि, भवन या स्थान के पास प्रस्तावित विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट पर परिनिर्मित किया जाना, प्रदर्शित किया जाना, सम्प्रदर्शित किया जाना, लगाया जाना, चिपकाया जाना, लिखा जाना या लटकाया जाना वांछित हो और उसमें निम्नलिखित सूचना सम्मिलित होगी जो नगर निगम द्वारा निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध करायी जायेगी।

(क) प्रत्येक भू-विज्ञापन पट्ट की भूमितल से ऊँचाई, अवस्थिति, ढाँचे की बनावट आदि की विशिष्टियों को स्थल चयन समिति द्वारा तय किया जायेगा।

(ख) पूर्ववर्ती विज्ञापनों के अतिरिक्त निजी भवन/भूमियों छत-विज्ञापनों, प्रक्षिप्त विज्ञापनों या भू-प्रतीकों के मामले में सहायक क्रिया विधियों और स्थिरक-स्थानों के समस्त घटक और यदि नगर आयुक्त द्वारा अपेक्षित हो तो आवश्यक अभिकल्प संगणनाएं आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जायेगी,

(ग) कोई अन्य विशिष्टियाँ, जो नगर आयुक्त द्वारा अपेक्षित हों,

6—निजी भवन एवं भूमियों पर अनुज्ञा प्राप्त करने की प्रक्रिया—(क) यदि विज्ञापन किसी सार्वजनिक मार्ग के पार्श्व भाग पर या किसी निजी परिसर में विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट किसी निजी भूमि या भवन या उसके

किसी भाग पर परिनिर्मित किया जाना, प्रदर्शित किया जाना, लगाया जाना, चिपकाया जाना, लिखा जाना, चित्रित किया जाना या लटकाया जाना वांछित हो और आवेदक ऐसी भूमि या भवन का स्वामी न हो तो ऐसे आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित विवरण भी प्रस्तुत किये जायेंगे—

(ख) विज्ञापन और प्रस्तावित संरचना के आकार का विवरण,

(ग) मान्यता प्राप्त संरचना अभियन्ता से सम्बन्धित भवन की सुदृढ़ता सम्बन्धी रिपोर्ट,

(घ) भू/भवन स्वामी की सहमति का अनुबन्ध-पत्र (भू/भवन स्वामी होने के पुष्टिकृत अभिलेख के साथ), आवेदन, आवश्यक चित्रों और संरचना-संगणनाओं सहित मान्यता प्राप्त संरचना अभियन्ता की माध्यम से किया जायेगा। अभिकल्प संगणनाओं में लिया गया “वायुभार राष्ट्रीय भवन संहिता, 2005” के “संरचना अभिकल्प, धारा-1 भार बल और प्रभाव” के भाग-4 के अनुसार होगा।

(ङ) मानचित्र स्वीकृत करने वाली सक्षम संस्था का अनापत्ति प्रमाण-पत्र।

(1) उपनियम 6 (क) में निर्दिष्ट भूमि या भवन के प्रत्येक स्वामी को लिखित रूप में वचन-पत्र देना होगा कि किसी व्यक्तिक्रम की स्थिति में वह विज्ञापनकर्ता हेतु देय अनुज्ञा शुल्क का भुगतान करने के लिये दायी होगा। भुगतान न होने की स्थिति में उ०प्र० नगर निगम अधिनियम, 1959 के प्रावधानों के अन्तर्गत बकाया धनराशि की वसूली भू-राजस्व की भौति/गृहकर में जोड़ कर की जायेगी। नगर आयुक्त अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को विज्ञापन पट्ट हटाने हेतु परिसर में प्रवेश का अधिकार होगा।

(2) यदि कोई व्यक्ति किसी ट्रीगार्ड/फ्लावर पॉट को परिनिर्मित करने की अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् ऐसे ट्रीगार्ड/फ्लावर पॉट पर कोई विज्ञापन प्रदर्शित या संप्रदर्शित करता है तो वह इस उपविधि के अनुसूची-3 के तहत अनुज्ञा शुल्क भुगतान करने का दायी होगा।

(3) अनुज्ञा ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए प्रदान की जायेगी जो नगर आयुक्त द्वारा लोक सुरक्षा और शिष्टाचार के हित में अधिरोपित की जाय।

(4) प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ प्रस्तावित सम्पूर्ण प्रीमियम का 25 प्रतिशत की धनराशि संलग्न करनी होगी।

7-अनुज्ञा प्राप्त करने की शर्तें—(1) किसी विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चिपकाने, लिखने, चित्रित करने या लटकाने, उद्घोषित करने की अनुज्ञा निम्नलिखित निबन्धन एवं शर्तों पर प्रदान की जायेगी, किन्तु बैनर, वाल पेण्टिंग, पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना पूर्णतया: प्रतिबन्धित होगा, यह कि—

(क) अनुज्ञा केवल उस अवधि तक के लिए प्रभावी होगी जिस अवधि के लिए प्रदान की गयी हो, परन्तु यह कि अनुज्ञा शुल्क या प्रीमियम सहित अनुज्ञा शुल्क, इस उपविधि के अनुसार नगर निगम निधि में संदत्त और जमा किया गया हो,

(ख) विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट पर ऐसे रंगों और आकारों में लिखा जाएगा, चिपकाया जाएगा, समुद्धृत किया जाएगा, चित्रित किया जाएगा जैसा कि नगर आयुक्त अथवा समिति द्वारा अनुमोदित किया जाए और विज्ञापन पट्ट चाहे भूमि पर या भवन पर प्रतिष्ठापित किया गया हो, की ऊँचाई 6.2 मीटर व चौड़ाई 12.4 मीटर से अधिक नहीं होगी। दो सन्निकट विज्ञापनों पट्टों के मध्य की दूरी 20 मीटर से कम नहीं होगी। यूनीपोल लगाये जाने की दशा में दो यूनीपोल के मध्य की दूरी 50 मीटर से कम नहीं होगी,

(ग) विज्ञापन/विज्ञापन पट चौराहे से 50 मीटर के भीतर स्थापित नहीं किया जायेगा,

(घ) विज्ञापनकर्ता द्वारा विज्ञापन या विज्ञापन पट को समुचित दशा में रखा एवं अनुरक्षित किया जाएगा,

(ङ) प्रदान की गयी अनुज्ञा अन्तरणीय नहीं होगी,

(च) विज्ञापनकर्ता ऐसी अवधि, जिसके लिए अनुज्ञा दी गयी थी, की समाप्ति से तत्काल प्रभाव से हटा देगे।

(छ) विज्ञापन बोर्ड या विज्ञापन पट्ट अनुज्ञात स्थान पर ही प्रतिष्ठापित किये जायेंगे, संप्रदर्शित किये जायेंगे या परिनिर्मित किये जायेंगे,

(ज) मार्ग/फुटपाथ के लिए खुली छोड़ी गयी भूमि पैदल चलने वालों, साइकिल वालों आदि के लिए सुरक्षित रूप में चलने के लिए उपलब्ध रहेगी,

(झ) भवनों, यदि कोई हो, जो प्रतीकों और विज्ञापन पट्टों के समीप स्थित हो, के प्रकाश और वातायन किसी भी रूप में बाधित नहीं होंगे,

(ञ) लोकहित में नगर आयुक्त को यह अधिकार होगा कि वह अवधि समाप्त होने के पूर्व भी अनुज्ञापत्र को निलम्बित कर दे, जिसके पश्चात् विज्ञापनकर्ता विज्ञापन को हटा देगा,

(ट) विज्ञापनकर्ता को इस उपविधि और अन्य राजकीय विधियों का पालन करना होगा,

(ठ) विज्ञापनों से अवस्थान का कलात्मक सौन्दर्य नष्ट नहीं होना चाहिए। किसी भी प्रकार के विज्ञापन हेतु पर्यावरण विभाग द्वारा प्रतिबन्धित प्लास्टिक का प्रयोग निषिद्ध होगा,

(ड) विज्ञापन पट्टों का अनुरक्षण तथा निरीक्षण नियम 24 एवं 25 के अधीन होंगे।

(ढ) समस्त विज्ञापन नियम 16 "समस्त विज्ञापनों के लिये सामान्य अपेक्षाएं" में दी गयी सामान्य अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे,

(ण) विज्ञापनों को वृक्षों या काष्ठमय पेड़-पौधों में गाड़ा, बांधा नहीं जायेगा,

(त) नगर निगम सीमान्तर्गत विज्ञापनकर्ताओं द्वारा समस्त विज्ञापनपट्टों पर नगर निगम कानपुर द्वारा दिये गये प्रारूप के अनुसार फर्म का नाम, फर्म का रजिस्ट्रेशन नम्बर, विज्ञापनपट्ट अनुज्ञा संख्या, अनुज्ञा अवधि, मोबाइल नम्बर आदि अंकित करना अनिवार्य होगा।

(थ) नगर निगम सीमान्तर्गत भारतीय रेलवे, मेट्रो रेलवे लाइन एवं बस अड्डा की बाउण्ड्री अथवा पिलर अथवा अन्य सम्पत्ति पर विज्ञापन प्रदर्शित करने की दशा में नगर आयुक्त द्वारा अनुज्ञा प्रदान किये जाने के पश्चात् निर्धारित अनुज्ञा शुल्क जमा किया जाना आवश्यक होगा।

(2) नगर आयुक्त द्वारा प्रदान की गयी लिखित अनुज्ञा या उसका नवीनीकरण तत्काल प्रभाव से स्वतः समाप्त हो जायेगा—

(क) यदि कोई विज्ञापन या उसका कोई भाग किसी दुर्घटना या किन्हीं अन्य कारण से गिर जाता है,

(ख) यदि कोई परिवर्द्धन, उसे सुरक्षित रखने के प्रयोजन को छोड़कर नगर आयुक्त के निर्देश के बिना किया जाता है,

(ग) यदि विज्ञापन पट की संरचना या उसके भाग में कोई परिवर्तन किया जाता है,

(घ) यदि उस भवन या संरचनाओं में कोई परिवर्द्धन या परिवर्तन किया जाता है जिस पर या जिसके ऊपर विज्ञापन परिनिर्मित किया गया हो, और यदि ऐसे परिवर्द्धन या परिवर्तन में विज्ञापन पट या उसके किसी भाग का व्यवधान सम्मिलित है, या,

(ङ) यदि ऐसा भवन या संरचना, जिस पर या जिसके ऊपर विज्ञापन पट्ट परिनिर्मित, नियत या अवरुद्ध हो, भंजित या नष्ट हो जाती है।

8—अनुज्ञा शुल्क—अनुसूची-1 के अनुसार प्रत्येक स्थल के लिये अनुज्ञा शुल्क की धनराशि नियत की जायेगी।

9—आवंटन समिति—(1) नगर आयुक्त की अध्यक्षता में एक आवंटन समिति गठित की जाएगी, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे—

(एक)	नगर आयुक्त द्वारा नामित अपर नगर आयुक्त	सदस्य
(दो)	निगम का मुख्य अभियन्ता या नगर आयुक्त द्वारा नामित अधिशासी अभियन्ता	सदस्य
(तीन)	मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी या नगर आयुक्त द्वारा नामित लेखाधिकारी	सदस्य
(चार)	प्रभारी अधिकारी, विज्ञापन जो सहायक नगर आयुक्त/कर निर्धारण अधिकारी की श्रेणी से निम्न न हो	सदस्य/ सचिव

(2) समिति इस उपविधि में विनिर्दिष्ट प्रतिमानों के अनुसार आवेदन पत्रों, निविदाओं, प्रस्तावों की संवीक्षा करेंगी और तदनुसार अनुमोदित करेगी।

(3) नियम 27 के अधीन अनुसूची-1 में निर्धारित अनुज्ञा शुल्क सहित प्रीमियम का उच्चतम प्रस्ताव करने वाले आवेदक को अनुज्ञा प्रदान की जायेगी।

(4) सदस्य सचिव समिति द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित अनुज्ञा आदेश जारी करेगा।

(5) यदि उच्चतम प्रीमियम प्रस्तावित करने वाला आवेदक किन्हीं कारणों से अनुमोदित प्रीमियम एवं विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क की धनराशि जमा नहीं करता है और निविदा से अपना प्रस्ताव वापस लेता है तो उसके द्वारा नीलामी/निविदा के लिए जमा की गयी धनराशि जब्त कर ली जाएगी एवं उसके स्थान पर द्वितीय निविदादाता को अगर इच्छुक हो तो उसे उच्चतम बोली की धनराशि पर सहमत की दशा में प्राथमिकता दी जायेगी।

(6) विस्तृत सूचना, अनुदेश और निबंधन एवं शर्तें अनुज्ञा आदेश में उल्लिखित की जाएंगी।

(7) विज्ञापन यथा—होर्डिंग, (भू विज्ञापन एवं निजी भवनों के छत विज्ञापन को छोड़कर अन्य छत विज्ञापन) यूनीपोल, बस शेल्टर, गैन्ट्री जनसुविधा पर विज्ञापन, ट्रैफिक/पुलिस बूथ अथवा ट्रैफिक आईलैण्ड, बरामदा विज्ञापन, डिजिटल स्क्रीन या अन्य कोई विज्ञापन प्रतीत आकाश चिन्ह, गुब्बारा, पताका बैनर विद्युतीय प्रतीक इत्यादि के लिए

प्रत्येक स्थल की नीलामी या निविदा एक ही रूप में उपर्युक्त रीति से की जाएगी। ट्री गार्ड पलावर पार्ट, ग्रीन बेल्ट पर विज्ञापन की आवंटन अनुसूची-3 में विहित रीति के अनुसार से की जायेगी।

(8) यदि कोई विज्ञापन निजी भवन या भूमि पर संप्रदर्शित किया जाना वांछनीय हो तो अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट वार्षिक विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क, विज्ञापनकर्ता द्वारा संदेय होगा।

(9) यदि विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट किसी सार्वजनिक मार्ग या इससे संलग्न भूमि या किसी सार्वजनिक स्थान या चहारदीवारी पर संप्रदर्शित किया जाना, परिनिर्मित किया जाना या प्रदर्शित किया जाना हो, उपविधि द्वारा निर्धारित प्रक्रिया द्वारा अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट वार्षिक अनुज्ञा शुल्क/उच्चतम् प्रीमियम की निर्धारित धनराशि आवेदक द्वारा संदेय होगी।

10-अनुज्ञा की अस्वीकृति के आधार-नियम 6 के अधीन अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र निम्नलिखित किसी एक या उससे अधिक आधारों पर अस्वीकृत किया जा सकता है, यह कि-

(क) आवेदन पत्र में अपेक्षित सूचना और विवरण अन्तर्विष्ट न हो, वह इस उपविधि के अनुरूप न हो या आवेदन पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में कोई प्रविष्टि खाली छोड़ दी गयी हो

(ख) प्रस्तावित विज्ञापन से तूफान या अंधड़ के दौरान जीवन या सम्पत्ति के लिए क्षति उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(ग) विज्ञापन एजेन्सी/संस्था का पूर्व में नगर निगम/स्मार्ट सिटी /जलकल में कोई पावना शेष हो,

(घ) अन्य कोई कारण जिसे नगर आयुक्त नगर निगम के हित व जनहित में उचित समझे।

(ङ) यदि कोई विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट इस उपविधि के उल्लंघन में परिनिर्मित किया जाता है, प्रदर्शित किया जाता है, संप्रदर्शित किया जाता है, लगाया जाता है, चिपकाया जाता है, लिखा जाता है, चित्रित किया जाता है या लटकाया जाता है या लोक सुरक्षा के लिए परिसंकटमय या खतरनाक हो या वह सुरक्षित यातायात संचालन हेतु अशांति का कारण हो तो नगर आयुक्त/समिति विज्ञापनकर्ता को किसी नोटिस के बिना उसे हटवा सकती या मिटवा सकती है और जमा प्रतिभूति से निम्नलिखित धनराशियों की वसूली कर सकती है-

(एक) इस प्रकार हटाये जाने या मिटाये जाने का व्यय

(दो) ऐसी अवधि, जिसके दौरान ऐसा विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट ऐसे उल्लंघन में परिनिर्मित किया गया था, प्रदर्शित किया गया था, संप्रदर्शित किया गया था, लगाया गया था, चिपकाया गया था, लिखा गया था, चित्रित किया गया था या लटकाया गया था, के लिए क्षतियों की धनराशि।,

(च) जब कभी कोई विज्ञापन नगर आयुक्त द्वारा किसी नोटिस या आदेश या अन्यथा के परिणामस्वरूप हटाया जाता है तब ऐसे भवन या स्थल, जिस पर या जिससे ऐसा विज्ञापन संप्रदर्शित किया गया था, में किसी क्षति या विकृति को नगर आयुक्त के समाधान पर्यन्त ठीक किया जाएगा। यदि विज्ञापन हटाये जाने के दौरान मार्ग/सड़क/फुटपाथ/ यातायात संकेतक या कोई अन्य लोक उपयोगिता की सेवायें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं तो विज्ञापनकर्ता से वसूल की जायेगी तथा विज्ञापनकर्ता से वसूली गयी धनराशि को निगम द्वारा सम्बन्धित विभाग को अन्तरित कर दिया जाना चाहिये

11—अनुज्ञा प्रदान करने की रीति—किसी विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट को परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, सम्प्रदर्शित करने, लगाने, चिपकाने, लिखने, चित्रित करने या लटकाने हेतु संस्तुति पर निम्नलिखित एक या उससे अधिक रीति से अनुज्ञा प्रदान करना नगर आयुक्त के लिए विधि सम्मत होगा—

(एक) सार्वजनिक नीलामी द्वारा

(दो) निविदा आमंत्रित करने के द्वारा

(तीन) निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन पूर्व में प्रदान की गई अनुज्ञा के नवीनीकरण हेतु नगर आयुक्त द्वारा निर्धारित प्रीमियम/नवीनीकरण शुल्क एवं सम्पूर्ण विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क जमा करने के पश्चात् अनुज्ञा का नवीनीकरण पर विचार किया जायेगा एवं अनुज्ञा के नवीनीकरण होने के पश्चात् देय प्रीमियम/एवं विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क जमा करना होगा जो पूर्व वर्ष के दर से कम से कम 10 प्रतिशत या उससे अधिक होगा।

(चार) विज्ञापन हेतु प्राप्त आवेदन-पत्रों पर अनुज्ञा और नवीनीकरण के लिए वित्तीय वर्ष/अनुज्ञा अवधि समाप्त होने के 01 सप्ताह के पूर्व प्राप्त विज्ञापन आवेदनों पर निर्णय लेकर विज्ञापनकर्ताओं को सूचित किया जायेगा, यदि नीलामी/निविदा के माध्यम से अनुज्ञा प्रदान किया जाना है तो नीलामी/निविदा में भाग लेने वाले विज्ञापनकर्ताओं को सूचित किया जायेगा।

12—अनुज्ञा की अवधि—अनुज्ञा की अवधि वही होगी जो अनुज्ञा पत्र में विनिर्दिष्ट है। अनुज्ञा, अनुज्ञा के दिनांक से अधिकतम दो वित्तीय वर्ष के लिये देय होगी।

13—विज्ञापन पर निर्बन्धन—(1) किसी संविदा या करार में अन्तर्विष्ट किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी कोई विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट परिनिर्मित नहीं किया जाएगा, प्रदर्शित नहीं किया जायेगा, सम्प्रदर्शित नहीं किया जायेगा, चिपकाया नहीं जाएगा, लिखा नहीं जाएगा, चित्रित नहीं किया जायेगा या लटकाया नहीं जायेगा, यदि,

(एक) यह आकार में 12.4 मीटर × 6.2 मीटर से अधिक हो और इसका तल आधार भूतल से ऊपर 02 मीटर से कम हो,

(दो) यह किसी मार्ग, मार्ग संधियों या सेतुओं के अनुप्रस्थ भाग के मध्य से होते हुए मार्ग से नापे गये 20 मीटर के भीतर किसी स्थान पर अवस्थित हो,

(तीन) यह मार्ग के समानान्तर न हो या इससे या पैदल चलने वाले यातायात में बाधा उत्पन्न होती हो या बाधा उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(चार) समिति की राय में प्रस्तावित स्थल विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट के लिए अनुपयुक्त हो,

(पांच) यह किसी निजी परिसर के बाहर क्षेपित हो जिस पर यह इस प्रकार परिनिर्मित, प्रदर्शित या सम्प्रदर्शित हो,

(छः) यह ऐतिहासिक या राष्ट्रीय स्मारकों, सार्वजनिक भवनों और दीवारों चिकित्सालयों, शैक्षणिक संस्थाओं, न्यायालयों, सार्वजनिक कार्यालयों और पूजा स्थलों के चारों ओर अवस्थित हो

(सात) यह स्थल नियम 27 के अधीन इस प्रयोजनार्थ निगम या राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित प्रतिषिद्ध क्षेत्र के भीतर पड़ता हो,

(आठ) यह जर्जर स्थिति में हो जिसके आंधी-पानी (बरसात) में अथवा अन्य प्रकार से गिरने की सम्भावना हो।

(नौ) यह तम्बाकू से निर्मित पदार्थ सिगरेट इत्यादि के सेवन को प्रोत्साहित करने वाला हो,

(दस) यह प्रस्तावित विज्ञापन से लोक शांति या प्रशांति भंग होने की सम्भावना हो या लोकनीति और एकता के विरुद्ध हो,

(ग्यारह) यह प्रस्तावित विज्ञापन से तूफान या अंधड़ के दौरान जीवन या सम्पत्ति के लिए क्षति उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(बारह) यह प्रस्तावित विज्ञापन से यातायात में बाधा या खतरा उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(तेरह) यह प्रस्तावित विज्ञापन स्थल तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के उपबंधों से असंगत हो

(चौदह) यह विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट किसी भूमि या भवन पर परिनिर्मित किया जाना या सम्प्रदर्शित किया जाना वांछनीय हो और ऐसी भूमि या भवन के संबंध में उ०प्र० नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 172 में निर्दिष्ट सम्पत्ति कर आवेदन करने के दिनांक को असंदत्त हो

(2) विज्ञापनों और विज्ञापन पट्टों को निम्नलिखित रूप में अनुज्ञा नहीं दी जाएगी—

(एक) ऐसी रीति से और ऐसे स्थानों पर जिससे कि यातायात के पहुँचने, या संविलीन होने, प्रतिच्छेदित होने की दृश्यता में बाधा या व्यवधान उत्पन्न होता हो,

(दो) समस्त प्रमुख चौराहों/तिराहों से 50 मीटर के भीतर, (ट्रैफिक आइलैण्ड, जनसुविधाओं पुलिस बूथ को छोड़कर)

(तीन) किसी मार्ग के पार लटकाए गये पट्टों, भित्ति पत्रकों, वस्त्र-झण्डियां या पत्रक पर जिनसे चालक का ध्यान विचलित होता हो और इसलिए परिसंकटमय हो

(चार) ऐसे रूप में जिससे पैदल चलने वालों के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न हो और चौराहे पर उनकी दृश्यता बाधित हो,

(पांच) स्थानीय सुविधायें प्रभावित नहीं की जायेगी

(3) (एक) सार्वजनिक भवनों, दिशा-सूचकों और महत्वपूर्ण सूचनाओं/नोटिस वाले विज्ञापन-पट्टों पर पोस्टर लगाना अथवा कुछ लिखना पूर्णतः प्रतिबन्धित एवं दण्डनीय अपराध होगा,

(दो) सड़क पर क्रास बैनर पूर्णतः प्रतिबन्धित होगा,

(तीन) गैन्ट्री प्रतीक के लिए यह आवश्यक होगा कि गैन्ट्री के दोनों छोरों पर स्थान बोधक, दिशासूचक शब्द एवं दूरी का उल्लेख किया जाय जो विज्ञापन के कुल आकार का न्यूनतम 50 प्रतिशत से कम नहीं होगा। गैन्ट्री की सड़क से न्यूनतम ऊँचाई इस प्रकार रखी जाएगी कि सामान लदा हुआ भारी ट्रक नीचे से आसानी से गुजर सके,

(चार) फ्लावर पॉट में मौसमी पुष्पों वाले पौधे ही लगाए जा सकेंगे। कैक्टस/कटीले पौधे वाले फ्लावर पॉट अनुमन्य नहीं होंगे,

(पांच) सड़क के किनारे अथवा डिवाइडर पर लगे किसी भी बड़े वृक्ष जो स्वावलम्बी हो चुके हैं एवं बड़े वृक्ष के नीचे ट्री-गार्ड/फ्लावर पॉट लगाकर विज्ञापन प्रदर्शित किया जाना निषिद्ध होगा,

(छः) किसी भी पोल पर अधिकतम दो किरॉस्क जिनके पार्श्व भाग आपस में इस प्रकार सटे होंगे जिसमें एक दिशा से एक ही किरॉस्क दृश्य होगा, अनुमन्य होंगे।

(4) निम्नलिखित प्रकार के प्रदीप्त विज्ञापनों और विज्ञापन पट्टों की अनुज्ञा नहीं होगी—

(एक) ऐसी सधनता या चमक वाले प्रदीप्त विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट जिससे चौंध उत्पन्न हो या वाहन चालक अथवा पैदल चलने वालों की दृष्टि बाधित होती हो या जिससे चालन की किसी क्रिया में विघ्न पड़ता हो।

(दो) विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट जो इस रूप में प्रदीप्त हों जिससे कि किसी शासकीय यातायात विज्ञापन पट्ट युक्ति या संकेतक का प्रभाव बाधित होता हो या क्षीण होता हो।

14—छत के उपर के विज्ञापन पट्टों के सम्बन्ध में निर्बन्धन—(1) किसी भवन की छत पर परिनिर्मित, प्रदर्शित या संप्रदर्शित किये जाने वाले विज्ञापनों या विज्ञापन पट्टों के मामले में केवल प्लास्टिक की विनायल या वस्त्र पत्रक ही अनुमन्य हैं।

(2) नियम-6 (क) और नियम-13 के अधीन रहते हुए किसी भवन की छत पर विज्ञापन पट्ट की ऊँचाई अधिकतम 6.2 मीटर व चौड़ाई 12.4 मीटर से अधिक नहीं होगी और चौड़ाई किसी भी दशा में भवन की क्षैतिज चौड़ाई से अधिक नहीं होगी।

15—विज्ञापन पट्टों के प्रकार—विज्ञापन निम्नलिखित प्रकार के होंगे—

(क) वैद्युत और प्रदीप्त विज्ञापन/वैद्युत डिजिटल विज्ञापन/एल.ई.डी. स्क्रीन (किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र की अनुमति नहीं होगी।)

(ख) भू-विज्ञापन/यूनीपोल/कैन्टीलीवर/गैन्ट्री विज्ञापन

(ग) छत विज्ञापन

(घ) बरामदा/दुकान विज्ञापन

(ङ) दीवार विज्ञापन

(च) प्रक्षिप्त विज्ञापन

(छ) शामियाना विज्ञापन

(ज) आकाशीय विज्ञापन

(झ) अस्थायी एवं विविध विज्ञापन

- (ज) ट्रैफिक/पुलिस बूथ अथवा ट्रैफिक आईलैण्ड विज्ञापन
- (ट) जन सुविधा स्थान पर विज्ञापन
- (ठ) विशेष प्रकार की छतरी विज्ञापन
- (ड) पताका/झण्डी विज्ञापन, द्वार विज्ञापन, गुब्बारा विज्ञापन
- (ढ) ट्री गार्ड/फलावर पॉट डिस्प्ले
- (ण) बिल्डिंग ग्लास, फसाड वॉलरैप, वाटर टैंक विज्ञापन
- (त) फुट ओवर ब्रिज
- (थ) प्रचार वाहन/ बस पर विज्ञापन
- (द) सांकेतिक पट
- (ध) सिनेमा विज्ञापन
- (न) अभिनव विज्ञापन
- (प) सड़क यातायात चिन्ह
- (फ) इलेक्ट्रॉनिक दृश्य प्रदर्शन

**(क) वैद्युत
विज्ञापन और
प्रदीप्त विज्ञापन**

क-1 वैद्युत विज्ञापन की सामग्री : जहाँ प्रतीक पूर्णतः पुंज प्रकाश युक्त विज्ञापन हो, उसे छोड़कर प्रत्येक वैद्युत विज्ञापन अज्वलनशील सामग्री से निर्मित किया जायेगा।

क-2 वैद्युत विज्ञापनों और प्रदीप्त विज्ञापनों का स्थापन :

प्रत्येक वैद्युत विज्ञापन और प्रदीप्त विज्ञापन को राष्ट्रीय भवन संहिता 2005, भाग-8 भवन सेवायें धारा 2, विद्युत एवं समवर्गीय स्थापन के अनुसार स्थापित किया जायेगा।

क-3 लाल, तृणमणि जैसा या हरे रंग में कोई प्रदीप्त विज्ञापन, किसी प्रदीप्त यातायात विज्ञापन के 10 मीटर की क्षैतिज दूरी के भीतर परिनिर्मित या अनुरक्षित नहीं किया जायेगा।

क-4 दो मंजिल से कम की ऊँचाई पर या पगडण्डी से 6.2 मीटर ऊपर जो भी अधिक हो, पर सफेद प्रकाश से भिन्न प्रकाश द्वारा प्रदीप्त समस्त विज्ञापन पट्ट समुचित रूप से प्रदर्शित किये जायेंगे जिससे कि यातायात के नियंत्रण में विज्ञापन पट्ट या संकेतक से होने वाले किसी प्रकार के व्यवधान को संतोषजनक रूप से रोका जा सके।

क-5 गहन प्रदीप्ति : कोई व्यक्ति ऐसा कोई विज्ञापन परिनिर्मित नहीं करेगा जो ऐसे गहन प्रदीप्ति का हो जिससे कि संलग्न या निकट के भवनों के निवासियों को व्यवधान उत्पन्न हो। ऐसे परिनिर्माण के लिए दी गयी किसी अनुज्ञा के होते हुए भी किसी ऐसे विज्ञापन, जो परिनिर्माण के पश्चात् नगर आयुक्त की राय में ऐसी गहन प्रदीप्ति का

हो, जिससे कि संलग्न या निकट के भवनों के निवासियों को व्यवधान उत्पन्न हो, को नगर आयुक्त के आदेश के आधार पर संबंधित स्थल के स्वामी द्वारा ऐसी युक्तियुक्त अवधि, जैसा कि नगर आयुक्त विनिर्दिष्ट करें, के भीतर समुचित रूप में परिवर्तित कर दिया जायेगा या उसे हटा दिया जायेगा।

क-6 **परिचालन अवधि:**— नगर आयुक्त की राय में जन सुख सुविधा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के हित में आवश्यक विज्ञापन से भिन्न कोई वैद्युत विज्ञापन, मध्यरात्रि और सूर्योदय के मध्य प्रचालित नहीं किया जायेगा।

क-7 **चौंधने वाला, ओझल करने वाला और जीवंतता प्रदान करने वाला:** कोई चौंधने वाला, ओझल करने वाला या जीवंतता परक विज्ञापन पट्टिका जिसकी बारम्बारता प्रति मिनट 30 चौंध से अधिक हो, इस प्रकार परिनिर्मित की जायेगी कि ऐसे विज्ञापन पट्टों का न्यूनतम छोर भूतल से 9 मीटर ऊपर से कम न हो।

क-8 विमानपत्तनों के निकट प्रदीप्त विज्ञापनों के लिए विमानपत्तन प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जाना चाहिए।

(ख) भू-विज्ञापन

ख-1 **सामग्री :** ढांचों, अवलम्बों और पट्टी सहित 6 मीटर से अधिक ऊंचाई वाला प्रत्येक भू-विज्ञापन नियम 16 के उप नियम (4) में दी गयी सामग्री को छोड़कर अज्वलनशील सामग्री से निर्मित किया जायेगा।

ख-2 **आयाम :** कोई भी भू-विज्ञापन भूमि के ऊपर 6 मीटर से अधिक की ऊँचाई में परिनिर्मित नहीं किया जायेगा। प्रकाश परावर्तन विज्ञापन के अग्रभाग या मुख भाग के ऊपर जा सकता है।

ख-3 **अवलम्ब और स्थिरक स्थान :** प्रत्येक भू-विज्ञापन को भूमि पर दृढ़तापूर्वक अवलम्बित और स्थिर किया जायेगा। अवलम्ब और स्थिरक, सुसाध्यतानुसार संसाधित काष्ठ के होंगे या संक्षारण रोध या चिनाई या कंक्रीट हेतु संसाधित धातु के होंगे।

ख-4 **स्थल सफाई :** किसी स्थल जिस पर कोई भू-विज्ञापन परिनिर्मित हो, का स्वामी स्थल के ऐसे भाग जो मार्ग से दृश्य हो, को स्वच्छ, साफ, निर्मल और समस्त गन्दे पदार्थों तथा कुरूप स्थितियों से मुक्त रखने के लिए उत्तरदायी होगा।

ख-5 **यातायात में अवरोध :** ऐसा कोई भू-विज्ञापन परिनिर्मित नहीं किया जायेगा जिससे कि किसी भवन के मुक्त प्रवेश में या उसके निकास में व्यवधान उत्पन्न हो।

ख-6 **तल निर्बाधन :** सभी भू-विज्ञापनों का तल आधार भूमि में कम से कम 2 मीटर ऊपर होगा किन्तु अंतरावर्ती स्थान को जालदार कार्य या पटल सजावटी व्यवस्था से पूरा किया जा सकता है।

ख-7 भू-चित्रित विज्ञापन, जहाँ लागू हों, नियम 16 की अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे।

(ग) छत विज्ञापन

ग-1 **सामग्री** : नियम 16 के उप नियम (4) में दी गयी व्यवस्था को छोड़कर ढाँचे, अवलम्बों और पट्टियों सहित प्रत्येक छत विज्ञापन पट्टिका को अज्वलनशील सामग्री से निर्मित किया जायेगा। समस्त धात्विक पुर्जों के वैद्युत भू-आच्छादन की व्यवस्था की जायेगी और जहाँ ज्वलनशील सामग्रियाँ अक्षरों या अन्य साज-सज्जों में अनुज्ञात हो वहाँ समस्त लेख और नलिकायें उसमें मुक्त और रोधित रखी जायेगी।

ग-2 **अवस्थिति:**

(क) किसी भवन के छत पर कोई छत विज्ञापन, इस प्रकार नहीं रखा जायेगा जिससे कि छत के एक भाग से दूसरे भाग में मुक्त प्रवेश में व्यवधान उत्पन्न हो।

(ख) कोई छत विज्ञापन किसी भवन के छत पर या उसके ऊपर तब तक नहीं रखा जायेगा तब तक सम्पूर्ण छत का निर्माण अज्वलनशील सामग्री का न हो।

ग-3 **क्षेपण (प्रोजेक्शन)** : कोई क्षेपण विज्ञापन भवन की विद्यमान भवन लाइन जिस पर यह परिनिर्मित हो के परे/प्रक्षेपित नहीं होगा अथवा वह छत के ऊपर किसी भी दिशा में नहीं बढ़ेगा।

ग-4 **अवलम्ब और स्थिरक** : प्रत्येक छत विज्ञापन को पूर्णतया सुरक्षित रखा जायेगा और उसे ऐसे भवन, जिस पर या जिसके ऊपर यह परिनिर्मित हो, पर स्थिर किया जायेगा। सम्पूर्ण भार भवन के संरचनात्मक भागों में सुरक्षित रूप में संवितरित होंगे। जिस हेतु संरचना अभियन्ता का प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा।

ग-5 विमानपत्तनों के समीप छत विज्ञापनों हेतु विमानपत्तन प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जाना चाहिए।

ग-6 चित्रित छत विज्ञापन, जहाँ प्रयोज्य हों, नियम 16 'समस्त विज्ञापनों हेतु सामान्य अपेक्षाएँ' के अनुरूप होंगे।

ग-7 विकास प्राधिकरण/आवास विकास परिषद/अन्य कोई ऐसी संस्था जो नगर निगम सीमा में मानचित्र स्वीकृत हेतु अधिकृत हो से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जाना चाहिए।

(घ) बरामदा विज्ञापन

घ-1 **सामग्री** : प्रत्येक बरामदा विज्ञापन नियम 16 के उप नियम (4) में दी गयी व्यवस्था को छोड़कर पूर्णतः अज्वलनशील सामग्री से निर्मित किया जायेगा।

घ-2 **आयाम** : कोई बरामदा विज्ञापन 01 मीटर से अधिक ऊँचा नहीं होना चाहिए। किसी बरामदा से लटकाया जाने वाला कोई बरामदा विज्ञापन लम्बाई में 2.5 मीटर और मोटाई में 50 मिलीमीटर से अधिक नहीं होगा, इसके सिवाय विज्ञापन के प्रमुख अग्रभागों के मध्य मापित और पूर्णतया धातुगत तार युक्त शीशे से निर्मित मोटाई में 200 मीटर से अनधिक मापवाला बरामदा बाक्स विज्ञापन, परिनिर्मित किया जा सकता है।

- घ-3 **संरेखण** : प्रत्येक बरामदा विज्ञापन, भवन, लाइन के समान्तर स्थापित किया जायेगा, सिवाय इसके कि किसी बरामदा से लटकने वाले ऐसे किसी विज्ञापन को भवन लाइन के समकोण पर स्थापित किया जायेगा।
- घ-4 **स्थान**— बरामदा पट्टिका को, जो लटकाने वाले विज्ञापन पट्ट से भिन्न हो, निम्नलिखित स्थानों पर लगाया जायेगा—
- (एक) बरामदा छत की ओरी के ठीक ऊपर इस तरह से कि वह छत के गटर से पिछले भाग से वहिर्निष्ट न हो।
- (दो) बरामदा मुंडेर या आलंब के सामने किन्तु उसके ऊपर या नीचे नहीं, परन्तु ऐसी मुंडेर या आलंब ठोस हो और विज्ञापन पट्टिका ऐसी मुंडेर आलंब के बाहरी अग्रभाग से 20 सेमी0 से अधिक वहिर्निष्ट न हो।
- (तीन) पेन्ट किए हुए विज्ञापन पट्टिकाओं की दशा में बरामदा धरनों या मुंडेरों पर।
- घ-5 **लटकते हुए बरामदा विज्ञापन पट्टिकाओं की ऊँचाई**—किसी बरामदे से लटकता हुआ प्रत्येक बरामदा विज्ञापन पट्टिका इस प्रकार से लगायी जायेगी कि ऐसी पट्टिका का सबसे निचला भाग खड़जा से कम से कम 2.5 मीटर ऊँचाई पर हो।
- घ-6 **प्रक्षेपण** : घ-4 में यथा उपबन्धित के सिवाय कोई भी बरामदा विज्ञापन पट्टिका उस लाइन से, जिससे वह लगी हो, बाहर निकली हुई नहीं होगी।

**(ङ) दीवार
विज्ञापन
(प्रतिबन्धित)**

नगर/स्थल के कलात्मक सौंदर्य, व अन्य विशिष्टियों के दीवार विज्ञापन के सम्बन्ध में मामले में नगर आयुक्त द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

**(च) प्रक्षेपण
विज्ञापन
पट्टिकाये**

- च-1 **सामग्री** : प्रत्येक प्रक्षेपण विज्ञापन पट्टिका और उसका अवलम्ब एवं चौखट पूर्णतः अज्वलनशील पदार्थ से निर्मित होगा।
- च-2 **प्रक्षेपण एवं ऊँचाई** : कोई भी प्रक्षेपण पट्टिका अपने अवलम्ब या चौखट के किसी भाग में भवन के बाहर 02 मीटर से अधिक प्रक्षिप्त नहीं होगी किन्तु यह मार्ग के सामने भूखण्ड लाइन के बाहर प्रक्षिप्त नहीं होगी, जब यह मार्ग में प्रक्षिप्त होती हो तो यह सड़क के 2.5 मीटर की स्पष्ट ऊँचाई पर होगी।
- (क) समस्त प्रक्षेपण पट्टिकाओं के अक्ष भवन के मुख्य अग्रभाग के समकोण (Right Angle) पर होंगे। जहाँ अग्रभाग के लिए वी-निर्माण किया गया हो, वहाँ भवन के सामने विज्ञापन पट्टिका का आधार कुल प्रक्षेपण की सीमा से अधिक नहीं होगा।
- (ख) कोई भी प्रक्षेपण पट्टिका छत की ओरी के ऊपर या भवन आकृति के उस भाग, जिससे वह लगी हो, के ऊपर नहीं निकली होगी।

(ग) किसी प्रक्षेपण पट्टिका की अधिकतम ऊँचाई 6 मीटर होगी।

च-3 **अवलम्ब एवं संलग्नक** : प्रत्येक प्रक्षेपण पट्टिका किसी भवन से सुरक्षित रूप से लगी होगी जिससे किसी भी दिशा में उसके संचलन को संरक्षण रोधी धातु दीवारगीर, रॉड्स ऐंकर्स, अवलम्ब, चेन्स या वायररोप्स, जो इस प्रयोजन के लिए निर्मित हो, द्वारा रोका जा सके और इस प्रकार व्यवस्थित की जा सके कि इस प्रकार लगाये जाने की आधी युक्तियाँ परिस्थितिवश विज्ञापन पट्टिका को थाम सकें। स्टैपल्स या कीलों का प्रयोग किसी भवन के किसी प्रक्षेपण विज्ञापन पट्टिका को कसने के लिए नहीं किया जायेगा।

च-4 **अतिरिक्त भार** : ऐसी प्रक्षेपण संबंधी संरचनाएं जो किसी सीढ़ी पर या अन्य सेवाई युक्ति में, चाहे वह सेवाई युक्ति के लिए विशेष रूप से बनायी गयी हों या न हो, किसी व्यक्ति को थामने के लिए प्रयोग में लायी जा सकती हो, पूर्वानुमानित अतिरिक्त भार को थामने के लिए सक्षम होगी किन्तु किसी भी दशा में कल्पित रूप से भार डालने के बिन्दु पर या अत्यधिक उत्केन्द्रीय भार डालने के बिन्दु पर डाला गया केन्द्रित क्षैतिज भार 500 किलोग्राम से और ऊर्ध्वधर केन्द्रित भार 1500 किलोग्राम के कम के लिए सक्षम नहीं होगी। भवन संघटक, जिससे प्रक्षेपण विज्ञापन पट्टिका लगाई जाय इस प्रकार निर्मित होगा कि अतिरिक्त भार को थाम सके।

(छ:) शामियाना
विज्ञापन पट्टिका

छ-1 **सामग्री** : शामियाना विज्ञापन पट्टिकाएँ पूर्ण रूप से धातु या अन्य अनुमोदित अज्वलनशील पदार्थों से निर्मित होंगी।

छ-2 **ऊँचाई** : ऐसी विज्ञापन पट्टिकाएँ 02 मीटर से ऊँची नहीं होगी और न तो वे शामियाना की पट्टी से नीचे और न पगडंडी से ऊपर 2.5 मीटर से नीचे होंगी।

छ-3 **लम्बाई** : शामियाना विज्ञापन पट्टिकाएँ पूरी लम्बाई से अधिक हो सकती हैं किन्तु वे किसी भी दशा में शामियाना के छोर से बाहर प्रक्षिप्त नहीं होंगी।

(ज) आकाश
विज्ञापन
पट्टिका

ज- **आकाश विज्ञापन पट्टिका** : आकाश विज्ञापन पट्टिकाओं के मामले में ऐसी आकाश विज्ञापन पट्टिका की ऊँचाई 30 मीटर से अधिक नहीं होगी। न्यूनतम ऊँचाई ऐसी होनी चाहिए कि उससे वाहन या पैदल संबंधी आवागमन में अवरोध या बाधा उत्पन्न न हो।

(झ) अस्थायी
विज्ञापन
पट्टिका

झ **अस्थायी विज्ञापन पट्टिकाएँ** : सचल सर्कस विज्ञापन पट्टिकाएं मेला विज्ञापन पट्टिकाएँ एवं सार्वजनिक समारोहों के दौरान सजावट।

झ-1 **प्रकार** : झ-2 के अनुसार यथा परिनिर्मित अस्थायी विज्ञापन पट्टिकाओं से भिन्न निम्नलिखित विज्ञापन पट्टिकाओं में से कोई विज्ञापन पट्टिका परिनिर्मित नहीं की जायेगी:-

- (क) कोई ऐसी विज्ञापन पट्टिका जो बरामदा के स्तम्भों पर या उनके बीच पेंट की या लगायी गयी हो।
- (ख) कोई ऐसी विज्ञापन पट्टिका जो किसी बरामदा या बालकनी की किसी पट्टी बेयरर, बीम या आलम्ब के ऊपर या नीचे प्रक्षिप्त हो।
- (ग) कोई विज्ञापन पट्टिका जो प्रदीप्त या प्रकाशमान हो और जो किसी बरामदा या बालकनी के किसी ढाल या गोल किनारे के पट्टी, बेयरर, बीम या आलम्ब पर लगायी गयी हो।
- (घ) किसी सड़क के आर-पार परिनिर्मित कोई पताका विज्ञापन पट्टिका।
- (ङ) विज्ञापन पट्टिका को एक दिशा से दूसरी दिशा में लटकने से रोकने के लिए कोई ऐसी विज्ञापन पट्टिका जो सुरक्षित रूप से न लगी हो।
- (च) कपड़े पेपर मैच या समान या सदृश सामग्री से निर्मित कोई विज्ञापन पट्टिका किन्तु उनके अन्तर्गत होर्डिंग या घरों के अनुज्ञप्ति प्राप्त पेपर विज्ञापन पट्टिकाएं नहीं हैं।
- (छ) अनन्य रूप से आवासीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग किये गये या प्रयोग किये जाने के लिए सम्भावित किसी भूखण्ड पर कोई विज्ञापन पट्टिकाएं जो किसी ब्रास प्लेट या बोर्ड से भिन्न हो और आकार में अधिमानतः 600 मिलीमीटर गुणे 450 मिलीमीटर से अधिक न हो व किसी आवास की दीवार या प्रवेश द्वार या दरवाजे या गेट पर लगी हो और प्लैट के किसी ब्लाक के मामले में प्रवेश हाल के दीवार या किसी प्लैट के किसी प्रवेश द्वार पर लगी हो, और
- (ज) पेड़ों, चट्टानों या पहाड़ियों या तत्समान प्राकृतिक स्थलों पर कोई विज्ञापन पट्टिका।

झ-2 अस्थायी विज्ञापन पट्टिकाओं की आवश्यकता :

- (एक) सार्वजनिक समारोहों के दौरान सभी अस्थायी विज्ञापन, सचल सर्कस और मेला चिन्ह और पट्टिकाएं सजावट संरचना अभियन्ता/ सक्षम अधिकारी के अनुमोदन के उपरान्त नगर आयुक्त की स्वीकृति के अनुसार होंगे और इस प्रकार परिनिर्मित होंगे कि उससे किसी रास्ते में अवरोध न पहुँचे और आग के जोखिम को कम करने में बाधा न पहुँचे।
- (दो) ऐसी किसी विज्ञापन पट्टिका पर अंकित विज्ञापन केवल कारोबार, उद्योग या किसी ऐसे अन्य व्यवसाय से संबंधित होगा जो उस परिसर में या उसके भीतर किया जा रहा हो जिस पर विज्ञापन पट्टिका परिनिर्मित या लगायी गयी हो। अस्थायी विज्ञापन पट्टिका को जैसे ही वह फट जाय या क्षतिग्रस्त हो जाय यथाशीघ्र और किसी भी दशा में, परिनिर्माण के पश्चात् जब तक विस्तारित न किया जाय, तत्काल हटा दिया जायेगा।

- (तीन) नगर आयुक्त किसी अस्थायी विज्ञापन पट्टिका या सजावट को तत्काल हटाने के आदेश यदि उसकी राय में सार्वजनिक सुविधा व सुरक्षा के हित में आवश्यक हो, देने के लिए सक्षम होगा।
- (चार) **पोल विज्ञापन पट्टिका/झण्डी या कपड़े की विज्ञापन पट्टिकाएं** : पोल विज्ञापन पट्टिकाएं पूर्णतया अज्वलनशील पदार्थ से निर्मित होंगी और यथास्थिति, भूमि या छत की आवश्यकताओं के अनुरूप होंगी। ऐसी विज्ञापन पट्टिकाएं स्ट्रीट लाइन के बाहर तक बढ़ाई जा सकती हैं, यदि वे प्रक्षेपण विज्ञापन पट्टिकाओं के उपबन्धों के अनुकूल हों। किसी भवन से संलग्न या उससे लटकने वाली अस्थायी विज्ञापन पट्टिकाएं और झण्डियां जो कपड़े या ज्वलनशील पदार्थ से निर्मित हों, सुदृढ़ रूप से बनी होंगी और अपने अवलंब से सुरक्षित रूप से लगी होंगी। जैसे ही वे फट जाये या क्षतिग्रस्त हो जायें, उन्हें यथाशीघ्र और परिनिर्माण के अधिकतम तत्काल हटा लिया जायेगा सिवाय उस दशा के जब वे किसी सायबाल या शामियाना से लटकाये जाने के लिए अस्थायी विज्ञापन पट्टिकाओं को, 10 दिन की अवधि तक लटकाये जाने के लिए अनुमति प्राप्त हों।
- (पाँच) **अधिकतम आकार** : अस्थाई विज्ञापन पट्टिकाएं क्षेत्रफल में 10 वर्ग मीटर से अधिक नहीं होंगी।
- (सात) **प्रक्षेपण** : कपड़े की अस्थाई विज्ञापन पट्टिकाएं और तत्समान ज्वलनशील निर्माण किसी मार्ग या सार्वजनिक स्थान के ऊपर या उसके अन्दर 300 मिलीमीटर से अधिक नहीं बढ़ेंगी सिवाय उस दशा के जब ऐसी चिन्ह पट्टिकाएँ बिना फ्रेम के निर्मित होने पर किसी सायबान या शामियाना के सामने अवलम्ब के रूप में लगाई जा सकती हैं या उसकी निचली पट्टी से लटकाई जा सकती है किन्तु वे फुटपाथ के 2.5 मीटर से अधिक निकट तक नहीं बढ़ी होनी चाहिए।
- (आठ) **विशेष अनुमति** : भवन से लटकती हुई या पोल पर लटकती हुई सभी ऐसी अस्थाई झण्डियाँ जो मार्ग या सार्वजनिक स्थलों के आर-पार बढ़ जाये, नगर आयुक्त के अनुमोदन के अधीन होंगी।
- (नौ) नगर निगम द्वारा स्थापित किये गये बिल फलक को अस्थाई इशतहारों, विज्ञापन पट्टिकाओं, प्रतीकों, मनोरंजन आदि के लिए प्रयोग में लाया जायेगा जिससे कि नगर की दीवारें विरूपित न हों।

16—सभी विज्ञापन-पट्टों/पट्टिकाओं के लिए सामान्य अपेक्षाएँ—(1) भार: विज्ञापन पट्टिकाएँ इस प्रकार निर्मित होंगी कि वे भाग-6 संरचनात्मक अभिकल्प खण्ड-1, राष्ट्रीय भवन संहिता 2005 के भार बल और प्रभाव में दिये गये आँधी डेड से सिस्मिक और अन्य लोड को सुरक्षित रूप से सहन कर सके।

(2) प्रदीप्ति : कोई भी विज्ञापन पट्टिका जो विद्युत साधनों और विद्युत युक्तियों या वायरिंग से भिन्न हो, राष्ट्रीय भवन संहिता 2005 के भाग-8 भवन सेवाएं खण्ड-2 विद्युत और सम्बद्ध संस्थापन की अपेक्षाओं के अनुसार संस्थापित या प्रकाशित नहीं की जायेगी। किसी भी दशा में कोई खुली चिंगारी या दीप्ति प्रदर्शन के उद्देश्यों के लिए तब तक नहीं इस्तेमाल की जायेगी, जब तक वह नगर आयुक्त द्वारा विशेष रूप से अनुमोदित न हो।

(3) विज्ञापन पट्टिकाओं की डिजाइन और स्थान :

(क) किसी भी विज्ञापन पट्टिका से पदयात्रियों के आवागमन, अग्नि से बचाव, निकास, या अग्नि शमन प्रायोजनों के साधन के रूप में प्रयुक्त दरवाजे या खिड़की या द्वार में रूकावट नहीं आयेगी।

(ख) किसी भी पट्टिका से प्रकाश व संवातन के द्वार में किसी प्रकार या ढंग से रूकावट नहीं होगी।

(ग) यदि संभव हो, विज्ञापन पट्टिकाओं को एक साथ सम्मिलित रूप में एकल की जानी चाहिए। भू-दृश्य में अव्यवस्थित विज्ञापन पट्टिका से बचना चाहिए।

(घ) अनावश्यक खंभों को कम करने और विज्ञापन पट्टिकाओं को प्रकाशित करने को सुगम बनाने के लिए पट्टिकाएँ लाइटिंग फिक्स्चर से युक्त होनी चाहिए।

(ङ) सूचना विज्ञापन पट्टिकाएँ स्वाभाविक सभा स्थलों पर लगाई जानी चाहिए और उन्हें दर्शनीय फर्नीचर के अभिकल्प में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

(च) दृष्टिहीनों और आंशिक रूप से दृष्टिहीनों के लिए पठनीय बनाने के लिए विज्ञापन पट्टिका के किनारे ब्रेल पट्टियाँ लगाई जानी चाहिए या उभरे हुए अक्षरों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

(छ) कोई भी विज्ञापन पट्टिका किसी भी वृक्ष या झाड़ी में नहीं लगायी जायेगी।

(4) दहनशील पदार्थों का प्रयोग :

(एक) सजावटी विशिष्टता : ढलाई, ढक्कन लगाने, ब्लाक्स, अक्षरों व जाली के लिए जहाँ अनुमति हो और पूर्णतः सजावटी विशिष्टता वाले विज्ञापन पट्टिकाओं के लिए प्रयोग किये जा सकने वाले लकड़ी के सदृश दहनशील विशेषता वाले लकड़ी या प्लास्टिक या अन्य पदार्थ।

(दो) विज्ञापन पट्टिका का फलक : विज्ञापन पट्टिका का अग्रभाग अनुमोदित दहनशील पदार्थ से बना होना चाहिए, परन्तु प्रत्येक अग्रभाग का क्षेत्रफल 10 वर्गमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए और विद्युत लाइटिंग की वायरिंग धातु की नाली में बन्द होनी चाहिए और फलक से 5 सेन्टीमीटर से अन्यून के निकास के साथ संस्थापित होनी चाहिए।

(5) विज्ञापन पट्टिकाओं को हटाये जाने से नुकसान या विरूपण : जब भी कोई विज्ञापन पट्टिका हटाई जाये चाहे यह कार्य नगर आयुक्त की नोटिस या उसके आदेश के कारण हो या अन्यथा हो, ऐसे भवन या स्थल जिस पर या जिससे ऐसी विज्ञापन पट्टिका, प्रदर्शित की गयी थी, में किसी नुकसान या विरूपण की क्षतिपूर्ति विज्ञापनकर्ता से की जायेगी। यदि विज्ञापन पट्टिका के हटाये जाने के दौरान सड़क की सतह/फुटपाथ/यातायात सिग्नल या किसी अन्य सार्वजनिक उपयोगिता सेवा को क्षति पहुँचाती है तो विज्ञापनकर्ता से वसूल की गयी धनराशि को निगम द्वारा सम्बन्धित विभाग को अन्तरित कर देना चाहिए अथवा तत्काल मरम्मत करा देना चाहिए।

(6) **अनुज्ञा-पत्र के ब्योरे का प्रदर्शन** : अनुज्ञा-पत्र का ब्योरा और अनुज्ञा की समाप्ति का दिनांक प्रत्येक विज्ञापन पट्टिका पर इस प्रकार लगाया जायेगा कि इसे नग्न नेत्रों से देखा व पढ़ा जा सके। इसको प्रदर्शित किये जाने का प्रारूप वही होगा जो समय-समय पर नगर आयुक्त द्वारा निर्धारित किया जाये।

(7) सभी विज्ञापनकर्ताओं को विज्ञापन ढाचा का तृतीय पक्ष (थर्ड पार्टी) बीमा कराना अनिवार्य होगा।

17—दुकानों पर विज्ञापन—किसी दुकान पर कोई भी विज्ञापन नगर आयुक्त की पूर्व अनुमति के बगैर और अनुज्ञा शुल्क के पूर्व भुगतान के बिना दफती लटकाकर, स्टीकर चस्पा करके, पेंटिंग, लेखन द्वारा या किसी अन्य विधि से संप्रदर्शन द्वारा प्रदर्शित नहीं किया जायेगा।

स्पष्टीकरण :

(एक) यदि सामग्री बेचे जाने वाली दुकान का नाम फलक लटकाकर, पेन्टिंग द्वारा या किसी भी अन्य विधि से संप्रदर्शित या प्रदर्शित किया जाय तो प्रत्येक दुकान के लिए केवल एक ऐसे विज्ञापन पट्ट को विज्ञापन नहीं माना जायेगा और वह इस उपविधि के अधीन विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क देय नहीं होगा।

(दो) परन्तु यदि कोई विज्ञापन लटकाकर, चिपकाकर अथवा किसी अन्य रीति से इस प्रकार संप्रदर्शित किया जाय कि उसमें विक्रय की जाने वाली वस्तुओं का उल्लेख हो और गुण व चित्र आदि का विवरण हो तथा वह सामान्य जनता का ध्यान विज्ञापन के रूप में स्वतंत्र रूप से आकर्षित कर रहा हो तो वह इस उपविधि के अधीन विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क देय होगा।

18—मार्गाधिकार (राष्ट्रीय राजमार्ग/राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को छोड़कर के भीतर अनुज्ञा प्राप्त विज्ञापन—सम्बन्धित मार्ग की क्षमता, क्षेत्र के सम्पूर्ण सौंदर्यबोध और सार्वजनिक सुरक्षा पर निर्भर करते हुये निम्नलिखित विज्ञापनों को मार्गाधिकार के भीतर राष्ट्रीय राजमार्ग/राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को छोड़कर, अनुज्ञा प्रदान की जायेगी—

(1) मार्ग प्रकाश के खम्भों पर विज्ञापन—

(एक)—**अभिकल्प**: विज्ञापन फलक का आकार चौड़ाई 0.79 मीटर गुणे 1.2 मीटर से अधिक नहीं रखी जायेगी और विज्ञापन के निचले तल की भूतल से ऊँचाई 2.5 मीटर से कम नहीं रखी जायेगी। किसी भी दशा में विज्ञापन फलक वाहन मार्ग में प्रक्षिप्त नहीं होगा।

(2) **बस सायबानों पर विज्ञापन: अभिकल्प**: बस सायबानों (बस शेल्टर) के विज्ञापन फलक पर क्षेत्र व मार्ग नम्बर को देखने के लिए 1.5 मीटर फलक की लम्बाई को छोड़ते हुए विज्ञापन की अनुज्ञा प्रदान की जायेगी। बस सायबान पर विज्ञापन पट्ट की लम्बाई सायबान की कुल लम्बाई से अधिक न होगी तथा अधिकतम ऊँचाई 0.90 मीटर रखी जायेगी। प्रत्येक बस सायबान निगम द्वारा उपलब्ध करायी गयी डिजाइन के अनुसार ही निर्मित कराया जायेगा तथा उस पर नगरीय परिवहन विभाग द्वारा अनुमोदित किराया सूची, सिटी बसों का रूट नंबर एवं उसके निर्धारित मार्ग का विवरण अंकित करना अनिवार्य होगा। सम्बन्धित विज्ञापनकर्ता, जिसे बस सायबान पर विज्ञापन प्रदर्शन की अनुज्ञा प्रदान की गयी हो, उसे बस सायबान का अनुरक्षण स्वयं के व्यय पर समय-समय पर कराना अनिवार्य होगा।

(3) **स्थानों की पहचान के लिए महत्वपूर्ण जंक्शनों पर विज्ञापन**: नियम-13 (2) में विहित यातायात सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर पहुँचाने को सुगम बनाने के लिए नगर आयुक्त द्वारा महत्वपूर्ण

मार्ग जंक्शनों पर 2 मीटर × 0.35 मीटर आकार की पट्टी से युक्त मानक रूप में फलक लगाये जा सकते हैं। विज्ञापनकर्ता को नगर आयुक्त के अनुमोदन के अनुसार फलक की पट्टियों पर संस्तुत रंग व आकार में नामों, दूरी व दिशा आदि पेंट करने की अनुज्ञा होगी।

(4) **यातायात रोटरी/सड़क** : नगर आयुक्त यातायात विभाग (राजपत्रित अधिकारी/यातायात प्रभारी) के परामर्श से आवंटन समिति की संस्तुति पर यातायात रोटरी/सड़क/यातायात बूथ के विकास व रख-रखाव की अनुज्ञा दे सकते हैं। यातायात रोटरी/आईलैण्ड/यातायात/ पुलिस बूथ पर उसकी कुल चौड़ाई एवं ऊँचाई से अधिक का विज्ञापन प्रदर्शित नहीं किया जायेगा तथा विज्ञापन की ऊँचाई अधिकतम 0.90 मीटर रखी जायेगी। इसके लिए विज्ञापनकर्ता को उपविधि में विहित दरों पर विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क तथा आवंटन समिति द्वारा निर्धारित न्यूनतम प्रीमियम जमा करना होगा।

(5) **मैदानों, पगडंडियों के किनारे रक्षक पट्टियाँ** : नगर आयुक्त अभिकरण को मैदान/पगडंडी के किनारे रक्षक पट्टियों की व्यवस्था करने एवं उनका रखरखाव करने के साथ-साथ अभिकरण को नगर आयुक्त द्वारा यथा अनुमोदित पट्टियों पर नाम/उत्पाद को संप्रदर्शित करने की अनुज्ञा प्रदान कर सकते हैं। अभिकरण रक्षक पट्टी के अभिकल्प के लिए नगर आयुक्त को अनुमोदन प्राप्त करने और नगर आयुक्त के संतोषप्रद रूप में समय-समय पर रक्षक पट्टी/विभाजक का रख-रखाव करने और मुख्यतः पेंट करने के लिए आबद्धकर होगा। इस पर लगने वाले विज्ञापन पट का अधिकतम आकार 0.45 मी. गुणे 0.75 मी. होगा तथा सड़क से न्यूनतम ऊँचाई 2.5 मी. होगी।

(6) **वृक्ष रक्षक (ट्री गार्ड)** : नगर आयुक्त अभिकरण को पौधों के चारों तरफ अनुमोदित अभिकल्प के वृक्ष रक्षक की व्यवस्था एवं रखरखाव करने के साथ-साथ अभिकरण को नगर आयुक्त द्वारा यथा अनुमोदित वृक्ष रक्षकों पर नाम/उत्पाद को संप्रदर्शित करने की अनुज्ञा दे सकता है परन्तु 0.90 मीटर से कम चौड़े डिवाइडरों पर ट्री-गार्ड लगाये जाने की अनुमति नहीं होगी।

(7) **पुष्प पात्र स्टैण्ड (फ्लावर पॉट स्टैण्ड)** : नगर आयुक्त किसी अभिकरण को सड़क विभाजक पर अनुमोदित अभिकल्प के पुष्प पात्र स्टैण्ड की व्यवस्था एवं रख-रखाव करने की अनुज्ञा प्रदान कर सकते हैं। दो पुष्प पात्र स्टैण्डों के मध्य कम से कम 05 मीटर की दूरी होनी चाहिए। अधिकतम 0.45 गुणे 0.75 मीटर माप के विज्ञापन पट्ट अपने दोनो ओर संप्रदर्शित किये जा सकते हैं, परन्तु सड़क सतह से ऊपर विज्ञापन पट्ट के निचले भाग का उर्ध्व निकास 2.5 मीटर से कम नहीं होना चाहिए।

परन्तु यह कि विज्ञापन पट्ट की चौड़ाई दोनो ओर के विभाजकों की चौड़ाई से 0.25 मीटर कम होगी और पुष्प पात्र को उसके संरेखण (विभाजक के दिशा के समानान्तर) में रखा जायेगा।

19—छूट—(1) इस उपविधि की कोई बात निम्नलिखित विज्ञापनों एवं विज्ञापन पट्टों पर लागू नहीं होगी—

(एक) यदि किसी कार्यालय, दुकान या अधिष्ठान का केवल नाम किसी ऐसे विज्ञापन पट्ट पर प्रदर्शित किया जाता है जो ऐसे कार्यालय, दुकान या अधिष्ठान पर परिनिर्मित या संस्थापित किया गया हो।

(दो) यदि किसी आवासीय भवन के स्वामी का केवल नाम व पता ऐसे भवन से लगे किसी विज्ञापन पट्ट पर प्रदर्शित किया जाये।

(तीन) किसी सरकारी या अर्द्धसरकारी कार्यालय का नाम व पता ऐसे परिसरों के भीतर रखे किसी विज्ञापन पट्ट पर प्रदर्शित किया जायेगा।

(चार) यातायात विभाग द्वारा प्रदत्त सभी यातायात विज्ञापन पट्ट, संकेतक, यातायात चेतावनी और संदेश, किसी न्यायालय के आदेश या निर्देशों के अधीन संप्रदर्शित सभी नोटिसें, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को इंगित करने वाले सभी विज्ञापन पट्ट, परन्तु उनकी माप 0.6 मीटर गुण 0.6 मीटर से अधिक न हो तथा किसी संस्था/व्यवसायिक उपक्रम का नाम अंकित न हो। यह छूट ऐसे साकेतिक पट्टों के लिये अनुमन्य नहीं होगी, जिसमें किसी संस्था का विज्ञापन हो रहा हो।

(पांच) यदि विज्ञापन पट्ट किसी भवन की खिड़की के भीतर प्रदर्शित किये जाय किन्तु उसमें भवन का प्रकाश व संवातन प्रभावित न हो एवं सार्वजनिक रूप से सड़क से दर्शित न हो।

(छः) यदि यह ऐसी भूमि या भवन, जिस पर ऐसा विज्ञापन प्रदर्शित किया जाता है, के भीतर चलाये जा रहे व्यापार या कारोबार से या ऐसी भूमि या भवन के विक्रय मनोरंजन या बैठक या अक्षरांकन या उसके भीतर किसी अन्य कार्य से या किसी ऐसी ट्रैमकार, ओमनीबस या अन्य वाहन, जिस पर ऐसा विज्ञापन प्रदर्शित किया जाता हो, के स्वामी द्वारा चलाये जा रहे व्यापार या कारोबार से संबंधित हो, परन्तु यह .90 वर्गमीटर से अधिक न हो।

(सात) इसके अतिरिक्त नियम 19 के उप नियम (2) (3) व (5) के अधीन आच्छादित विज्ञापन पट्टों के लिए किसी अनुज्ञा की आवश्यकता नहीं है। फिर भी ऐसी छूट से यह अर्थ नहीं लगाया जायेगा कि विज्ञापन पट्ट का स्वामी इस उपविधि के अनुपालन में परिनिर्माण या रखरखाव के उत्तरदायित्व से निर्मुक्त है।

(2) **दीवार विज्ञापन पट्ट** : नीचे सूचीबद्ध दीवारों के लिए किसी अनुज्ञा-पत्र की आवश्यकता नहीं होगी।

(एक) **भण्डारण विज्ञापन पट्ट** : किसी प्रदर्शन खिड़की के ऊपर किसी भण्डारण या कारबार अधिष्ठान के दरवाजे के ऊपर परिनिर्मित या अप्रकाशित विज्ञापन पट्ट जो मालिक के नाम और उसमें संचालित कारबार की प्रकृति को घोषित करते हों, विज्ञापन पट्ट 01 मीटर से ऊँचे और कारबार अधिष्ठान की चौड़ाई से अधिक नहीं होने चाहिए।

(दो) **सरकारी भवन विज्ञापन पट्ट** : किसी नगरपालिका राज्य या केन्द्रीय सरकार के भवन पर परिनिर्मित ऐसे विज्ञापन पट्ट जो अध्यासन के नाम प्रकृति या सूचना को घोषित करते हों।

(तीन) **नाम पट्ट** : किसी भवन या संरचना पर परिनिर्मित कोई ऐसा विज्ञापन पट्ट जो भवन के अध्यासी के नाम को इंगित करता हो और जो क्षेत्रफल में 0.5 वर्ग मीटर से अधिक न हो परन्तु किसी संस्था/व्यवसायिक उपक्रम का नाम अंकित न हो।

(चार) ऐसे विज्ञापन पट्ट जो किसी यात्रा मार्ग, स्टेशन या सार्वजनिक सुविधा के स्थानों की ओर इंगित करते हों परन्तु किसी संस्था/व्यवसायिक उपक्रम का नाम अंकित न हो।

(3) **अस्थाई विज्ञापन पट्ट** :

(एक) **निर्माण स्थल संकेत** : निर्माण संकेत, इंजीनियर एवं वास्तुविद के संकेत, और अन्य समान संकेत जो निर्माण अभियान के सम्बन्ध में नगर आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किये जायें।

(दो) **विशेष संप्रदर्शन संकेत** : अवकाशों, सार्वजनिक प्रदर्शन या नागरिक कल्याण की प्रोन्नति या धर्मार्थ प्रयोजन के लिए प्रयोग किये जाने वाले विशेष सजावटी संप्रदर्शन, जिस पर, कोई वाणिज्यिक विज्ञापन

न हो, परन्तु यह कि नगर आयुक्त किसी परिणामिक नुकसान के लिये उत्तरदायी नहीं है। (नियम-15 झ(2) 'अस्थाई विज्ञापन पट्ट के लिए आवश्यकता' देखिए)

20-विशेष विज्ञापन-(1) यदि नियम-27 एवं अनुसूची-1 (जिसके अन्तर्गत प्रतिषिद्ध क्षेत्र भी हैं) द्वारा कोई विशेष या सार्वजनिक हित का विज्ञापन आच्छादित नहीं है तो नगर आयुक्त उसे ऐसे अनुबन्ध एवं शर्तों पर और इस उपविधि द्वारा निर्धारित अनुज्ञा शुल्क के दो गुना, अनुज्ञा शुल्क के भुगतान पर परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चस्पा करने, लिखने, रेखांकन करने या लटकाने की अनुज्ञा प्रदान कर सकते हैं।

(2) प्रत्येक ऐसे अनुज्ञा-अनुज्ञा के दिनांक से एक माह तक के लिए विधिमान्य होगी। ऊपर उल्लिखित अवधि की समाप्ति पर अनुज्ञा को अग्रेतर एक माह के लिए बढ़ाया जा सकता है। यदि अनुज्ञा की आवश्यकता किसी अग्रतर अवधि के लिए हो तो नगर आयुक्त के समक्ष स्वीकृति का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

21-विशेष नियंत्रण क्षेत्र-(1) जब कभी नगर आयुक्त की राय में इस उपविधि में निबन्धनों के अनुसार अन्यथा अनुमति विज्ञापन युक्ति से निगम के अधिकार क्षेत्र के भीतर किसी विशिष्ट क्षेत्र को क्षति पहुँचने या उसके विरूपित होने की सम्भावना हो, तो वह ऐसे क्षेत्र को विशेष नियन्त्रण क्षेत्र घोषित कर सकता है। सार्वजनिक उपयोग के पार्को और भूमि को भी विशेष नियन्त्रण क्षेत्र के रूप में सम्मिलित किया जा सकता है।

(2) उपनियम (1) के उपबन्धों के अधधीन रहते हुए, ऐसे क्षेत्र के भीतर किसी विज्ञापन का परिनिर्माण और प्रदर्शन निषिद्ध किया जायेगा या किसी प्रकार से जैसा कि नगर आयुक्त द्वारा आवश्यक समझा जाय सीमित किया जायेगा। नगर आयुक्त निगम की अधिकारिता वाले क्षेत्र में व्यापक प्रसार वाले किसी एक या अधिक समाचार-पत्रों में, ऐसे क्षेत्र की घोषणा करने के सम्बन्ध में अपने आशय को प्रकाशित करेगा। ऐसे क्षेत्र के भीतर सम्पत्ति का कोई स्वामी, जो ऐसी घोषणा से व्यथित अनुभव करे, ऐसे क्षेत्र की घोषणा के विरुद्ध ऐसे प्रकाशन से एक माह के भीतर नगर आयुक्त को अपील कर सकता है, जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

(3) किसी बरामदा/दुकान विज्ञापन की शब्दावली, विशेष नियंत्रण के किसी क्षेत्र में नगर आयुक्त द्वारा अनुमत हो, स्वामी या फर्म के नाम, जो उस परिसर के अध्यासी हो, तक सीमित होगी। भवन या संस्था का नाम, चलाये जा रहे साधारण व्यवसाय या व्यापार का नाम यथा "ज्वैल्स" "कैफे" "डांसिंग" या भवन के प्रवेश की स्थिति के सम्बन्ध में सूचना हो सकती है या सिनेमा या नाटक कार्यक्रम के सम्बन्ध में या इसी प्रकार की कोई सूचना हो सकती है। किसी भी बरामदे के विज्ञापन में विशेष नियन्त्रण के किसी क्षेत्र में व्यापार की किसी विशिष्ट वस्तु का विज्ञापन नहीं होगा और न ही मूल्य या मूल्य में कमी से सम्बन्धित ऐसा कोई विज्ञापन होगा।

(4) विशेष नियंत्रण के क्षेत्र से तीस मीटर दूरी के भीतर उप नियम (3) के अधीन दी गयी अनुज्ञा के सिवाय समान्यतः कोई अन्य विज्ञापन पट्ट नहीं प्रदर्शित होगा।

22-आवश्यकता पड़ने पर उपविधि में संशोधन-उपविधि में अन्य बातों के प्रतिकूल न होते हुए यदि भविष्य में विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क की दरों में संशोधन की आवश्यकता प्रतीत होती है तो नगर निगम की स्वीकृति के उपरान्त नगर आयुक्त उक्त में संशोधन करने के लिए अधिकृत होंगे।

23-झण्डियों पर रोक-(1) कोई भी व्यक्ति नगर आयुक्त से पूर्व में प्राप्त लिखित अनुज्ञा के बिना किसी झण्डी का प्रदर्शन, सम्प्रदर्शन या लटकाने की क्रिया नहीं करेगा।

(2) कोई भी अनुज्ञा निगम या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार द्वारा निषिद्ध क्षेत्र के रूप में निर्धारित क्षेत्र में इस उपविधि के अधीन प्रदान नहीं की जायेगी।

(3) इस उपविधि का उल्लंघन कोई भी व्यक्ति ऐसी शास्ति का दायी होगा, जो नगर आयुक्त द्वारा अधिरोपित की जाय और वह प्रति झण्डी दो सौ रुपये से कम नहीं होगी।

(4) नगर आयुक्त इस नियम में निर्दिष्ट झण्डी को हटा सकता है और उसे समपह या विनष्ट कर सकता है।

24—अनुरक्षण और निरीक्षण—(1) अनुरक्षण : सभी विज्ञापन जिनके लिए अनुज्ञा अपेक्षित है, उन्हें अवलम्बों, बंधनी, रस्सा और स्थिरक के साथ भली प्रकार मरम्मत किये जायेंगे जो कि ढांचागत और कलात्मक दोनों ही दृष्टिकोण से होगी और जब चमकीले या अनुमोदित अज्वलनशील सामग्री से निर्मित नहीं होंगे तो उन पर मोर्चा लगाने से रोकने के लिए रंग-रोगन समय-समय पर किया जायेगा।

(2) **सुव्यवस्था :** प्रत्येक विज्ञापन के स्वामी का यह कर्तव्य और उत्तरदायित्व होगा कि वह विज्ञापन हेतु छेके गये परिसर में सफाई, स्वच्छता, आवश्यक मरम्मत और स्वास्थ्य सम्बन्धी परिस्थितियों का ध्यान रखे।

(3) **निरीक्षण :** प्रत्येक विज्ञापन, जिसके लिए परमिट जारी किया गया हो और प्रत्येक विद्यमान विज्ञापन जिसके लिए कोई परमिट अपेक्षित हो, का निरीक्षण प्रभारी अधिकारी (विज्ञापन)/नगर आयुक्त द्वारा नामित अधिकारी कभी भी कर सकता है।

25—प्रवेश और निरीक्षण की शक्ति—नगर आयुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई निगम अधिकारी या सेवक कोई निरीक्षण, खोज, पर्यवेक्षण, माप या जाँच करने के प्रयोजन के लिए या ऐसा कार्य निष्पादित करने के लिए जो इस उपविधि द्वारा तदधीन प्राधिकृत हो या जो किसी प्रयोजन के लिए आवश्यक हो या इस उपविधि के किसी उपबंध के अनुसरण में सहायकों या श्रमिकों के साथ या उनके बिना किसी परिसर में या उस पर प्रवेश कर सकता है, परन्तु—

(एक) सूर्योदय और सूर्यास्त के मध्य के सिवाय, अन्य किसी समय, अध्यासी को नोटिस दिये बिना अथवा भूमि या भवन के स्वामी/अध्यासी के न होने पर भूमि/भवन में प्रवेश नहीं किया जायेगा।

(दो) प्रत्येक स्थिति में ऐसी भूमि या भवन से महिला, यदि कोई हो तो, हट सकने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जायेगा।

(3) जहाँ तक ऐसे प्रयोजन की आवश्यकताओं के अनुरूप हो जिसके लिए प्रवेश किया गया है। प्रविष्ट की गयी भूमि या भवन के अध्यासियों के सामाजिक और धार्मिक उपयोगिताओं की ओर सम्यक् ध्यान दिया जायेगा।

26—भुगतान की रीति—(1) सफल बोलीदाता द्वारा प्रस्तावित कुल धनराशि एकल किस्त में अथवा दो किस्तों में संदेय होगा। बिना देय धनराशि जमा किये एवं बिना अनुज्ञा प्राप्त किये कोई विज्ञापन पट्ट या विज्ञापन परिनिर्मित/संप्रदर्शित नहीं किया जायेगा। उक्त धनराशि का भुगतान दो किस्तों में करना होगा यथा—प्रथम किस्त वित्तीय वर्ष प्रारम्भ होने अथवा स्वीकृति के समय जो पूर्व हो, तथा दूसरी किस्त 30 सितम्बर के पूर्व देय होगी।

(2) यदि कोई विज्ञापनपट्ट छः माह से कम अवधि हेतु प्रदर्शित किया जाता है तो अनुज्ञा शुल्क अनुसूची-1 में अंकित दरों की 50 प्रतिशत धनराशि के बराबर देय होगा।

(3) किसी विशेष प्रयोजन हेतु यदि किसी विज्ञापन हेतु विज्ञापनपट को तीन माह अथवा उससे कम अवधि हेतु प्रदर्शित करता है तो अनुज्ञा शुल्क की दरें अनुसूची-1 में अंकित दरों पर मासिक आधार पर एक किस्त में देय होंगी।

27—क्षेत्रों का वर्गीकरण—विज्ञापनों पर अनुज्ञा शुल्क के प्रयोजनार्थ प्रतिषिद्ध क्षेत्र व अन्य क्षेत्रों के वर्गीकरण का विनिश्चय नगर आयुक्त द्वारा निम्नलिखित वर्गों में किया जायेगा, जिसका पुर्न निर्धारण अधिकार नगर आयुक्त में निहित होगा।

(एक) निषिद्ध श्रेणी क्षेत्र

(दो) प्रवर श्रेणी क्षेत्र

(तीन) 'अ' श्रेणी क्षेत्र

(चार) 'ब' श्रेणी क्षेत्र

(पाँच) 'स' श्रेणी क्षेत्र

(एक) (क) निजी भूमि भवन एवं सार्वजनिक स्थल विज्ञापन के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के विज्ञापन प्रचार हेतु निषिद्ध क्षेत्र :

- न्यायालय परिसर, सरकारी भवन, समस्त पुल, समस्त धार्मिक स्थल, समस्त ऐतिहासिक भवन एवं समिति द्वारा निर्धारित निषिद्ध नगर आयुक्त वी0वी0आई0पी0 मूवमेंट, यातायात एवं सुरक्षा की दृष्टि से तथा भविष्य में मेट्रो रेल हेतु निर्धारित रूट पर पिलर के निर्माण को दृष्टिगत रखते हुए किसी भी क्षेत्र को प्रचार हेतु प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किये जाने के लिये अधिकृत होंगे।

(दो) प्रवर श्रेणी क्षेत्र :

- मरे कम्पनी पुल से मेघदूत तिराहा मुख्य मार्ग एवं उसके आन्तरिक मार्ग, आदर्श व्यायामशाला से कचहरी चौराहा, एस0पी0 ऑफिस , एम0जी0कालेज सिविल लाइन्स होते हुये लाल इमली तक। लाल इमली से मर्चेण्ट चैम्बर तक। आर्यनगर, तिलकनगर, स्वरुपनगर। अशोक नगर, 80 फिट रोड, पी0 रोड, लेनिन पार्क, जवाहर नगर, रामबाग, हर्शनगर चौराहा, नेहरु नगर आचार्य नगर, रामकृष्ण नगर।
- मेघदूत तिराहा से बड़ा चौराहा, बड़ा चौराहा से परेड होते हुये लाल इमली चौराहा से चुन्नीगंज चौराहा से बकरमण्डी से बेनाझाबर तिराहा से मोतीझील शिवाजी द्वार, मेडिकल चौराहा से रावतपुर स्टेशन तक, रावतपुर स्टेशन तिराहा से कम्पनी बाग चौराहा तक एवं कम्पनी बाग चौराहा से रानीघाट चौराहा से रेव श्री चौराहा से टैफको चौराहा से मर्चेण्ट चैम्बर तिराहा से ग्रीन पार्क चौराहा से डी0ए0वी0 कॉलेज तिराहा से गोरा कब्रिस्तान से सरसैय्या घाट चौराहा से महफिल रेस्टोरेन्ट होते हुये मेघदूत तिराहा मुख्य मार्ग एवं उसके आन्तरिक मार्ग।
- रावतपुर रेलवे स्टेशन से कल्याणपुर होते हुये आई0आई0टी0 तक।
- नरेन्द्र मोहन उपरिगामी सेतु से मरियमपुर हास्पीटल चौराहा होते हुये विजय नगर चौराहा तक। नरेन्द्र मोहन उपरिगामी सेतु से देवकी चौराहा होते हुये छपेड़ा पुलिया तक।

- गोल चौराहा नरेन्द्र मोहन उपरिगामी सेतु से कोकाकोला चौराहा से गुमटी नं0-5 से जरीब चौकी चौराहा से अफीम कोठी चौराहा से झकरकटी बस स्टेशन से टाटमिल चौराहा (चारों ओर 100 मी0 परिधि के अन्दर) से पी0ए0सी0 मोड़ होते हुए रामादेवी चौराहा तक तथा रामादेवी चौराहा से जाजमऊ मुख्य मार्ग (पुरानी चुंगी तक)।
- मरियमपुर हास्पिटल चौराहा से कबाड़ी मार्केट चौराहा से फजलगंज चौराहा होते हुए बैंक आफ बड़ौदा चौराहा से गोविन्दपुरी पुल से चावला मार्केट से नन्दलाल चौराहा से दीप टाकीज से बर्रा बाईपास तक।
- गोविन्द नगर सम्पूर्ण क्षेत्र।
- रेव मोती से देवकी चौराहा होते हुये डबल पुलिया तक।
- गुमटी नं0-9 से नमक फैक्ट्री चौराहे तक।
- विजय नगर से डबल पुलिया शनैश्वर मन्दिर चौराहा होते हुये प्रेसीडेन्ट होटल आवास विकास कल्याणपुर तक।
- कल्याणपुर क्रॉसिंग से अरमापुर नहर तक।
- विजय नगर चौराहा से दादानगर चौराहा होते हुये सी0टी0आई0 चौराहा से शास्त्री चौक तक।
- एम0आई0जी0 तिराहा से पनकी बी ब्लॉक क्रॉसिंग सब्जी मण्डी तक।

(तीन) 'अ' श्रेणी क्षेत्र :

- एक्सप्रेस वे से घण्टाघर चौराहा से टाटमिल चौराहा (चारों ओर 100 मी0 परिधि छोड़कर) बॉकरगंज चौराहा से किदवई नगर चौराहा होते हुए यशोदा नगर बाईपास तक।
- मन्जुश्री सिनेमा हॉल घण्टाघर से चाचा नेहरु अस्पताल होते हुये डिप्टी पड़ाव चौराहा से सीसामऊ थाना तक।
- अशोक नगर, 80 फिट रोड, लेनिन पार्क, जवाहर नगर, रामबाग, हर्शनगर चौराहा, नेहरु नगर, आचार्य नगर, रामकृष्ण नगर।
- अफीम कोठी चौराहा से बारादेवी चौराहा होते हुये गौशाला चौराहा से नौबस्ता चौराहा तक, नौबस्ता चौराहा से दासू कुआँ से आवास विकास हंसपुरम् कालोनी से गल्लामण्डी से कानपुर नगर सीमा तक।
- रामादेवी से रुमा तक कानपुर नगर निगम सीमा मुख्य मार्ग एवं उसके आन्तरिक मार्ग।
- रामादेवी से यशोदानगर बाईपास मुख्य मार्ग एवं उसके आन्तरिक मार्ग।
- श्यामनगर, देहली सुजानपुर, करही, नौबस्ता, जरौली, लालबंगला, तिवारीपुर, जाजमऊ, गाँधी ग्राम, कृष्णानगर, किदवई नगर सम्पूर्ण क्षेत्र।
- जाजमऊ नई चुंगी चौराहे से पुरानी चुंगी तक (वी0आई0पी0 रोड)
- किदवई नगर चौराहा से साइट नं0-1 चौराहा से बारादेवी चौराहा तक एवं गोबिन्द नगर जाने वाले मार्ग पर।

- बाबा कुटी साउथ एक्स मॉल से साइट नं0-1 चौराहा तक । ,
- किदवई नगर एच ब्लॉक तिराहा से संजय वन होते हुए सोटे वाले हनुमान मन्दिर से गौशाला चौराहे से थाना किदवई नगर से दीप टाकीज तिराहा तक ।,
- हर्ष नगर पेट्रोल पम्प से कोकाकोला चौराहे तक ।
- गुमटी नं0-5 रेलवे क्रासिंग से सन्त नगर चौराहा होते हुये कालपी रोड तक ।
- जरीब चौकी रेलवे क्रासिंग से फजलगंज चौराहा से विजय नगर चौराहा से अर्मापुर इस्टेट से नहरिया होते हुए भाटिया तिराहे से भौंती बाई पास तक ।
- भाटिया तिराहे से पनकी हनुमान मन्दिर चौराहा तक ।
- दादानगर व पनकी इण्डस्ट्रियल एरिया सम्पूर्ण क्षेत्र ।
- जूही परमपुरवा सम्पूर्ण क्षेत्र ।
- सचान गेस्ट हाउस चौराहा से शास्त्री चौक चौराहा से रतनलाल नगर होते हुए दबौली, गुजैनी, बाईपास तक के समस्त क्षेत्र ।
- गुरुदेव से चिड़िया घर होते हुये बैराज तक ।
- कल्यानपुर इन्द्रानगर मोड़ से सी0एन0जी0 पेट्रोल पम्प होते हुये चिड़ियाघर रोड तक ।
- मनोरमा गेस्ट हाउस (विकास नगर) से रामा मेडिकल कालेज तक ।
- नीरक्षीर चौराहे से तुलसी नगर तक तथा काकादेव के आन्तरिक मार्ग सम्पूर्ण क्षेत्र ।
- मसवानपुर चौराहे से पनकी कल्यानपुर रोड तक ।
- मरियमपुर हास्पिटल चौराहे से कोकाकोला चौराहे तक ।

(चार) 'ब' श्रेणी क्षेत्र :

- अहिरवाँ, सनिगवाँ, कोयलानगर, पोखरपुर, हंसपुरम् वॉटर पार्क के आस-पास ।
- नया शिवली रोड, बारा सिरोही नहर तक ।
- अवधपुरी मोड़ से सेल टैक्स रोड तक ।
- कम्पनीबाग चौराहे से रामचन्द्र चौराहे से बैराज तक ।
- कम्पनीबाग चौराहे से डाकघर चौराहा एल0आई0सी0 चौराहा होते हुये वी0एस0एस0डी0 कालेज होते हुये बैराज रोड तक ।
- चिड़ियाघर चौराहे से एच0बी0टी0यू0 गेट तक ।

- बिठूर मोड़ से डी0पी0एस0 स्कूल तक।
- बम्बा रोड कल्यानपुर।
- गीतानगर क्रॉसिंग से हरी गर्ल्स हॉस्टल तक।
- दलहन क्रॉसिंग से मसवानपुर चौराहे तक।
- बगिया क्रॉसिंग से केस्को चौराहे तक।
- एलिम्को से नानकारी तक।
- ननकारी जाने वाले जी0टी0रोड क्रॉसिंग से चन्देल गेट व प्रधान गेट तक।
- चिड़ियाघर चौराहे से मैनावती रोड पर जैन इन्टरनेशनल स्कूल तक।
- शास्त्रीनगर सेंट्रल पार्क के आस-पास का परिक्षेत्र।
- मसवानपुर चौराहे से मसवानपुर होते हुये सराय चौराहा तक।
- आवास विकास यूको पार्क के आस-पास का परिक्षेत्र।
- गोवा गार्डन क्रॉसिंग से माधवपुरम् होते हुये आई0आई0टी0 दक्षिणी गेट तक।
- बुद्धा पार्क (इन्द्रानगर) के आस-पास का परिक्षेत्र।

(पांच) 'स' श्रेणी क्षेत्र : उपरोक्त श्रेणी के अन्तर्गत उल्लिखित मार्गों के अतिरिक्त (प्रतिबन्धित क्षेत्रों को छोड़कर)।

28—हटाये जाने की लागत—नियम 13 के उप नियम (1) में निर्दिष्ट किसी विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट को हटाने या साफ किये जाने की लागत निम्नवत् होगी—

(क) 6.1 × 3.05 मीटर या उससे कम के विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट	रु0 10,000.00 प्रति
(ख) ऊपर खण्ड (क) में निर्दिष्ट विज्ञापनों या विज्ञापन पट्टों से भिन्न किसी विज्ञापन एवं विज्ञापन पट्ट	रु0 15,000.00 प्रति
(ग) किसी दीवार/किसी सतह पर वॉल पेन्टिंग विज्ञापन साफ करना	रु0 5,000.00 प्रति
(घ) निजी भवन पर (छत के ऊपर) किसी विज्ञापन को	रु0 30,000.00 प्रति

29—अपराधों के लिए दण्ड और उनका प्रशमन—(1) इस उपविधि के उपबन्धों का किसी प्रकार का उल्लंघन ऐसे जुर्माने से जो रु. 10,000/—(दस हजार रुपये) तक हो सकता है और उल्लंघन करते रहने की दशा में, प्रथम उल्लंघन की दोषसिद्धि के पश्चात्, प्रत्येक ऐसे दिन के लिए, जिस दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहा हो, ऐसे जुर्माने से, जो रु0 500.00 (पाँच सौ रुपये) प्रतिदिन तक हो सकता है, दण्डनीय होगा।

(2) उप नियम (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, इस उपविधि के अधीन दण्डनीय किसी अपराध को अपराध के लिए निर्धारित धनराशि के आधे से अन्यून और तीन चौथाई से अनधिक धनराशि वसूल करने पर नगर आयुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा प्रशमित किया जा सकता है।

30—विवाद का निस्तारण—(1) पक्षकारों के मध्य (नगर निगम व विज्ञापनकर्ता) कोई भी विवाद उत्पन्न होने पर प्रकरण महापौर महोदय/महोदया द्वारा अथवा महापौर महोदय/महोदया द्वारा अधिकृत अधिकारी या अधिकारियों की समिति के समक्ष कोई भी पक्षकार विवाद प्रेषित कर सकता है। दोनों पक्षकारों को सम्यक् सुनवायी का अवसर देने के उपरान्त महोदय/महोदया अथवा अधिकृत अधिकारी या अधिकारियों की समिति विचार कर निर्णय देगी। यह निर्णय अन्तिम होगा।

(2) महापौर महोदय/महोदया, पक्षकारों की सहमति से प्रकरण पंचाट निर्णय के लिये भेज सकता है। पंचाट का निर्णय अन्तिम होगा। पंचाट की नियुक्ति महापौर महोदय/महोदया द्वारा पक्षकारों की सहमति से की जायेगी। पंचाट निर्णय को सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

31—स्क्रैप की नीलामी—नगर निगम सीमा में अवैध रूप से विज्ञापन के लिये प्रयुक्त वस्तुओं, खम्भों, गार्टर, यूनीपोल, जाल, एंगिल, ग्रिल, घेरा, ढाँचा आदि को चाहें वह नगर निगम की सार्वजनिक भूमियों, भवन, सड़क, खड़जा, डिवाइडर आदि पर हो अथवा अन्य किसी सार्वजनिक अथवा व्यक्तिगत भूमि अथवा भवन पर हो या अन्य प्रकार से हो, नगर आयुक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों के तहत जब्त कर लेगा तथा स्क्रैप व कबाड़ को अधिनियम की धारा 521 के अन्तर्गत नीलामी अथवा अन्य प्रकार से विक्रय अथवा निस्तारित कर सकता है, जैसा वह उचित समझे।

32—निषिद्ध क्षेत्र की घोषणा—निगम या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार किसी क्षेत्र या किन्हीं क्षेत्रों को विज्ञापन या विज्ञापनपटों का परिनिर्माण, प्रदर्शन, संप्रदर्शन, लगाना, चिपकाना, लेखन, आरेखण या लटकाने के लिए निषिद्ध घोषित करें।

अनुसूची-1

(नियम 8 देखें)

विज्ञापन और विज्ञापन पट पर अनुज्ञा शुल्क की दरें

1—निगम द्वारा स्वामित्वाधीन भूमि, दीवार और भवन, सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर विज्ञापन या विज्ञापन पट के निर्माण और प्रदर्शन के लिए—

- | | |
|----------------------------|--|
| (1) प्रवर श्रेणी क्षेत्र : | रु0 3,200.00 (तीन हजार दो सौ) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष |
| (2) "अ" श्रेणी क्षेत्र : | रु0 2,400.00 (दो हजार चार सौ) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष |
| (3) "ब" श्रेणी क्षेत्र : | रु0 2,000.00 (दो हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष |
| (4) "स" श्रेणी क्षेत्र : | रु0 1,600.00 (एक हजार छः सौ) प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष |

2—एक स्तम्भ (यूनीपोल) पर विज्ञापन पट—

- | | |
|----------------------------|---|
| (1) प्रवर श्रेणी क्षेत्र : | रु0 5,000.00 (पाँच हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष |
| (2) "अ" श्रेणी क्षेत्र : | रु0 4,000.00 (चार हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष |

(3) "ब" श्रेणी क्षेत्र : रु0 3,000.00 (तीन हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(4) "स" श्रेणी क्षेत्र : रु0 2,000.00 (दो हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

3—विद्युत पोल/ट्री-गॉर्ड/फ्लॉवर पॉट/जन सुविधा पर विज्ञापन पट—

(1) प्रवर श्रेणी क्षेत्र : रु0 5,000.00 (पाँच हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(2) "अ" श्रेणी क्षेत्र : रु0 4,000.00 (चार हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(3) "ब" श्रेणी क्षेत्र : रु0 3,000.00 (तीन हजार पाँच सौ) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(4) "स" श्रेणी क्षेत्र : रु0 2,000.00 (दो हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

4—बस शेल्टर/पुलिस बूथ/ट्रैफिक आईलैण्ड/कैन्ट्रीलीवर पोल (ट्रैफिक सिग्नल)/गैन्ट्री—

(1) प्रवर श्रेणी क्षेत्र : रु0 6,000.00 (छः हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(2) अ श्रेणी क्षेत्र : रु0 5,000.00 (पाँच हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(3) ब श्रेणी क्षेत्र : रु0 4,000.00 (चार हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

(4) स श्रेणी क्षेत्र : रु0 3,000.00 (तीन हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

5—(1) एल0ई0डी0 स्क्रीन के माध्यम से संचालित विज्ञापन हेतु उपरोक्त क्रम संख्या 1 से 4 तक निर्दिष्ट दरों पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त अनुज्ञा शुल्क देय होगा।

(2) ट्यूबलाइट, एल.ई.डी. लाईट, सोडियम लाईट, बल्ब व अन्य माध्यम से प्रकाशित/संचालित विज्ञापन पट हेतु उपरोक्त क्रम संख्या 1 से 4 तक निर्दिष्ट दरों पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त अनुज्ञा शुल्क देय होगा।

(3) निजी भूमि/भवनों पर प्रदर्शित विज्ञापनों हेतु उपरोक्त क्रम संख्या 1 व 2 की निर्दिष्ट दरों का 75 प्रतिशत अनुज्ञा शुल्क देय होगा।

6—(1) शक्ति चालित चार पहिया वाहन पर विज्ञापन (सड़क प्रदर्शन को छोड़कर)

(एक) हल्का वाहन : रु0 10,000.00 (दस हजार) प्रतिवर्ष प्रति वाहन

(दो) भारी वाहन : रु0 40,000.00 (चालीस हजार) प्रतिवर्ष प्रति वाहन

(2) सड़क प्रदर्शन निम्नलिखित दर पर—

(एक) तीन पहिया : रु0 300.00 (तीन सौ) प्रति दिन

(दो) चार पहिया : रु0 1,000.00 (एक हजार) प्रति दिन

(तीन) छः पहिया : रु0 1,500.00 (एक हजार पाँच सौ) प्रति दिन

7—पर्चा (हैण्ड बिल)	:	रु0 2,000.00 (दो हजार) प्रति हजार
8—गुब्बारे	:	रु0 1,000.00 (एक हजार) प्रतिदिन
9—छतरी (कैनोपी)	:	रु0 500.00 (पाँच सौ) प्रतिदिन
10—आटो रिक्शा श्री-व्हीलर	:	रु0 2,000.00 (दो हजार) प्रतिवर्ष प्रति आटो
11—बसों पर	:	रु0 5,000.00 (पाँच हजार) प्रति वर्गमीटर प्रतिवर्ष

12—रेलवे की जमीन पर लगने वाली होर्डिंग जिसका भाग सड़क के सम्मुख होने की दशा में अनुसूची-1 में अंकित अनुज्ञा शुल्क की दरों के क्रमांक-1 के अनुसार 75 प्रतिशत देय होगा।

13—उत्सव, मेला, प्रदर्शनी, सर्कस तथा इस प्रकार जनता को आकर्षित करने वाले प्रदर्शन पर न्यूनतम 3 माह का अनुज्ञा शुल्क मद संख्या-1 के अनुसार लिया जायेगा।

14—ध्वनि विस्तारक यंत्र : रु0 200.00 प्रति बाक्स/स्पीकर प्रति दिन

15—जिन मदों का उल्लेख ऊपर नहीं किया गया है उनका अनुज्ञा शुल्क क्रमांक-1 के अनुसार देय होगा।

16—निजी भूमि/भवन पर स्ट्रक्चर लगाने से पूर्व भवन की मजबूती, स्ट्रक्चरल इंजीनियर से भवन की गुणवत्ता सुदृढीकरण का प्रमाण-पत्र, भवन स्वामी का अनुबंधनामा, विकास प्राधिकरण/आवास विकास परिषद का अनापत्ति प्रमाण-पत्र सम्बन्धित को प्रस्तुत करना होगा।

17—इस अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुज्ञा शुल्क की दरें अनुवर्ती वित्तीय वर्ष जिसमें यह उपविधि प्रवृत्त हुई हो, के एक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद दस प्रतिशत तक बढ़ी हुई समझी जायेगी। तत्पश्चात् इसी प्रकार की वृद्धि प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् नगर आयुक्त के अनुमोदनोपरान्त प्रभावी होगी।

18—अनुज्ञा शुल्क अग्रिम रूप से संदेय योग्य होगा।

19—स्वीकृत विज्ञापनपट/यूनीपोल/गेन्ट्री/कैन्टीलीवर के लिए जोनवार अलग-अलग रंग निर्धारित करके नगर निगम स्तर से चिन्हांकन करना अनिवार्य होगा।

20—नगर आयुक्त को किसी भी विज्ञापनपट को भारत सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं के लिए अधिकृत करने का अधिकारी होगा और उसके लिए कोई भी क्षतिपूर्ति देय न होगी।

स्पष्टीकरण—

1—यदि कोई विज्ञापनकर्ता किसी विज्ञापन को 3 माह से अधिक अवधि के लिये प्रदर्शित करना चाहता है तो नगर आयुक्त निर्देश दे सकते हैं कि अनुज्ञा शुल्क मासिक आधार पर आंगणित होगा। सम्पूर्ण धनराशि एक बार में जमा करायी जायेगी।

2—अनुज्ञा शुल्क के सभी अवशेष उ0प्र0 नगर निगम अधिनियम, 1959 के अध्याय इक्कीस के अनुसार वसूली योग्य होंगे।

प्रपत्र सं0

मूल्य रु0 1,000.00 + (जी0 एस0 टी0)

अनुसूची-2

प्रारूप-1

पंजीकरण आवेदन-पत्र

(देखिए उप-विधि 5(1))

नगर निगम, कानपुर

निदेशक/स्वामी
नवीनतम पासपोर्ट
साइज फोटो

बाहरी विज्ञापन प्रदर्शन के लिये पंजीकरण

01-कम्पनी अधिनियम, 2013 (2013 का केन्द्रीय अधिनियम 18) या सीमिति दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 (2009 का केन्द्रीय अधिनियम 6) में रजिस्ट्रेशन ब्यौरों सहित कम्पनी/फर्म/अभिकरण/स्वामी का नाम.....

02-रजिस्टर्ड पता

03-टेलीफोन नम्बर व्यापार

फैक्स.....ई-मेल पता

04-निदेशकों/स्वामियों/भागीदारों के ब्योरे

क्रम संख्या	फर्म का नाम	डी०आई०एन० नम्बर	मोबाइल नम्बर	ई-मेल पता
(1)				
(2)				

05-कम्पनी के समय ज्ञापन तथा संगम अनुच्छेद

06-पिछले 03 वर्षों के विज्ञापन कारोबार में अभिकरण का अनुभव, ब्यौरे यदि उपलब्ध है,

07-अभिकरण के प्रत्येक निदेशक के कार्य अनुभव का विवरण,

08-निदेशक या निदेशकों का किसी अन्य अधिकरण में किसी मामले में दोषी न होने का शपथ-पत्र

09-पिछले 03 वर्षों की बैलेस भीट/अनुपब्धता की स्थिति में उक्त आंशय का शपथ-पत्र।

10-अभिकरण के प्राधिकृत हस्ताक्षरी के लिए न किसी व्यक्तिक निदेशक बोर्ड (संकल्प पारित करके) प्राधिकार-पत्र,

- 11—कानपुर नगर निगम में पिछले 05 वर्षों में प्राप्त विज्ञापन अधिकारी/अनुमति के ब्यौरे,
- 12—शपथ-पत्र कानपुर नगर निगम में उसके विरुद्ध कोई भुगतान हेतु राशि लम्बित नहीं है,
- 13—संस्था की किस्म.....
- 14—पैन नम्बर
- 15—जी०एस०टी० नम्बर
- 16—पंजीकरण राशि
- 17—क्या आवेदक फर्म/कम्पनी को पिछले 03 वर्षों में किसी भी सरकारी संस्था ☐ नहीं ☐
द्वारा काली सूची में डाला गया है, (यदि हाँ तो विवरण लिखे)
- 18—क्या आवेदक फर्म/कम्पनी में कोई लम्बित बकाया है हाँ ☐ नहीं ☐
- 19—यदि हाँ कुल लम्बित राशि का विवरण दें.....
- 20—क्या आवेदक फर्म/कम्पनी में कोई भी मामला न्यायालय में लम्बित है हाँ ☐ नहीं ☐
(यदि हाँ तो विवरण लिखे)
- मैं/हम, कानपुर नगर निगम द्वारा विज्ञापन उपविधि 2021 हाँ ☐ सहमत ☐
- निबन्धनों तथा शर्तों तथा मार्गदर्शनों का पालन करूंगा/करेंगे।
- उपरोक्त सूचीबद्ध सूचना भी सत्य तथा प्रमाणिक है तथा इसके सम्बन्ध में प्रतिकूल निष्कर्ष के मामलों में रजिस्ट्रेशन रद्द हो जायेगा।

(ऑफ लाइन प्रस्तुतिकरण के मामलों में, कृपया इस प्रारूप का प्रिंटआउट ले तथा “नगर आयुक्त, कानपुर नगर निगम में भुगतान योग्य” के पक्ष में नगर निगम द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट ऐसी धनराशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट सहित इसे प्रस्तुत करें।)

टिप्पणी—1—यह केवल एक प्रतीकी प्रारूप है तथा समय-समय पर उपविधि के नगर निगम द्वारा रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है। वेबसाइट से नवीनतम संस्करण हमेशा प्रयोग किया जाना है।

नोट—सभी सूचना भरना अनिवार्य है।

आवेदक के हस्ताक्षर/मोहर

नाम.....

पता.....

दूरभाष—

1—टिप्पणी—यह केवल प्रतीकात्मक प्रारूप है तथा यह नगर निगम द्वारा समय-समय पर रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है।

प्रारूप-1 (क)

अनुमोदन प्रारूप

(देखिए उप-विधि 5)

संख्या.....

दिनांक

सेवा में,

.....

.....

कानपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में बाहरी विज्ञापनों के प्रदर्शन (ओ०एम०डी०) को लगाने के रजिस्ट्रेशन के लिए आपके आवेदन संख्यादिनांकके संदर्भ में है।

श्रीमान जी,

यह बाहरी प्रदर्शन के ओ०एम०डी० को लगाने के लिए नगर निगम से रजिस्ट्रेशन के बारे में आवेदन के संदर्भ में है।

यह सूचित किया जाता है कि आपके आवेदन के विचारण में निम्नलिखित निर्णय लिया गया है।

1—पंजीकरण के लिए आपका आवेदन स्वीकृत कर लिया गया है और आपको यूनिक आई०डी० पहचान संख्याआवंटित की गई है। कृपया नगर निगम कानपुर में सभी आगामी पत्राचार तथा नगर निगम.....की वेबसाइट पर आपके लेखे को सक्रिय करने के लिए इसका प्रयोग किया जाये।

2—आपकी नई स्वीकृति/नवीनीकरण के लिए आपका आवेदन निम्नलिखित के कारण अस्वीकृत किया गया है—

- अधूरा आवेदन।
- दी गई गलत सूचना।
- नगर निगम, स्मार्ट सिटी/जलकल विभाग नगर निगम में लम्बित देय।
- काली सूची में डाली गई स्थिति सत्यापित नहीं है।
- अन्य।

नगर आयुक्त,

नगर निगम, कानपुर।

01—टिप्पणी—आवेदन की अस्वीकृति के मामले में, आप उपरोक्त वर्णित शर्तों की सन्तुष्टि होने पर नया आवेदन कर सकते हैं।

02—टिप्पणी—यह केवल प्रतीकात्मक प्रारूप है तथा यह नगर निगम द्वारा समय-समय पर रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है।

फार्म संख्या—

आवेदन मूल्य—500 + (जी0एस0टी0) प्रति स्थल

प्रारूप-2

देखिये उपविधि 6, 9,10

विज्ञापन हेतु आवेदन-पत्र

भाग-1

क्र० सं०

1—आवेदक या संस्था का नाम—

2—पता—

3—ई-मेल आई०डी०—

4—मोबाइल नम्बर—

5—पैन नम्बर—

6—जी०एस०टी० नम्बर—

7—कानपुर नगर निगम में पंजीकरण संख्या—

8—आवेदन/संस्था पर पूर्ववर्ती बकाया की स्थिति

9—संस्था की स्थिति में निर्देशकों/पार्टनरों का विवरण

10—प्रचार की विशिष्टता—पूर्ववर्ती वर्षों के अन्य संस्थाओं के साथ विशिष्ट विज्ञापन कार्य का विवरण एवं वर्तमान में नगर निगम के साथ कार्य हेतु प्रस्तावित विशिष्ट कार्य योजना पृथक् से संलग्न करें।

11—स्थल का नजरी नक्शा (जी0पी0एस0 कोआर्डिनेट्स के साथ) नगर निगम द्वारा चिन्हीकरण के अनुसार संलग्न करें

12—पूर्ववर्ती बकाया का विवरण—

क्र०सं०	वित्तीय वर्ष	बकाया धनराशि	बकाया का कारण स्पष्ट अंकित करें।	अवशेष हेतु कोई प्रत्यावेदन कार्यालय स्तर पर लम्बित है साक्ष्य सहित संलग्न करें।

13—निजी भवन/भूमियों पर अनुज्ञा की स्थिति में—

(1) सम्बन्धित भवन स्वामी की अनापत्ति प्रस्तुत करें।

(2) संरचना अभियन्ता का वांछित प्रमाण-पत्र।

(3) स्थल की प्रस्तावित फोटोग्राफ।

(4) स्थल का नजरी नक्शा (जी0पी0एस0 कोआर्डिनेट्स के साथ) भवन स्वामी एवं आवेदक द्वारा संयुक्त हस्ताक्षरित।

मैं निवासी— द्वारा नगर निगम अधिनियम, 1959 के प्राविधानों के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा प्रख्यापित कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020' को पूर्ण रूप से समझते हुये उपविधि में दिये गये नियमों/उपनियमों, भारत सरकार, राज्य सरकार एवं अधिनियम में निहित व्यवस्था के अन्तर्गत नगर निगम के द्वारा भविष्य में दिये गये निर्देशों का पूर्ण पालन करूंगा।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम—

पता—

दूरभाष नम्बर—

विज्ञापन हेतु आवेदन-पत्र

(भाग-2)

क्र० सं०

1—आवेदक या संस्था का नाम—

2—पता—

3—ई-मेल आई०डी०—

4—मोबाइल नम्बर—

5—पैन नम्बर—

6—जी०एस०टी० नम्बर—

7—कानपुर नगर निगम में पंजीकरण संख्या—

8—नवीनीकरण/एकल विज्ञापन/विज्ञापन समूह का विवरण (नगर निगम सीमान्तर्गत भूमि या सम्पत्तियों का)

[illegible][illegible]

10—धनराशि का विवरण संलग्न करें।

मैं निवासी— द्वारा नगर निगम अधिनियम, 1959 के प्राविधानों के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा प्रख्यापित कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020' को पूर्ण रूप से समझते हुये उपविधि में दिये गये नियमों/उपनियमों, भारत सरकार, राज्य सरकार एवं अधिनियम में निहित व्यवस्था के अन्तर्गत नगर निगम के द्वारा भविष्य में दिये गये निर्देशों का पूर्ण पालन करूँगा।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम—

पता—

दूरभाष नम्बर—

1—टिप्पणी—यह केवल प्रतीकात्मक प्रारूप है तथा यह नगर निगम द्वारा समय-समय पर रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है।

प्रारूप-2 (क)

(देखें उपविधि 10,11)

आवेदन का अनुमोदन-पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में,

.....

.....

विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए नये ओ०एम०डी० की स्थापना के/नवीनीकरण के लिए आपके आवेदन संख्या..... दिनांक.....के संदर्भ में है।

श्रीमान जी,

नगर निगम.....में आपकी कम्पनी/फर्म/अभिकरण द्वारा बाहरी विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए ओ०एम०डी० की स्थापना/के नवीनीकरण के बारे में आपके आवेदन के सन्दर्भ में है।

यह सूचित किया जाता है कि आपके आवेदन के विचारण में निम्नलिखित निर्णय लिया गया है—

(क) नगर निगम के स्वामित्व वाले भूमि/सम्पत्तियों पर ओ०एम०डी० (आउटडोर मीडिया डिस्प्ले) हेतु

क्र० सं०	विज्ञापन का प्रकार	साइज	स्थल	जोन	वार्ड	यूनीक आई०डी० व बार कोड	अनुज्ञा अवधि	अनुज्ञा शुल्क (नगर निगम द्वारा निर्धारित)	प्रीमियम (नगर निगम द्वारा निर्धारित)	ऑफर धनराशि	अभियुक्ति

(ख) निजी भवन एवं भूमियों पर ओ०एम०डी० (आउटडोर मीडिया डिस्प्ले) हेतु

क्र० सं०	भवन संख्या/अध्यासी का नाम	विज्ञापन का प्रकार	साइज	स्थल	जोन	वार्ड	यूनीक आई०डी० व बार कोड	अवधि	अनुज्ञा शुल्क (नगर निगम द्वारा निर्धारित)	ऑफर धनराशि	अभियुक्ति

1—उपरोक्त सूची के अनुसार बाहरी मीडिया के निर्माण/प्रदर्शन के लिए आवेदन स्वीकृत किया गया है। आपको, इसके द्वारा इस पत्र के जारी होने के सात दिन के भीतर रुपये की अनुज्ञा शुल्क प्रीमियम सहित जमा कराने के लिए निर्देशित किया जाता है।

2—नई ओ०एम०डी० के लिए आवंटित एकमात्र आई०डी०..... है। नये मीडिया/नवीनीकरण के लिए आपका आवेदन निम्नलिखित के कारण अस्वीकार है—

- अधूरा आवेदन।
- दी गई गलत सूचना।
- नगर निगम में लम्बित देय।
- काली सूची में डाली गई स्थिति सत्यापित नहीं है।
- अन्य।

नगर आयुक्त,
नगर निगम, कानपुर
तारीख.....

उपरोक्त की प्रति श्री(सम्पत्ति का स्वामी), पता—की सूचना करते हुए तथा कथित करते हुये कि आप दायी होंगे यदि अभिकरण जिसके साथ अपने संविदा करार की है (प्रति संलग्न) उपरोक्त जारी अनुमति के दृष्टिगत नगर की ओर किन्ही देयों के भुगतान में चूक की है और नगर निगम को कानपुर नगर निगम अधिनियम, 1994 (1994 का 16) की धारा 130 के उपबन्धों के अधीन ऐसी सम्पत्ति के अधीन ऐसी सम्पत्ति के कुर्की या विक्रय के रूप में राशि की वसूली करने का अधिकार होगा। आगे उपरोक्त वर्णित अवधि की समाप्ति के बाद आप द्वारा किसी प्रकार के अप्राधिकृत प्रस्ताव में आप दायी ठहराये जायेंगे।

नगर आयुक्त

नगर निगम, कानपुर

तारीख.....

टिप्पणी—आवेदन की अस्वीकृति के मामलों में आप उपरोक्त वर्णित शर्तों की सन्तुष्टि होने पर नया आवेदन कर सकते हैं।

टिप्पणी—यह केवल प्रतीकात्मक प्रारूप है तथा यह समय-समय पर नगर निगम द्वारा रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है।

प्रारूप—3

(देखिये उपविधि 4)

मानक संविदा करार

यह करार आयुक्त, नगर निगम, जिसे, इसमें, इसके बाद प्रथम पक्षकार के रूप में निर्दिष्ट किया गया है (जिसकी अभिव्यक्ति जब तक संदर्भ अर्थ के प्रतिकूल नहीं होगी तथा इसमें उसके प्रथम प्रकार के उक्त अधिकारी तथा समनुदेशिनी शामिल हैं) के द्वारा नगर निगम, (अनुज्ञप्ति शुल्क) जिसका कार्यालयमें है, के बीच दिनांक को (शहर का नाम) में किया गया है।

तथा

इसमें इसके बाद द्वितीय पक्षकार के रूप में निर्दिष्ट बाहरी मीडिया अभिकरण के रूप में नगर निगम से पंजीकृत अपना पंजीकृत कार्यालय में रखने वाली फर्म मेसर्सके श्री/श्रीमती,(स्वामी/भागीदार निदेशक) जब तक अभिव्यक्ति सन्दर्भ या उसके अर्थ के प्रतिकूल नहीं होगी। इसमें द्वितीय पक्षकार के उत्तराधिकारी समनुदेशिनी भी शामिल है।

चूँकि द्वितीय पक्षकार नेमें स्थित, श्री/श्रीमती.....द्वारा स्वामित्वाधीन भूमि/भवन पर बाहरी मीडिया यन्त्र के प्रदर्शन के लिये आवेदन किया है जिसके लिए द्वितीय पक्षकार ने उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2 सन् 1959) की धारा 305, 306, 452 एवं 541 (41) (42) (48) तथा कानपुर नगर निगम विज्ञापन उपविधि, 2020 के उपबन्धों के अधीन ओ०एम०डी० के निर्माण तथा प्रदर्शन के लिये अपनी सम्पत्ति में विज्ञापन के प्रदर्शन के लिये अपनी सम्पत्ति में विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए

आवेदन आई०डी०-द्वारा उपरोक्त निर्दिष्ट स्वामी के परिसर में दिनांक से तक अवधि के लिए प्रथम पक्षकार को आवेदन किया है, सम्पत्ति के स्वामी के साथ द्विपक्षीय करार किया गया है।

इसलिए अब यह करार साक्षी है तथा यह इसके द्वारा निम्नलिखित रूप में इसके पक्षकारों द्वारा तथा बीच किया गया है—

1—कि द्वितीय पक्षकार इसके द्वारा समय-समय पर यथा संशोधित उ०प्र० नगर निगम अधिनियम, 1959 तथा कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020 के उपबन्धों का पालन करने के लिये स्पष्ट रूप से सहमत है तथा वचनबद्ध है।

2—कि द्वितीय पक्षकार इसके द्वारा 15 दिन के नोटिस पर करार के समापन के लिए स्पष्ट रूप से सहमत है। संविदा करार के निर्बन्धों तथा शर्तों की चूक की दशा में करार तुरन्त समापनीय हो जाएगा।

3—कि द्वितीय पक्षकार इसके द्वारा वचन देता है कि ओ०एम०डी० के सन्निर्माण तथा विज्ञापन का प्रदर्शन स्वामियों से या सम्बन्धित भवन या अड़ोस-पड़ोस के भवन तथा/या परिसरों की वायु प्रकाश तथा संवातन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा या में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगा।

4—द्वितीय पक्षकार आगे सहमत है तथा वचन देता है कि वे प्रथम पक्षकार द्वारा उनके विरुद्ध किये गये किसी दावे, वाद तथा दायित्वों के लिये उत्तरदायी होंगे।

5—कि द्वितीय पक्षकार इसके द्वारा आगामी वर्ष के लिये वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क अग्रिम में समय पर जमा करवाने के लिये सहमत है। यह सुनिश्चित किया जायेगा कि अग्रिम फीस भुगतान वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क की समाप्ति से पूर्व जमा हो गई है, जिसमें असफल होने पर अनुज्ञा रद्द किये जाने के लिए उत्तरदायी है। अनुज्ञप्ति शुल्क (प्रीमियम सहित) के जमा न करने के मामले में करार तुरन्त समाप्त हो जाएगा तथा द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रस्तुत बैंक गारन्टी जब्त हो जाएगी तथा लम्बित देय, यदि कोई हो, समायोजित किये जायेंगे।

6—कि निजी भवन एवं भूमियों पर विज्ञापन की दशा में इस उपविधि की धारा 6 (क) के अधीन भवन स्वामी को इस आशय की सूचना प्रेषित की जाये कि उ०प्र० नगर निगम अधिनियम, 1959 के प्रावधानों के अनुरूप विज्ञापनकर्ता द्वारा भुगतान न होने की स्थिति में बकाये की वसूली भवन स्वामी से भू-राजस्व की भाँति की जायेगी।

स्थान एवं दिनांक

नाम, हस्ताक्षर एवं मुहर अधिकृत प्राधिकारी नाम, हस्ताक्षर एवं मुहर अधिकृत प्राधिकारी (प्रथम पक्ष) (द्वितीय पक्ष)

1—**टिप्पणी**—यह केवल प्रतीकात्मक प्रारूप है तथा यह नगर निगम द्वारा समय-समय पर रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है।

प्रारूप-3 (क)

निजी भवन/भूमि पर विज्ञापन हेतु तृतीय पक्ष अनुबन्ध-पत्र का प्रारूप

(शपथ-पत्र/वचन-पत्र)

यह करार बाहरी मीडिया के अभिकरण के रूप में नगर निगम कानपुर में पंजीकृत संख्या जिनका पंजीकृत कार्यालय है में रखने वाली फर्म मेसर्स के श्री/श्रीमान.....(स्वामी/भागीदार/निदेशक) तथा उनके समनुदेशित शामिल है। (प्रथम पक्ष)

एवं

श्री/श्रीमती.....स्वामी/अध्यासी.....भवन
संख्या/ गृहकर आई०डी०द्वितीय पक्ष के मध्य उ०प्र० नगर निगम अधिनियम, 1959
एवं कानपुर नगर निगम कानपुर नगर निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क
निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020 एवं भारत सरकार व उ०प्र० सरकार के द्वारा उक्त अधिनियम, उपविधि एवं
अधिनियम के अधीन समय-समय पर नगर निगम द्वारा निर्गत होने वाले निर्देशों के अनुपालन के सम्बन्ध में है।

1—यह कि प्रथम पक्ष उक्त भवन/भूमि का स्वामी/अध्यासी है (स्वामित्व का प्रमाण संलग्न करें)

2—यह कि प्रथम पक्ष द्वारा अपने उक्त भवन/भूमियों पर द्वितीय पक्ष को बाहरी मीडिया प्रदर्शन हेतु ढांचा
बनाने एवं उस पर विज्ञापन प्रदर्शन हेतु पृथक् करार किया है।

3—यह कि प्रथम पक्ष द्वारा कानपुर नगर निगम द्वारा प्रख्यापित कानपुर नगर निगम कानपुर नगर निगम
(आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020 को पूरी
तरह अध्ययन कर लिया है एवं प्रथम पक्ष व द्वितीय पक्ष इस उपविधि में निर्धारित नियमों एवं उपनियमों का पूर्णतः
पालन करेंगे।

4—यह कि द्वितीय पक्ष के द्वारा उ०प्र० नगर निगम अधिनियम, 1959 एवं कानपुर नगर निगम कानपुर नगर
निगम (आकाश चिन्ह, विज्ञापनों का विनियमन और नियंत्रण एवं अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारण और वसूली) उपविधि, 2020
एवं भारत सरकार व उ०प्र० सरकार के द्वारा उक्त अधिनियम, उपविधि एवं अधिनियम के अधीन समय-समय पर नगर
निगम द्वारा निर्गत होने वाले निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

5—यह कि प्रस्तावित ढांचे एवं विज्ञापन से किसी क्षति या दुर्घटना की स्थिति में प्रथम एवं द्वितीय पक्ष
उत्तरदायी होंगे। किसी भी प्रकार की दुर्घटना या क्षति से नगर निगम कानपुर का कोई भी सरोकार नहीं होगा।

6—यह कि उक्त उपविधि में निर्धारित अनुज्ञा शुल्क एवं अन्य देयों का समय से भुगतान करने का
उत्तरदायित्व द्वितीय पक्ष का होगा। द्वितीय पक्ष द्वारा भुगतान न होने पर नगर निगम द्वारा नियमानुसार विज्ञापन पट्ट
को हटाने एवं नियमानुसार बकाये की वसूली का अधिकार नगर निगम द्वारा अधिकृत अधिकारी /कर्मचारी को रहेगा।
जिस पर प्रथम पक्ष को कोई आपत्ति नहीं होगी।

नाम व हस्ताक्षर

(प्रथम पक्ष)

नाम व हस्ताक्षर

(द्वितीय पक्ष)

01—टिप्पणी—यह केवल प्रतीकात्मक प्रारूप है तथा यह नगर निगम द्वारा समय-समय पर
रूपान्तरण/संशोधन के अधीन है।

अनुसूची-3

नगर निगम सीमान्तर्गत शहर के पर्यावरण में सुधार /प्रदूषण में कमी/हरियाली बढ़ाने/भू-दृश्य के
सौन्दर्यकरण हेतु लगाये जाने वाले ट्री-गार्ड/पलावर पॉट इत्यादि पर विज्ञापन की आवंटन की रीति—

1—नगर आयुक्त द्वारा ऐसी संस्थाओं का पैनल बनाया जायेगा, जो कि वृक्षारोपण/पर्यावरण सुधार का कार्य में विशेष दक्षता व अनुभव रखती है अथवा जो इस कार्य को करने में सक्षम है। उक्त पैनल बनाने के लिए निविदा की प्रक्रिया अपनाई जायेगी।

2—नगर आयुक्त द्वारा ऐसी संस्थाओं को जो नगर निगम के पैनल में सूचीबद्ध हो, को शहर की किसी सड़क के डिवाइडर पर या किसी ऐसी जगह (जहाँ वृक्षारोपण किया जा सकता है) पर ट्री-गार्ड/फ्लावर पॉट लगाने की अनुमति दी जा सकती है।

3—नगर आयुक्त द्वारा निम्नलिखित नियम व शर्तों के आधार पर ट्री-गार्ड/फ्लावर पॉट पर विज्ञापन की अनुज्ञा दी जायेगी—

(क) वृक्षारोपण कार्य पर होने वाला व्यय, पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड व तार बाड़ पर व्यय तथा वृक्षारोपण के पश्चात् पौधों के परिपक्व होने तक समस्त व्यय दाता संगठनों के सहयोग से व जनसहभागिता के माध्यम से जुटाया जायेगा।

(ख) वृक्षारोपण कार्य व उसके अनुरक्षण पर होने वाले व्यय के लिए प्रदेश सरकार को कोई धनराशि व्यय नहीं करनी होगी और न ही सरकार से इसके लिये कोई धनराशि की मांग की जायेगी।

(ग) सड़कों के किनारे पौधे लगाते समय, वृक्षारोपण सहित के अनुसार न्यूनतम पन्द्रह फीट की दूरी पर पौधे लगाये जायेंगे।

(घ) जिन स्थानों पर बिजली व टेलीफोन के तार जा रहे हैं वहां पर ऊंचाई वाले पौधे जैसे कंडेल, हरसिंगार, गुलाचीन, क्लेन्ड्रा, चाँदनी, कनेर, कचनार आदि पौधों का रोपण किया जायेगा।

(ङ) जिन स्थानों पर खुला स्थान उपलब्ध होगा वहां बड़े आकार वाले पौधे जैसे नीम, पीपल पाकड़, गूलर, जामुन, आम, कटहल, कदम्ब, अशोक, खिन्नी, जंगल जलेबी आदि का रोपण किया जायेगा।

(च) वृक्षारोपण कार्य में सहयोग करने व्यक्तियों का दाता संगठनों का नाम (आकार 24" x 18") ट्री-गार्ड पर लिखा जायेगा जिस पर पर्यावरण संरक्षण व समाज कल्याण के संदेश भी होंगे। इस प्रकार की नाम पट्टिकाओं पर यदि किसी प्रकार शुल्क, स्थानीय निकायों को देय होगा तो वह भी दाता संगठनों से जुटाकर दिया जायेगा।

(छ) रोपित किये गये पौधों को कम से कम दस से पन्द्रह वर्ष तक नियमित रूप से देखभाल सिंचाई व खाद आदि की व्यवस्था आपकी संस्था को करनी होगी।

4—नगर आयुक्त को किसी भी समय बिना कारण बताए संस्था का कार्यादेश निरस्त करने का अधिकार होगा।

ह0 (अस्पष्ट),
नगर आयुक्त,
नगर निगम, कानपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मै0 अमन डवलपर्स, लोहामण्डी मैनपुरी में स्थित है उपरोक्त फर्म में हम अंसार अहमद, श्रीमती सुल्ताना परवीन, मोहम्मद हाशिम, इरशाद अहमद, निवासीगण मैनपुरी सभी साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 29 अक्टूबर, 2014 को संचालन की थी जो आज दिनांक 30 नवम्बर, 2021 को अपनी स्वेच्छा से फर्म से मोहम्मद हाशिम इरशाद अहमद पृथक् हो गये हैं एवं दिनांक 30 नवम्बर, 2021 से श्री मोहम्मद अमन अंसार फर्म में साझेदार हो गये हैं। अब फर्म को अंसार अहमद, श्रीमती सुल्ताना परवीन, मोहम्मद अमन अंसार साझेदार के रूप में फर्म को संचालित करेंगे।

अंसार अहमद,
साझेदार।

सूचना

मेसर्स सिद्ध बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स ई 75/450 अर्वा बिनगवा के0डी0ए0 कालोनी नौबस्ता, कानपुर नगर पार्टनरशिप डीड दिनांक 07 दिसम्बर, 2021 से निम्न परिवर्तन की सूचना देता हूँ यह कि उपरोक्त फर्म की साझीदारी से दिनांक 07 दिसम्बर, 2021 से प्रातः काल से श्री अमित प्रताप सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, निवासी 128/74सी ब्लॉक किदवई नगर, कानपुर नगर शामिल हुये हैं यह कि पार्टनरशिप डीड दिनांक 29 दिसम्बर, 2018 के नियमित साझीदार श्री आकाश मिश्रा पुत्र श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, निवासी 128/3/60 बी नौबस्ता, कानपुर नगर ने दिनांक 07 दिसम्बर, 2018 सायंकाल से स्वेच्छा से उक्त फर्म से प्रथक् हो गये पार्टनरशिप डीड दिनांक 07 दिसम्बर, 2021 के अनुसार फर्म में वर्तमान में दो साझीदार हैं अमित कुमार पाण्डेय पुत्र श्री मदन चन्द्र पाण्डेय, निवासी 75/450 अर्वा बिनगवा के0डी0ए0 कालोनी नौबस्ता, कानपुर नगर श्री अमित प्रताप सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, निवासी 128/74 सी ब्लॉक किदवई नगर कानपुर नगर।

अमित कुमार पाण्डेय,
साझीदार,
मेसर्स सिद्ध बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स,
ई 75/450 अर्वा बिनगवा,
के0डी0ए0 कालोनी, नौबस्ता, कानपुर नगर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाई स्कूल के सर्टिफिकेट पेन कार्ड, आधार कार्ड में मेरा नाम (AKSHAY KUMAR DIXIT) अक्षय कुमार दीक्षित अंकित है जो कि सही है, जबकि त्रुटिवश इण्टर मीडिएट और बीए तृतीय वर्ष में मेरा नाम अक्षया कुमार दीक्षित (AKSHAYA KUMAR DIXIT) अंकित हैं दोनों नाम मेरे ही हैं, अतः भविष्य में मुझे अक्षय कुमार दीक्षित (AKSHAY KUMAR DIXIT) के नाम से जाना व पहचाना जाये।

अक्षय कुमार दीक्षित,
पुत्र स्व0 तारा शंकर दीक्षित,
ग्राम-कनियर, पोस्ट-कनियर,
जिला वाराणसी-221104।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म मे0 आर्विट डेवलपर्स, 110/25 सिविल लाइन्स, तहसील सदर, जिला गोरखपुर में साझेदारी डीड दिनांक 30 सितम्बर, 2014 द्वारा क्रमशः श्री सीताराम अग्रवाल, श्री अशोक कुमार अग्रवाल एवं श्री अभिषेक अग्रवाल कुल तीन साझेदार रहे हैं। दिनांक 29 जुलाई, 2020 से उपरोक्त फर्म में श्रीमती रन्जू अग्रवाल पत्नी अशोक कुमार अग्रवाल, निवासी 13 सिविल लाइन्स, गोरखपुर को नये साझेदार के रूप में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार दिनांक 29 जुलाई, 2020 से फर्म मे0 आर्विट डेवलपर्स के साझेदार एवं उनके भागीदारी का अनुपात निम्नानुसार है। 1—श्री सीता राम अग्रवाल—21.67%, 2—श्री अशोक कुमार अग्रवाल—33.33%, 3—श्री अभिषेक अग्रवाल—33.33% एवं 4—श्रीमती रन्जू अग्रवाल—11.67%।

अशोक कुमार अग्रवाल,
साझेदार,
मे0 आर्विट डेवलपर्स।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मै0 तिरुपति इन्फ्राटैक, जी-1, कावेरी रॉयल अपार्टमेन्ट, स्वर्ण जयन्ती नगर, रामघाट रोड, अलीगढ़ जो कि श्री सुभाष यादव, श्री योगेश कुमार गुप्ता, श्री राजेश अग्रवाल, श्रीमती लता वर्मा, श्री बांके गर्ग तथा श्रीमती मंजरी के द्वारा

संचालित की जा रही थी, जिसको हम सभी भागीदारों द्वारा अपनी स्वेच्छा से दिनांक 31 मार्च, 2021 से विघटित कर दिया गया है।

योगेश कुमार गुप्ता,
भागीदार,
मै0 तिरुपति इन्फ्राटैक,
जी-1, कावेरी रॉयल अपार्टमेन्ट,
स्वर्ण जयन्ती नगर,
रामघाट रोड, अलीगढ़।

सूचना

फर्म मै0 पूजा इन्फ्राटैक 4/3ए आवास विकास कालोनी जेल रोड, अलीगढ़ पत्रावली संख्या एजी-10662 में दिनांक 01 अक्टूबर, 2020 को लव कुमार पुत्र स्व0 गजेन्द्र सिंह, निवासी 6, पटपरगंज, दिल्ली-91 फर्म की भागीदारी में सम्मिलित हुये तद्दिनांक को प्रताप सिंह पुत्र श्री बिजेन्द्र सिंह, निवासी-4/122 किशोर नगर अलीगढ़ एवं श्रीमती ऊषा सिंह पत्नी श्री प्रताप सिंह, निवासी-4/122 किशोर नगर अलीगढ़ अपनी स्वेच्छा से फर्म की भागीदारी से पृथक् हुये, वर्तमान फर्म में भागीदार कुश

कुमार, श्री गौरांग सिंह, श्रीमती राजाबाला सिंह, श्रीमती अनीता सिंह, श्री कौशलराज सिंह, श्री लव कुमार हैं।

कुश कुमार,
साझेदार,
मै0 पूजा इन्फ्राटैक,
4/3ए आवास विकास कालोनी जेल,
रोड अलीगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे फर्म का नाम संक्षेप में एस0एस0 कोल्ड स्टोरेज एवं आईस प्लेट फार्म नं0-1 में अंकित है। जिसका पंजीकरण संख्या ALL0009539 है। मेरे फर्म का पूरा नाम शिवराज सत्येन्द्र सिंह कोल्ड स्टोरेज चॉंदेराई, सरसवां, जनपद कौशाम्बी है। भविष्य में मेरे फर्म को इसी नाम से जाना, पहचाना जाये।

रणजीत सिंह,
शिवराज सत्येन्द्र सिंह कोल्ड स्टोरेज,
चॉंदेराई, सरसवां, जनपद कौशाम्बी,
हालपता-15 न्यू एम0आई0जी0 प्रीतमनगर,
प्रयागराज, उ0प्र0।